वर्ष 69 अंक 149 पृष्ठ 12
भोपाल, गुरुवार 26 फरवरी, 2026
फाल्गुन शुक्ल पक्ष 09, विक्रम संवत् 2082
महानगर मूल्य 5 रुपए

दैनिक जागरण

www.dainikjagranmpcg.com

गलतियां इस बात का प्रमाण हैं कि आप कोशिश कर रहे हैं।
-अज्ञात

ऑफ बीट

अब चुगली की तो पांच हजार रुपए जुर्माना

छत्तीसगढ़ के बालोद जिले के मेड़की गांव की ग्राम सभा ने हाल ही में आपसी विवादों को रोकने के लिए एक अनोखा नियम बनाया है। इसके तहत किसी व्यक्ति की चुगली करने या पीठ पीछे बुराई करने पर आरोपी को 5,001 का आर्थिक दंड देना होगा। ग्रामीणों का मानना है कि 'इधर की बात उधर' करने से परिवारों के बीच झगड़े बढ़ते हैं और गांव का माहौल खराब होता है? सामाजिक या धार्मिक कार्यक्रमों में शराब पीकर हंगामा करने पर भी 5,001 का जुर्माना तय किया गया है। गांव में शराब बेचने पर 10 हजार जुर्माना है। एकत्रित जुर्माने की राशि गांव के विकास कार्यों में खर्च की जाएगी। कानूनी तौर पर यदि चुगली झूठी हो और किसी की छवि खराब करती हो, तो बीएनएस की धारा 356 के तहत भी मानहानि का मामला बन सकता है, जिसमें 2 साल तक की कैद या जुर्माना संभव है?

टी-20 वर्ल्ड में आज
सुपर-8 के मुकाबले

द. अफ्रीका बनाम वेस्टइंडीज
समय : दोपहर 3.00 बजे से

भारत बनाम जिम्बाब्वे
समयः शाम 7.00 बजे से

प्रसारणः जियो हॉट स्टार और स्टार स्पोर्ट्स

महिलाओं पर नस्लीय कमेंट, दंपति गिरफ्तार

नई दिल्ली, जेएनएन। अरुणाचल प्रदेश की 3 महिलाओं पर नस्लीय टिप्पणी करने के मामले में दिल्ली पुलिस ने आरोपी रूबी जैन और उसके पति हर्ष सिंह को बुधवार को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के मुताबिक आरोपियों को एससी/एसटी एक्ट के तहत गिरफ्तार किया गया है। कोर्ट ने कपल को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेजा है। इससे पहले मंगलवार को हर्ष सिंह ने कहा कि हम शर्मिंदा हैं। ये सबकुछ हीट ऑफ द मोमेंट में हो गया। हर्ष ने कहा कि मामले में हम दिल्ली पुलिस का पूरी तरह से सहयोग कर रहे हैं। वहीं, वीडियो वायरल होने के बाद केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा कि उनका ऑफिस पीड़ितों और दिल्ली पुलिस के संपर्क में है।

अंतिम संस्कार का अधिकार सम्मान का हिस्सा : कोर्ट

नई दिल्ली, जेएनएन। दिल्ली हाईकोर्ट ने एक बार फिर माना है कि माता-पिता का अंतिम संस्कार करने का अधिकार एक अनिवार्य धार्मिक और नैतिक दायित्व है, और ऐसे मामलों में पैरोल से इनकार करना भारत के संविधान के अनुच्छेद 21 में प्रदत्त एक अपराधी के सम्मान के अधिकार का उल्लंघन होगा। यह याचिका बीएनएसएस 2023 की धारा 528 के साथ संविधान के अनुच्छेद 226 के तहत दायर की गई थी, जिसमें आपातकालीन पैरोल के लिए परमादेश रिट जारी करने की मांग की गई थी। यह आदेश न्यायमूर्ति रविंदर डुडेजा ने अजमेर सिंह उर्फ पिंका बनाम एनसीटी दिल्ली राज्य के एसएचओ कंझावला के माध्यम से पारित किया था, जिसमें राज्य कोर्ट ने एक अपराधी को चार सप्ताह की पैरोल की अनुमति दी थी, ताकि वह तेहरवी समारोह में शामिल हो सके।

सुप्रीम कोर्ट ने एनसीईआरटी की एक किताब के चैप्टर 'ज्यूडिशियल करप्शन' पर जताई नाराजगी

ज्यूडिशिरी को बदनाम करने की इजाजत नहीं दे सकतेः सीजेआई

नई दिल्ली, जेएनएन। सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस सूर्यकांत की आपत्ति के बाद 'ज्यूडीशियल करप्शन' चैप्टर वाली एनसीईआरटी किताब की बिक्री पर रोक लगा दी गई है। एनसीईआरटी के सूत्रों ने इसकी पुष्टि की। रिपोर्ट के मुताबिक, एनसीईआरटी किताब से विवादित हिस्सा हटाया जा सकता है। सूत्रों के अनुसार, एनसीईआरटी ने चैप्टर का सुझाव देने वाले एक्सपर्ट्स और इसे मंजूरी देने वाले अधिकारियों की इंटरनल मीटिंग बुलाई है। किताब को वेबसाइट से भी हटा लिया गया है। सीनियर एडवोकेट कपिल सिब्बल और अभिषेक सिंघवी ने बुधवार को सुप्रीम कोर्ट में यह मामला उठाया था। सिब्बल ने सीजेआई सूर्यकांत, जस्टिस विपुल एम पंचोली, जस्टिस जॉयमाल्या बागची की बेंच को बताया कि क्लास 8 के बच्चों को न्यायपालिका में भ्रष्टाचार के बारे में पढ़ाया जा रहा है। यह निंदनीय है। सिंघवी ने कहा कि एनसीईआरटी ने मान लिया है कि राजनीति, ब्यूरोक्रेसी और अन्य संस्थानों में भ्रष्टाचार है ही नहीं। इस पर सीजेआई सूर्यकांत ने कहा-दुनिया में किसी को भी न्यायपालिका को बदनाम करने की इजाजत नहीं दी जाएगी। यह एक सोची-समझी और गहरी साजिश लगती है। मुझे पता है, इससे कैसे निपटना है। मैं यह केस खुद हैंडल करूंगा। हम इस बारे में और कुछ नहीं कहना चाहते।

तीनों अंगों को जोड़ना चाहिए थाः काउंसिल के एक सीनियर अधिकारी ने कहा, मामला अब कोर्ट में विचाराधीन है, इसलिए वे इस मुद्दे पर कुछ भी नहीं बोंलेंगे। सूत्रों ने कहा कि अगर भ्रष्टाचार का मुद्दा शामिल करना था, तो शासन के तीनों अंगों-विधायिका, कार्यपालिका, न्यायपालिका व को भी जोड़ना था। सूत्रों ने कहा, न्यायपालिका में भ्रष्टाचार से संबंधित आंकड़े संसदीय अभिलेखों और नेशनल ज्यूडिशियल डेटा ग्रिड में मौजूद हैं, लेकिन फैक्ट्स के क्रॉस वेरिफिकेशन के लिए केंद्र से परामर्श नहीं लिया गया।

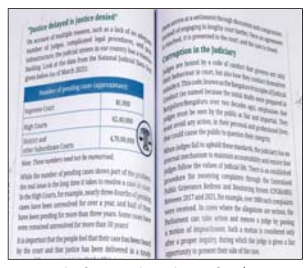

एनसीईआरटी की नई सोशल साइंस टेक्स्टबुक में था चैप्टर

एनसीईआरटी ने 23 फरवरी को क्लास 8 के स्टूडेंट्स के लिए सोशल साइंस की नई टेक्स्टबुक जारी की थी। ये किताब एकेडमिक सेशन 2026-27 से स्कूलों में पढ़ाई जानी थी। इसका पहला पार्ट जुलाई 2025 में रिलीज किया गया था। किताब का नाम 'एक्सप्लोरिंग सोसायटीः इंडिया एंड बियॉन्ड पार्ट 2' है। इसमें 'द रोल ऑफ द ज्यूडीशियरी इन अवर सोसायटी' चैप्टर के अंदर 'करप्शन इन द ज्यूडिशियरी' का टॉपिक जोड़ा गया है। इसमें कहा गया है कि भ्रष्टाचार, बड़ी संख्या में पेंडिंग मामले और जजों की भारी कमी ज्यूडिशियल सिस्टम के सामने प्रमुख चुनौतियों में शामिल हैं।

नेता-अफसर समुदाय विशेष को नहीं कर सकते टारगेट

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि ऊंचे संवैधानिक पदों पर बैठे नेता-अफसर किसी समुदाय को धर्म, जाति, भाषा और क्षेत्र के आधार पर निशाना नहीं बना सकते। ऐसा करना संविधान के खिलाफ है। किसी भी माध्यम से समुदाय को बदनाम नहीं करने दे सकते। जस्टिस बीवी नागरत्ना और जस्टिस उज्ज्वल भुइयां की बेंच ने आगामी नेटफ्लिक्स क्राइम थ्रिलर घूसखोर पंडत पर 19 फरवरी को सुनवाई की थी। ये टिप्पणियां जस्टिस भुइयां ने फिल्म की रिलीज को चुनौती देने वाली याचिका पर अपने अलग फैसले में कही थीं। कोर्ट के ऑर्डर की डिटेल कॉपी आने के बाद बुधवार को जानकारी सामने आई है।

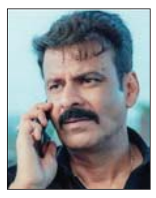

इस दौरान उन्होंने कहा था, संविधान के अनुसार राज्य या गैर-राज्य अभिनेता सहित कोई भी व्यक्ति भाषण, मीम, कार्टून या दृश्य कला जैसे किसी भी माध्यम से किसी समुदाय को बदनाम या अपमानित नहीं कर सकता। बेंच ने फिल्म निर्माता नीरज पांडे के हलफनामे को रिकॉर्ड में लेकर याचिका खत्म कर दी थी। अदालत ने उम्मीद जताई थी कि विवाद अब खत्म हो जाएगा। जस्टिस भुइयां ने अपने 39 पन्नों के अलग फैसले में कहा कि संविधान की प्रस्तावना में सभी नागरिकों के बीच भाईचारा बढ़ाने और देश की एकता व अखंडता बनाए रखने का वादा किया गया है। मनोज बाजपेयी की फिल्म घूसखोर पंडत का नाम बदल दिया गया है। फिल्ममेकर नीरज पांडेय ने सुप्रीम कोर्ट में एफिडेविट दाखिल करके इसकी जानकारी दी। जिसमें बताया गया कि फिल्म का विवादित टाइटल हटा दिया गया है। अब इसका कहीं इस्तेमाल नहीं होगा। नया नाम अभी तय नहीं हुआ है, लेकिन जो भी रखा जाएगा, वह पुराने नाम जैसा या उससे मिलता-जुलता नहीं होगा।

क्या हिंदू-मुस्लिम की शादी से टूटता है सामाजिक तानाबाना!

सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को फिल्म 'यादव जी की लव स्टोरी' पर रोक लगाने की मांग खारिज कर दी। कोर्ट ने कहा कि फिल्म के नाम में ऐसा कोई शब्द नहीं है, जिससे यादव समाज की छवि खराब होती हो। विश्व यादव परिषद ने याचिका में कहा था कि फिल्म का नाम यादव समाज को गलत तरीके से दिखाता है। साथ ही फिल्म में यादव समाज की एक हिंदू लड़की और एक मुस्लिम लड़के की प्रेम कहानी दिखाई गई है। जस्टिस बीवी नागरत्ना और जस्टिस उज्जल भुइयां की बेंच ने सुनवाई के दौरान पूछा, 'क्या किसी हिंदू लड़की की मुस्लिम लड़के से शादी सामाजिक ताना-बाना तोड़ती है?'

कोर्ट ने 'घूसखोर पंडित' मामले से अलग बतायाः बेंच ने हाल में फिल्म 'घूसखोर पंडित' से जुड़े आदेश से इस मामले को अलग बताया। कोर्ट ने कहा कि 'घूसखोर' शब्द का अर्थ भ्रष्ट होता है, जो सीधे तौर पर नकारात्मक अर्थ जोड़ता है, जबकि मौजूदा फिल्म के नाम में ऐसा कोई नकारात्मक संकेत नहीं है। याचिकाकर्ता के वकील ने कहा कि फिल्म खुद को एक सच्ची कहानी पर आधारित बताती है। इस पर कोर्ट ने जवाब दिया, फिल्म बैंडिट क्वीन में भी गुर्जर समुदाय को गलत तरीके से दिखाने की बात उठी थी, तब भी कोर्ट ने बैन से इनकार किया था। वकील ने कहा कि फिल्म अभी रिलीज नहीं हुई है और अगर रिलीज के बादकुछ आपत्तिजनक लगे तो वे फिर कोर्ट आ सकते हैं। इस पर बेंच ने कहा, जरा सहनशील बनिए। यह फिक्शन है। एक हफ्ते में सब खत्म हो जाएगा। आजकल लोग थिएटर नहीं, मोबाइल पर देख रहे हैं। फिल्म यादव जी की लव स्टोरी 27 फरवरी को रिलीज होनी है। इसमें प्रगति तिवारी मुख्य एक्ट्रेस हैं।

पीएम ने इजरायली संसद को किया संबोधित

गाजा पीस प्लान को भारत का समर्थन

तेल अवीव, जेएनएन। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बुधवार को दो दिन के इजराइल दौरे पर पहुंचे। इस दौरान इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू और उनकी पत्नी सारा नेतन्याहू ने एयरपोर्ट पर मोदी को रिसीव किया। इसके बाद पीएम मोदी ने इजराइली संसद नेसेट को संबोधित किया। इस दौरान उन्हें संसद का सर्वोच्च सम्मान 'स्पीकर ऑफ द नेसेट मेडल' दिया गया। नेसेट को संबोधित करते हुए मोदी ने इजराइल पर हमास के हमले की निंदा की। उन्होंने कहा, हम आपके दर्द को समझते हैं, भारत लंबे वक्त से आतंकवाद से पीड़ित है। भारत इजराइल के साथ खड़ा है। वहीं नेतन्याहू ने मोदी को एशिया का शेर और दुनिया का सम्मानित नेता बताया। इसके पहले मोदी नेसेट को संबोधित करने पहले भारतीय प्रधानमंत्री है। संसद पहुंचने पर सांसदों ने मोदी का खड़े होकर स्वागत किया और मोदी मोदी के नारे भी लगाए। मोदी ने कहा, पिछले कुछ सालों से, भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ने वाली बड़ी इकॉनमी रहा है। जल्द ही, हम दुनिया की टॉप तीन इकॉनमी में शामिल होंगे। पिछले कुछ सालों में, भारत ने दूसरे देशों के साथ कई जरूरी ट्रेड एग्रीमेंट किए हैं...हमारी टीमें एक बड़े फ्री ट्रेड एग्रीमेंट पर बातचीत करने के लिए कड़ी मेहनत कर रही हैं। मोदी इजरायल के पीएम नेतन्याहू के साथ प्रतिनिधिमंडल स्तर की वार्ता करेंगे। वह राष्ट्रपति आइसेक हरजोग से भी मुलाकात करेंगे। मोदी इजरायली संसद नेसेट को संबोधित करने वाले पहले भारतीय पीएम बन गए। उनके पहुंचने से पहले ही सांसदों ने 'मोदी, मोदी' के नारे लगाए, जिससे वहां का माहौल उत्साहपूर्ण हो गया।

रक्षा और रणनीतिक सहयोग पर जोर

इस यात्रा में रक्षा और सुरक्षा सहयोग अहम मुद्दा है। भारत के स्वदेशी एयर डिफेंस सिस्टम 'सुदर्शन चक्र' और इजरायल की आयरन डोम तकनीक पर संभावित सहयोग पर चर्चा हो सकती है। दोनों देश रक्षा संबंधों को सिर्फ खरीद-बिक्री तक सीमित नहीं रखना चाहते, बल्कि संयुक्त उत्पादन और उन्नत रक्षा प्रणालियों के विकास की दिशा में आगे बढ़ना चाहते हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, दोनों देशों के रिश्तों को 'विशेष रणनीतिक साझेदारी' के स्तर तक अपग्रेड करने पर भी बातचीत हो सकती है। यह दर्जा इजरायल अब तक अमेरिका और जर्मनी जैसे चुनिंदा देशों को ही देता रहा है। आर्थिक सहयोग, निवेश और फ्री ट्रेड एग्रीमेंट पर भी जोर रहेगा। पहले से मौजूद द्विपक्षीय निवेश समझौते को आगे बढ़ाने और 'भारत-प.एशिया-यूरोप आर्थिक गलियारे' पर भी चर्चा होने की संभावना है। मोदी यरुशलम में नवाचार से जुड़े कार्यक्रम में हिस्सा लेंगे और याद वाशेम स्मारक का संयुक्त दौरा भी करेंगे।

नेतन्याहू बोले-मोदी मेरे भाई जैसे हैं

मोदी से पहले इजराइली पीएम बेंजामिन नेतन्याहू ने संबोधन में कहा कि मोदी मेरे भाई जैसे हैं, मेरे दिल में उनके लिए खास जगह है। उन्होंने मोदी को दुनिया का सम्मानित नेता बताया। इससे पहले नेतन्याहू और उनकी पत्नी सारा नेतन्याहू ने एयरपोर्ट पर मोदी को रिसीव किया। इस दौरान राष्ट्रगान की धुन के साथ पीएम का स्वागत किया गया। एयरपोर्ट पर ही मोदी और नेतन्याहू ने राजधानी तेल अवीव में प्राइवेट बातचीत भी की। इसके बाद वे होटल पहुंचे जहां, प्रवासी भारतीयों ने उनका स्वागत किया। इस दौरान कलाकारों ने परफोर्मेंस भी दी। मोदी का यह 9 साल बाद दूसरा इजराइल दौरा है। इससे पहले वे जुलाई 2017 में तेल अवीव गए थे।

आजीविका मिशन कार्यशाला में शामिल हुईं प्रदेशभर से महिलाएं

आत्मनिर्भर और सशक्त बनाई जा रहीं महिलाएंः मुख्यमंत्री

विशेष संवाददाता, भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि राज्य में लखपति दीदी योजना के माध्यम से स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं को आत्मनिर्भर और सशक्त बनाया जा रहा है। पिछले एक वर्ष के दौरान स्व-सहायता समूहों ने विभिन्न कंपनी और मेलों के माध्यम से 310 करोड़ रुपए का व्यापार किया है। सीएम बुधवार को कुशाभाऊ ठाकरे कन्वेंशन सेंटर में स्वसहायता समूहों की आजीविका मिशन क्षमतावर्धन कार्यशाला को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा, मप्र, देश का सर्वाधिक प्राकृतिक खेती वाला राज्य है। हमारे स्व-सहायता समूहों की 50 हजार बहनें प्राकृतिक खेती में जुटी हैं। सरकार के प्रयासों से प्रदेश की बहनें सशक्त हो रही हैं। 5 लाख स्व-सहायता समूहों से 65 लाख से अधिक दीदियां जुड़कर सशक्त हुई हैं। इनमें से 12 लाख से अधिक दीदियां लखपति दीदी बन चुकी हैं। डॉ. यादव ने कहा, ग्रामीण अर्थव्यवस्था, महिला उद्यमिता के इतिहास का आज स्वर्णिम दिन है। आजीविका मिशन द्वारा हमारी बहनों के हाथों से बनी सामग्री को वैश्विक बाजार से जोड़ने की पहल सराहनीय है। भारतीय संस्कृति में ऋतुओं से व्यंजनों तथा अन्य उपयोगी सामग्री बनाने का विशेष संबंध है।

6 जिलों के लिए ग्रामीण एक्सप्रेस को हरी झंडी

सीईओ मप्र ग्रामीण आजीविका मिशन हर्षिका सिंह ने कहा, यह कार्यशाला विभिन्न जिलों के स्व-सहायता समूहों की दीदियों को उत्पादन और मार्केटिंग में सहायता व मार्गदर्शन प्रदान करेगी। आजीविका ग्रामीण एक्सप्रेस योजना में प्रदेश के 6 जिले-बैतूल, विदिशा, राजगढ़, कटनी, ग्वालियर एवं भोपाल से 7 एजीईवाय गाडियों को हरी झंडी दिखाई गई है, जो दूर-दराज के क्षेत्रों में दीदियों को आवागमन और उत्पादों को बाजार उपलब्ध कराने में सहायक सिद्ध होंगी। समूह की दीदियों को सीएलएफ के माध्यम से प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है। मप्र में अभी 43 रूरल मार्ट संचालित हैं। कार्यशाला में एसीएस दिपाली रस्तोगी, सचिव कृषि निशांत वरवड़े, चीफ पोस्ट मास्टर जनरल (एमपी सर्कल) विनोद माथुर सहित प्रदेश के विभिन्न जिलों में संचालित स्व-सहायता समूहों की दीदियां बड़ी संख्या में उपस्थित थीं।

भारतीय सोलर पैनल पर अमेरिका में 126% ड्यूटी

वॉशिंगटन, जेएनएन। अमेरिका ने भारत से आने वाले सोलर पैनलों और सेल पर 126 फीसदी की शुरुआती ड्यूटी लगा दी है। अमेरिकी वाणिज्य विभाग का कहना है कि भारत अपने मैन्युफैक्चरर्स को गलत तरीके से सब्सिडी दे रहा है, जिससे अमेरिकी घरेलू कंपनियों को नुकसान हो रहा है।

चीन के जरिए सस्ते प्रोडक्ट भेजने का आरोप

भारत के अलावा लाओस और इंडोनेशिया पर भी 81 फीसदी से 143 फीसदी तक की लेवी लगाई गई है। शुरुआती जांच के आधार पर यह फैसला लिया गया है। जांच पर अंतिम फैसला 6 जुलाई को आएगा। यानी सब्सिडी की बात साबित हो जाती है, तो यह टैक्स स्थायी हो जाएगा।

इस फैसले से भारतीय सोलर एक्सपोर्टर्स के लिए अमेरिकी बाजार में टिकना मुश्किल हो सकता है। 126 फीसदी ड्यूटी लगने का मतलब है कि इन पैनलों की कीमत अमेरिका में दोगुनी से भी ज्यादा हो जाएगी। ऐसे में अमेरिकी खरीदार भारतीय माल के बजाय लोकल कंपनियों या अन्य देशों से पैनल खरीदना पसंद करेंगे क्योंकि भारतीय प्रोडक्ट अब कॉम्पिटिशन से बाहर हो जाएंगे।

ऐशबाग में बने ९० डिग्री पुल का मामला सदन में गूंजा

९० डिग्री पुल गलत नहींः मंत्री तो कार्रवाई क्यों कीः विधायक

विशेष संवाददाता, भोपाल। विधानसभा में बजट सत्र के आठवें दिन बुधवार को लोक निर्माण विभाग की अनुदान मांगों को लेकर चर्चा हुई। इस दौरान सत्ता व विपक्ष के बीच बहस हुई। भोपाल के ऐशबाग क्षेत्र में बने 90 डिग्री पुल पर कांग्रेस विधायक ने सवाल खड़े किए, तो विभागीय मंत्री राकेश सिंह ने कहा कि देश-दुनिया में कई 90 डिग्री पुल बने हुए हैं। ऐसे पुल बनना गैर काबिलियत का पैमाना नहीं है। इस पर विधायक ने सवाल पूछा तो फिर इस मामले में अधिकारियों को निलंबित क्यों किया गया।

दरअसल, सदन में लोक निर्माण विभाग की अनुदान मांगों को लेकर चर्चा की गई, जिसमें कई विधायकों ने अपनी बात रखी। कांग्रेस विधायक महेश परमार ने भोपाल में बनाए गए 90 डिग्री पुल को लेकर सवाल खड़े किए। उन्होंने इस मामले में विभागीय अधिकारियों को घेरते हुए कहा कि यह मामला पूरे देश में सबसे ज्यादा चर्चा में रहा है। उन्होंने कहा कि मप्र पीडब्ल्यूडी की पहचान भ्रष्टाचार के तौर पर की जा रही है। विभाग के एक अधिकारी के भ्रष्टाचार जगजाहिर हुए हैं। आखिर किस मानक और किस इंजीनियरिंग के तहत पुल को बनाया गया। इस पर मंत्री राकेश सिंह ने कहा कि 90 डिग्री का पुल बनाने पर किसी की काबिलियत पर सवाल खड़े नहीं किए जा सकते। दुनियाभर में ऐसे पुल निर्मित कराए गए हैं। इस पर परमार ने पूरक सवाल किया, तो विभाग ने फिर इस पुल के निर्माण से जुड़े अधिकारियों को सस्पेंड क्यों किया। संबंधित अधिकारियों को प्रोत्साहित क्यों नहीं किया गया। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि ऐसे अधिकारियों के नाम सार्वजनिक कर सूची चस्पा कराई जानी चाहिए।

इंदौर मेट्रो में पार्किंग की व्यवस्था नहीं : परमार

बहस के दौरान परमार ने इंदौर मेट्रो से जुड़ा मामला उठाते हुए कहा कि वहां पर पार्किंग की व्यवस्था नहीं की गई है। क्या एआई के माध्यम से वाहनों की पार्किंग कराई जाएगी। उन्होंने कहा कि प्रदेश में मेट्रो ट्रेन पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ की देन है। इस पर मंत्री सिंह ने कहा कि मेट्रो उनके विभाग के तहत नहीं आता, तब परमार ने कहा कि आपकी पार्टी के विधायक जब मेट्रो को लेकर आपकी तारीफ कर रहे थे, तब आपने उन्हें टोका क्यों नहीं।

चर्चा में

एक्टर देवरकोंडा-रश्मिका की हुई हल्दी रस्म, म्यूजिक नाइट में किया डांस

आज शादी के बंधन में बंध जाएंगे विजय-रश्मिका

उदयपुर, जेएनएन। एक्टर विजय देवरकोंडा और एक्ट्रेस रश्मिका की शादी की रस्में राजस्थान के उदयपुर स्थित लग्जरी होटल 'मोमेंटोस एकाया' में धूमधाम से शुरू हो गई हैं। बुधवार को दोनों की हल्दी सेरेमनी हुई, जबकि इसके बाद मेहंदी की रस्म आयोजित की गई। गुरुवार को दोनों शादी के बंधन में बंधेंगे। शादी के बाद 3 और 4 मार्च को हैदराबाद में ग्रैंड रिसेप्शन आयोजित किया जाएगा, जिसमें साउथ और बॉलीवुड इंडस्ट्री की कई हस्तियां शामिल होंगी।

होटल को पीले फूलों, हल्के हरे शेड्स के पर्दों और खास लाइटिंग से सजाया गया है। टेबल सेटिंग में मोती जैसी फिनिश और ताजे फूलों-फलों से सजे सेंटरपीस आकर्षण का केंद्र हैं। मंगलवार रात आयोजित म्यूजिक नाइट में विजय और रश्मिका एक-दूसरे का हाथ थामकर एंट्री लेते नजर आए।

खास मेहमान पहुंचे

शादी में शामिल होने फिल्म निर्देशक संदीप रेड्डी वांगा उदयपुर पहुंचे। उन्होंने विजय के साथ 'अर्जुन रेड्डी' और रश्मिका के साथ 'एनिमल' फिल्म बनाई है। इसके अलावा एक्टर-डायरेक्टर राहुल रविन्द्रन, एक्ट्रेस आशिका रंगनाथ, ईशा रब्बा, डायरेक्टर तरुण भास्कर और स्टाइलिस्ट श्रव्या वर्मा भी शादी में शामिल होने पहुंचे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी दोनों को बधाई संदेश भेजा है।

साउथ इंडियन रीति-रिवाज

शादी की रस्मों के लिए साउथ इंडिया से विशेष पंडित बुलाए गए हैं, जो पारंपरिक विधि-विधान से विवाह संपन्न कराएंगे। समारोह में केवल करीब 200 मेहमान शामिल होंग। जिनमें परिवार, करीबी दोस्त शामिल हैं। हालांकि रिसेप्शन में साउथ फिल्म इंडस्ट्री और बॉलीवुड के कई कलाकार मौजूद रहेंगे।

विजय ने ब्लैक शेरवानी पहनी, जबकि रश्मिका सिल्वर आउटफिट में दिखीं। दोनों ने साउथ और बॉलीवुड गानों पर स्पेशल परफॉर्मेंस दी। वेन्यू के एंट्री गेट पर दोनों की तस्वीरों की एक खास फोटो गैलरी भी लगाई गई थी। परिवार और दोस्तों ने भी जमकर डांस किया।

विजय और रश्मिका 23 फरवरी को ही परिवार के साथ वेडिंग वेन्यू पहुंच गए थे। 23-24 फरवरी को प्री-वेडिंग पार्टियां हुईं। 24 फरवरी को दोनों की टीमों के बीच एक फ्रेंडली क्रिकेट मैच खेला गया, जिसे 'विरोष प्रीमियर लीग' नाम दिया गया। पूल पार्टी और डिनर की तस्वीरें भी सोशल मीडिया पर साझा की गईं।

यह शादी है ट्रेंडसेटर

'विरोष' ब्रांडिंग का ट्रेंडः दोनों के नाम को मिलाकर बनाया गया 'विरोष' टैग पूरे समारोह की थीम बना हुआ है। प्री-वेडिंग क्रिकेट मैच को 'विरोष प्रीमियर लीग' नाम देना और गेस्ट बैंड्स पर यही टैग लगाना सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय है।

मल्टी-कल्चरल वेडिंग कॉन्सेप्टः शादी साउथ इंडियन रीति-रिवाज से हो रही है, लेकिन मेन्यू में साउथ इंडियन, पंजाबी, जापानी डिशेज शामिल हैं।

इको-फ्रेंडली सजावटः सजावट में अधिकतर ताजे फूल, प्राकृतिक रंग और रिसाइक्लेबल मटेरियल का उपयोग किया गया है। प्लास्टिक डेकोर से बचने की कोशिश की गई है। हाई सिक्योरिटी अरेंजमेंट, डिजिटल कवरेज पर रोक इस शादी को अहम बनाते हैं।

40 हजार करोड़ के फ्रॉड मामले में ईडी की कार्रवाई

अनिल अंबानी का 17 मंजिला घर जब्त, कीमत 3716 करोड़

मुंबई, जेएनएन। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने रिलायंस ग्रुप के चेयरमैन अनिल अंबानी के मुंबई स्थित बंगले 'एबोड' को अटैच यानी जब्त कर लिया है। इसकी कीमत करीब 3,716 करोड़ रुपए आंकी गई है। यह कार्रवाई मनी लॉन्ड्रिंग निरोधक कानून के तहत की गई है। मामला उनकी ग्रुप कंपनी रिलायंस कम्युनिकेशंस (आरकॉम) द्वारा किए गए कथित बैंक फ्रॉड से जुड़ा है। अनिल अंबानी पर 40 हजार करोड़ रुपए के बैंक फ्रॉड मामले में जांच चल रही है। अनिल अंबानी का यह बंगला मुंबई के सबसे पॉश इलाके पाली हिल में स्थित है। 66 मीटर ऊंचे इस बंगले में कुल 17 फ्लोर हैं। यह देश के सबसे महंगे रिहायशी घरों में गिना जाता है। ईडी ने इस संपत्ति को कुर्क करने के लिए एक प्रोविजनल ऑर्डर जारी किया है। बैंक धोखाधड़ी के मामले में लंबे समय से चल रही जांच के बाद केंद्रीय एजेंसी ने यह बड़ा कदम उठाया है। यह पूरी कार्रवाई रिलायंस कम्युनिकेशंस और उससे जुड़ी कंपनियों के खिलाफ चल रही जांच का हिस्सा है। आरोप है कि बैंक से लिए गए लोन की राशि का गलत इस्तेमाल किया गया और उसे अन्य कार्यों में डायवर्ट किया गया। ईडी पिछले काफी समय से अनिल अंबानी और उनके ग्रुप की वित्तीय लेन-देन की जांच कर रही थी। इससे पहले भी अंबानी से इस मामले में पूछताछ की जा चुकी है। आरकॉम पिछले कई सालों से वित्तीय संकट से जूझ रही है।

संक्षिप्त खबरें

वन कर्मचारी मंच ने सौंपा वन बाल प्रमुख को ज्ञापन

एजुकेशन रिपोर्टर, भोपाल। मप्र कर्मचारी मंच वन विभाग शाखा के बैनर तले बुधवार को वन कर्मचारियों ने वन मुख्यालय वन भवन पर प्रदर्शन कर वन बल प्रमुख विजय अंबाडे को छह सूत्रीय मांगो का ज्ञापन सौंपा। सौंपने वालों में प्रमुख अशोक पांडे, लव प्रकाश पाराशर, इकबाल अली, लाल मियां, अरुण पांडे, कमलेश साकेत, कमल सिंह, तेजराम अहिरवार, गोरेलाल, सुरेश, विक्रम सिंह, सलमान, मुकेश, हेमेंद्र, अनीता गजभिए समेत दर्जनों वन कर्मचारी शामिल थे। कर्मचारी मंच वन विभाग के प्रदेश अध्यक्ष अशोक पांडे ने बताया है कि प्रदेश भर में वन कर्मचारियो के ऊपर प्राण घातक हमले हो रहे हैं, लेकिन वन मुख्यालय द्वारा सुरक्षा की दिशा में कोई कार्रवाई नहीं की जा रही है। इसके विरोध में बुधवार को वन कर्मचारियों ने ज्ञापन सौंपकर वन कर्मचारी की सुरक्षा के लिए ठोस कार्यवाही करने की मांग की है। वन कर्मचारियों को सुरक्षा के लिए आधुनिक शास्त्र एवं वायर लैस सुविधा उपलब्ध कराने, वन कर्मचारी पर हमला करने वाले आरोपियों को तत्काल गिरफ्तार करने, वन मंडलों में सर्कल अफसर को वाहन उपलब्ध कराने, वन कर्मचारी का वर्दी अलाउंस सीधे वन कर्मचारी के खाते में जमा करने और वन विभाग के स्थाई कर्मियों को नियमित करने श्रमिकों को पीएफ सुविधा का लाभ देने की मांग ज्ञापन में प्रमुख रूप से की गई है। पीसीसीएफ ने आश्वासन दिया है कि एक सप्ताह में मांगों का निराकरण किया जाएगा।

निगम ने रातभर काम कर सुधारा वाल्व, सप्लाई शुरू

जागरण संवाददाता, भोपाल। मंगलवार को कोलार जलप्रदाय परियोजना के तहत मैनिट परिसर की मेन फीडर लाइन के वाल्व में अचानक आई तकनीकी खराबी को नगर निगम के अमले ने रातभर काम कर सुधार दिया। नगर निगम के जलप्रदाय विभाग से मिली जानकारी के अनुसार तकनीकी खराबी आ जाने से आसपास के क्षेत्रों में पानी की सप्लाई रुक जाती, जिससे आम लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ता। इसे देखते हुए रातभर काम कर फीडर लाइन के वाल्व को सुधारा गया, जिसके बाद सुबह 6 बजे पानी की सप्लाई शुरू हुई। सप्लाई शुरू होने के बाद दोपहर तक ओवर हेड टैंक भरने का काम किया गया। टैंक के भरते ही वाटर सप्लाई शुरू करवा दी गई। बता दें कि वाल्व को सुधारने के दौरान फीडर लाइन को कुछ समय के लिए शट डाउन किया गया था। जिसके कारण कुछ क्षेत्रों में पानी की सप्लाई नहीं हो सकी। इस कारण निगम अमले द्वारा दोपहर बाद पानी की सप्लाई शुरू करवाई गई।

ध्यानाकर्षण में कांग्रेस-भाजपा विधायकों ने गोवंश संरक्षण को लेकर दिए सुझाव, मंत्री पर सदन को भटकाने का आरोप

सड़क पर गोवंश से परेशानी, किसानों की फसलें हो रहीं बर्बाद, मिलकर निकालना होगा समाधान

विशेष संवाददाता, भोपाल। विधानसभा के बजट सत्र में बुधवार को गोवंश संरक्षण को लेकर पक्ष विपक्ष के बीच जमकर तकरार हुई। दोनों पक्षों ने एक दूसरे पर सदन का ध्यान भटकाने का आरोप लगाया। इससे पहले कांग्रेस के वरिष्ठ विधायक अजय सिंह राहुल के ध्यानाकर्षण पर चर्चा के दौरान विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर ने कहा कि सड़कों पर गौवंश होने से सभी को परेशानी होती है। गो संवर्धन किसी एक पक्ष का विषय नहीं है, यह किसानों से भी जुड़ा है। ऐसे में इस गंभीर विषय पर सभी को मिलकर समाधान निकालना होगा। विधायक सिंह ने कहा कि निराश्रित गोवंश से किसानों की फसलें नष्ट हो रही हैं। उन्होंने कहा कि आखिर किसान करे तो क्या करे, वह अपनी फसल की रखवाली करें या फिर निराश्रित गोवंश को ढूंढते फिरें। किसान रात-रात भर टॉर्च की रोशनी लेकर खेतों से गोवंश को भगाते-भगाते परेशान हो जाते हैं। संसदीय कार्यमंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने कहा कि गौशालाएं यदि सही तरीके से संचालित होंगी, तो इसका सकारात्मक असर दिखेगा। ऐसे लोग जो गोवंश को सड़क पर छोड़ देते हैं, उन्हें भी सरकार यदि 40 रुपए प्रति गोवंश के हिसाब से राशि उपलब्ध कराए, तो गोवंश को सड़कों पर आने से रोका जा सकता है। विजयवर्गीय ने कहा कि इस दिशा में पिछले दो साल से सरकार बेहतर काम कर रही है। कई अच्छी योजनाओं की शुरआत हुई है। ऐसे में हमें यह उम्मीद है कि आने वाले एक दो सालों में गोवंश संरक्षण के मामले में मध्यप्रदेश देश के लिए उदाहरण बनेगा। नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि वर्तमान में सरकार को जीपीएस सिस्टम से निगरानी करानी चाहिए। कांग्रेस विधायक हेमंत काटरे ने कहा कि गोवंश संरक्षण को लेकर सदन में दिन भर चर्चा होनी चाहिए। मेरी चिंता यह है कि जब आवारा कुत्तों पर चर्चा होती, तो 47 मिनट यह सदन दे सकता है। जब हमारी मां समान गौ-माता का विषय है, हमारे किसानों का विषय है, तो इस सदन को इतनी जल्दी क्यों है, मैं तो कहता हूं कि इस पर पूरा दिन चर्चा क्यों नहीं हो सकती। इस पर संसदीय कार्यमंत्री विजयवर्गीय ने आपत्ति जताते हुए कहा कि यह परंपरा रही है कि अगर कोई सदस्य ध्यानाकर्षण लगाता है तो वह सदस्य दो प्रश्न पूछ सकता है। उन्होंने आसंदी से कहा कि आपने उस परपंरा को तोड़कर कितने सारे लोगों को मौका दिया है। इसके बाद भी यह एप्रिसिएट नहीं कर रहे हैं और उस पर आपको कटघरे में खड़ा कर रहे हैं। मुझे इस बात का बहुत अफसोस है। इस पर कांग्रेस विधायक सोहन बाल्मीक ने कहा कि संसदीय कार्यमंत्री ऐसी कोई बात बोलते हैं, जिससे सदन भटक जाता है, आप सदन को भटकाने वाली बात करते हैं। नेता प्रतिपक्ष सिंघार ने कहा कि मेरा दल, मेरे विधायक स्पीकर का सम्मान करते हैं, लेकिन बार-बार विषय भटकाने का काम चलता है। भाजपा विधायकों ने एतराज जताया और दोनों पक्षों के बीच बहस तेज हो गई।

सिंगरौली वन भूमि पर पेड़ों की कटाई को लेकर विस परिसर में कांग्रेस विधायकों ने प्रदर्शन किया।

आदिवासियों का हक छीन रही भाजपा

सदन में सिंगरौली में कोल माइंस के लिए पेड़ काटे जाने का मामला भी उठा। कांग्रेस ने आरोप लगाया कि भाजपा और सरकार आदिवासियों का हक छीनने की कोशिश कर रही है। विधायक जयवर्धन सिंह ने आरोप लगाया कि जब भी कांग्रेस आदिवासियों की जमीन हड़पने या पेड़-पौधे काटने का आरोप लगाती है,भाजपा नेताओं को बैचेनी होने लगती है और उनके द्वारा आपत्ति लगाई जाने लगती है। इस पर सिंगरौली के भाजपा विधायक रामनिवास शाह ने कहा कि पेड़ कटाई से सिंगरौली को एक पैसे का भी नुकसान नहीं हुआ है। कोल माइंस के लिए पेड़ काटना जरूरी है, क्योंकि ऐसा नहीं होगा, तो माइंस से कोयले का खनन कैसे हो पाएगा। शाह ने कहा कि पेड़ कटाई की जगह यदि विस्थापन और मुआवजे की बात सदन में की जाएगी,तो इससे आदिवासियों का फायदा होगा। असली समस्या जमीन,विस्थापन और मुआवजे की है,जिस पर सरकार गंभीर है और इस दिशा में लगातार काम भी कर रही है।

मॉडल फायर एक्ट पर काम जारी, जल्द होगा लागू

विधानसभा में भाजपा विधायक डॉ.अभिलाष पांडे के ध्यानाकर्षण का जवाब देते हुए नगरीय विकास एवं आवास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने बताया कि राज्य में मॉडल फायर एक्ट के आधार पर कानून बनाने की दिशा में काम चल रहा है। तीन महीने पहले इसे लेकर बैठक हुई थी और अगले तीन महीने में निर्णय की स्थिति बन जाएगी। उन्होंने कहा कि आग लगने केवल घर और प्रतिष्ठान ही नहीं, बल्कि लोगों का विश्वास, सपना और जीवन भी प्रभावित होता है। इस दिशा में सरकार पूरी तरह से गंभीर है। इससे पहले डॉ. पांडेय ने ध्यानाकर्षण पर चर्चा के दौरान दूर -दराज क्षेत्रों में नए फायर स्टेशन बनाए जाने की मांग की थी।

झगड़े की वजह से भोपाल व इंदौर का मास्टर प्लान रुका

सदन में चर्चा के दौरान प्रदेश के इंदौर भोपाल सहित दूसरे शहरों के मास्टर प्लान नहीं जारी होने पर भी हंगामे की स्थिति निर्मित हुई। कांग्रेस विधायक भंवर सिंह शेखावत ने कहा कि यह कितने दुर्भाग्य की बात है कि विभाग का मंत्री कह रहा है कि हमने मास्टर प्लान बना लिया है और मुख्यमंत्री के पास लंबित है। दोनों के झगड़े के कारण इंदौर जैसे ऐतिहासिक शहर का मास्टर प्लान अटका हुआ है। इस पर सदन के बाहर नेता प्रतिपक्ष ने भी टिप्पणी की। उन्होंने कहा कि यह कितने दुर्भाग्य की बात है कि मुख्यमंत्री नगरीय विकास एवं आवास मंत्री को फ्री हैंड नहीं दे रहे हैं, जिससे इंदौर भोपाल जैसे बड़े शहरों के मास्टर प्लान रुके हुए हैं।

अच्छी सड़कों का दिखाया सपना, गड्ढों से परेशानी

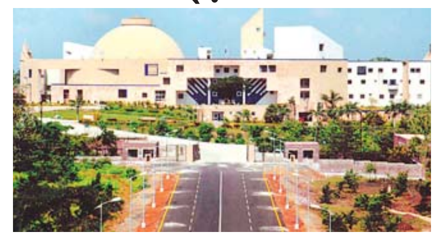

भोपाल। विधानसभा में बजट सत्र के आठवें दिन पीडब्ल्यूडी की मांग अनुदान पर चर्चा के दौरान कांग्रेस विधायक नारायण सिंह पट्टा ने कहा कि बजट में लोगों को बेहतर सड़कें होने की सपना दिखाया गया है, जबकि हकीकत यह है कि जमीन (सड़कों) पर गड्ढे लोगों के लिए परेशानी का सबब बने हुए हैं। उन्होंने सवाल किया कि पिछले बजट में भी बहुत सारी घोषणाएं की गई थीं, लेकिन उनका क्या हुआ। भोपाल नेशल हाईवे 45 पर आरओबी गिरने के लिए आखिर जिम्मेदार कौन है। उन्होंने कहा कि वे विकास के खिलाफ नहीं हैं, बल्कि भ्रष्टाचार का विरोध कर रहे हैं। वरिष्ठ विधायक राजेन्द्र कुमार सिंह ने रोड सेफ्टी का मामला उठाते हुए कहा कि सत्ता पक्ष के विधायक कांग्रेस के जमाने की सड़कों को लेकर सवाल उठाते रहते हैं, लेकिन यह अर्धसत्य है। मैं मानता हूं कि कुछ सड़कें खराब थीं, लेकिन पूरी थी ऐसा नहीं है। उस समय परिस्थितियां कुछ और थीं, तब प्रदेश का बजट क्या था, उससे पहले पटवा सरकार में राज्य का बजट कितना था और उसके उपरांत बाबूलाल गौर, शिवराज सिंह चौहान और अब मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की सरकार का बजट कितना है, यह अलग-अलग परिस्थितियों के चलते निर्मित हो रहा है।

भोपाल में मेट्रो लाइन पर डबल डेकर पुल बनाने की मांग: विधायक रामेश्वर शर्मा ने विभाग के कार्यो की तारीफ करते हुए कहा कि तेजी से प्रदेश का विकास हो रहा है। भाजपा के संकल्प पत्र में एक लाख किलोमीटर सड़कों के निर्माण और 500 से अधिक फ्लाईओवर बनाने का लक्ष्य रखा गया था, जिस पर प्रदेश में तेजी से काम जारी है। उन्होंने भोपाल में मेट्रो लाइन पर ही डबल डेकर पुल बनाए जाने की मांग की, जिससे शहर में नागरिकों को चौड़ी और व्यवस्थित सड़क मिल सके और एक ही लाइन में बीच में मेट्रो चले और ऊपर से वाहन निकल सकें, जबकि सड़कों पर आम यातायात हो।

संविदा स्वास्थ्यकर्मियों ने पक्की नौकरी के लिए किया प्रदर्शन

कई संगठनों ने मिलकर उठाई मांग, प्रदर्शन में एक महिला बेहोश, पुलिस से हुई धक्का-मुक्की

नगर संवाददाता, भोपाल। नियमितीकरण सहित 9 सूत्रीय मांगों को लेकर स्वास्थ्य विभाग के अधीन काम करने वाले हजारों संविदा स्वास्थ्य कर्मियों ने बुधवार को भोपाल में आंदोलन किया। बुधवार से शुरू हुआ यह प्रदेशव्यापी आंदोलन भोपाल में 'न्याय यात्रा' और सामूहिक हड़ताल के साथ तेज हो गया है। इससे जिला अस्पतालों और स्वास्थ्य केंद्रों की सेवाएं प्रभावित हो रही हैं। भोपाल के जेपी अस्पताल परिसर में करीब 3 हजार कर्मचारी प्रदर्शन के लिए जुटे। प्रदर्शनकारी जेपी अस्पताल के परिसर में स्थित स्वास्थ्य संचालनालय के सामने प्रदर्शन करते रहे। इस बीच भारी संख्या में पुलिस बल तैनात किया गया। प्रदर्शनकारी यहां से सीएम हाउस जाने की भी जिद कर रहे थे, लेकिन पुलिस ने उन्हें रोक दिया। इसमें धक्का मुक्की हुई और कई प्रदर्शनकारी नीचे भी गिरे। प्रदर्शन के दौरान एक महिला कर्मचारी बेहोश होकर गिर पड़ी। वह अपने ढाई साल के बच्चे के साथ प्रदर्शन में शामिल होने पहुंची थीं। बच्चे को साथी कर्मचारियों ने संभाला। प्रदर्शन में एड्स कंट्रोल एम्प्लॉइज यूनियन, जॉइंट डेंगू-मलेरिया एम्प्लॉइज यूनियन, ऑल हेल्थ ऑफिसर्स एम्प्लॉइज फेडरेशन, कॉन्ट्रैक्ट आउटसोर्स्ड हेल्थ वर्कर्स यूनियन और नर्सिंग ऑफिसर्स एसोसिएशन के प्रतिनिधियों ने विरोध प्रदर्शन में हिस्सा लिया।स्वास्थ्य अधिकारी कर्मचारी महासंघ के प्रदेश अध्यक्ष सुरेंद्र सिंह कौरव ने बताया कि 2 फरवरी से संविदा कर्मचारी लगातार प्रदर्शन कर रहे हैं, लेकिन विभागीय अधिकारी उनकी मांगों पर ध्यान नहीं दे रहे। इसी वजह से पिछले दो दिनों से कर्मचारी काली पट्टी बांधकर विरोध जता रहे थे। आज संचालनालय स्वास्थ्य सेवाएं से न्याय यात्रा निकालकर राजधानी में विरोध दर्ज कराया गया है, ताकि उनकी मांगें मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव तक पहुंच सकें।

कई साल से नहीं बढ़ाया अलाउंस: मध्य प्रदेश रेडियोलॉजी टेक्नीशियन एसोसिएशन के अध्यक्ष वीरेंद्र राजपूत ने कहा कि सरकारी रेडियोलॉजी टेक्नीशियन को पिछले 35 सालों से रेडिएशन अलाउंस के तौर पर सिर्फ 50 रुपए मिल रहे हैं। इसमें कोई बढ़ोतरी नहीं हुई है। उन्होंने कहा कि हरियाणा, पंजाब, राजस्थान, तमिलनाडु, महाराष्ट्र समेत दूसरे राज्यों में अलाउंस 1,500 से 2,500 रुपये तक है। यह तब है जब लंबे समय तक रेडिएशन के संपर्क में रहने से कैंसर का खतरा बढ़ जाता है। अब तक हमारे 20 साथियों की कैंसर से मौत हो चुकी है, और छह मरीजों का अभी भी इलाज चल रहा है।

100 लाख हैक्टेयर रकबे में सिंचाई लक्ष्य जल्द करेंगे हासिल

विशेष संवाददाता, भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि प्रदेश सरकार इस दिशा में तेजी से काम कर रही है कि राज्य की 100 लाख हैक्टेयर रकबा सिंचित हो सके। किसान कल्याण वर्ष 2026 में किसानों की समृद्धि के लिए उनके खेतों में सिंचाई की भरपूर व्यवस्था की जाएगी, जिससे वे वर्ष भर फसलें ले सकें। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के शासनकाल में किसानों के हितों पर बात नहीं की गई। उनके शासन में प्रदेश की औद्योगिक ईकाइयों पर ताले लग गए थे। विधानसभा में पत्रकारों से चर्चा करते हुए डॉ. यादव ने कहा कि लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी बिना अध्ययन अनर्गल आरोप लगाते हैं। बाबा महाकाल उन्हें सद्बुद्धि दें। राहुल गांधी को माफी मांगनी चाहिए कि आजादी के बाद लंबे समय तक उनके दल की सरकार रही है,जिनका उनके पूर्वजों द्वारा नेतृत्व किया गया। अब उनकी पार्टी किसानों की आड़ में अपने स्वार्थ के लिए संभावनाओं के द्वार तलाश रहीं हैं। हालांकि उन्हें इसका लाभ मिलने वाला नहीं है। सीएम ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में मध्यप्रदेश के समग्र विकास में किसानों के हितोंऔर

उनकी प्राथमिकताओं को हमेशा सर्वोपरि रखा हैं। प्रधानमंत्री के लिए राष्ट्रहित और वैश्विक स्तर पर राष्ट्र की प्रतिष्ठा ही सर्वोच्च महत्व का विषय हैं। कल्याणकारी नीतियों के आधार पर सरकार,किसान और खेतों के बीच एक अनुकूल वातावरण बना हैं। मध्यप्रदेश सरकार भी किसानों के साथ सदैव खड़ी है। सीएम ने कहा कि देश में पहली बार केन-बेतवा लिंक परियोजना आकार ले रही है। इससे पूरे बुंदेलखण्ड की तस्वीर बदलेंगी। सिंचाई के लिए पर्याप्त जल उपलब्ध होगा। परियोजना के लिए 90 प्रतिशत राशि केन्द्र सरकार द्वारा दी जा रही है जबकि 10 प्रतिशत भार राज्य सरकार पर आएगा।

धर्मांतरण पर सियासी बयानबाजी

बजरंग दल ने निकाली रैली

विशेष संवाददाता, भोपाल। राजधानी में पिछले दिन समाने आए एक धर्मांतरण मामले को लेकर सियासी बयानबाजी शुरू हो गई है। नेताओं ने मामले में कठोर एक्शन लिए जाने की बात कही, तो बजरंग दल ने रैली निकालकर इस पूरे मामले पर विरोध जताया। विधानसभा परिसर में वरिष्ठ विधायक रामेश्वर शर्मा ने कहा कि कुछ मुस्लिम युवक हिंदू बेटियों को प्रेमजाल में फंसाकर उनका शोषण करते हैं और उनका वीडियो बनाकर उन्हें ब्लैकमेल किया जाता है। शर्मा ने कहा कि ऐसे मामलों में शामिल आरोपियों के खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई होनी चाहिए। उन पर ऐसी धाराए लगाई जाए, जिससे उन्हें आसानी से जमानत नहीं मिल सके। उन्होंने कहा कि यदि जरुरी हो तो इन मामलों के लिए कठोर कानून बनाए जाने चाहिए। यहां तक की अपराध साबित होने पर फांसी जैसी सख्त सजा पर भी विचार किया जाए। भाजपा के एक अन्य विधायक प्रीतम लोधी ने कहा कि धर्मांतरण और लव जिहाद के मामलों में जिम और स्पा सेंटर की जांच कराई जानी चाहिए,क्योंकि धर्मांतरण सहित कई मामले इन्ही स्थानों से ही सामने आए है। उन्होंने कहा कि उनके द्वारा यह मामला विधानसभा में भी उठाया जाएगा,जिससे सरकार से ठोस कार्रवाई की मांग की जाएगी। बजरंग दल ने इस मामले को लेकर बागसेवनियां पुलिस स्टेशन के सामने प्रदर्शन किया। जिसमें शामिल कार्यकर्ताओं ने कहा कि सुनियोजित ढंग से हिन्दू बेटियों के साथ अपराध किए जा रहे है।

4 लाख 42 हजार से अधिक किसानों ने कराया पंजीयन

भोपाल। खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने जानकारी दी है कि रबी विपणन वर्ष 2026-27 में समर्थन मूल्य पर गेहूं उपार्जन के लिये अब तक 4 लाख 42 हजार 288 किसानों ने पंजीयन करा लिया है। किसान 7 मार्च तक पंजीयन करा सकते हैं। उन्होंने किसानों से अपील की है कि निर्धारित समय में पंजीयन जरूर करा लें। उन्होंने बताया है कि किसान पंजीयन की व्यवस्था को सहज और सुगम बनाया गया है। कुल 3186 पंजीयन केंद्र बनाये गए हैं। केन्द्र सरकार द्वारा वर्ष 2026-27 के लिये गेहूं का न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) 2585 रुपये प्रति क्विंटल घोषित किया गया है, जो गत वर्ष से 160 रुपये अधिक है।

सिंघार बोले-बड़ी कुर्सी पर नजर, यहीं रहने दो: शाह

बिना भेदभाव के आदिवासी विधायकों के क्षेत्रों में 10-10 करोड़ के विकास कार्य कराए जाएंगे

विशेष संवाददाता, भोपाल। विधानसभा में बुधवार को जनजातीय कार्य विभाग की अनुदान मांगों पर चर्चा हुई। इस दौरान मंत्री विजय शाह ने एलान किया कि बिना भेदभाव किए राज्य के सभी आदिवासी विधायकों के क्षेत्रों में 10-10 करोड़ के विकास कार्य कराए जाएंगे। शाह ने कहा कि विधायकों ने जो सुझाव दिए हैं, उसी आधार पर विभाग काम करेगा। हम आदिवासी क्षेत्रों के विकास के लिए लगातार काम कर रहे हैं। हमारी प्राथमिकता पहले आदिवासी क्षेत्रों की है। इस पर कांग्रेस विधायक भंवर सिंह शेखावत ने कहा कि इतनी देर से मंत्री का जवाब सुनने जो विधायक सदन में बैठे हैं, क्या वह सब पागल हैं, इस पर मंत्री ने कहा कि सभी के यहां काम करेंगे, लेकिन पहले आदिवासी विधायकों के यहां फोकस रहेगा। इस पर नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने कहा कि मंत्री के भाषण से ऐसा लगता है कि उनकी निगाहें बड़ी कुर्सी पर हैं। इस पर मंत्री शाह ने हंसते हुए कहा भैया यहीं रहने दो। उल्लेखीय है कि पिछले दिनों कांग्रेस ने सेना के महिला अधिकारी के बयान मामले पर मंत्री विजय शाह के इस्तीफे की मांग की थी।

स्पीकर बोले- कलेक्टरों को दो निर्देश

विधानसभा में जिला खनिज फंड (डीएमएफ) का मामला उठा। चर्चा के बीच विधानसभाध्यक्ष नरेन्द्र सिंह तोमर ने विभागीय मंत्री को निर्देशित किया कि वे कलेक्टरों से कहें कि समय पर बैठक कर डीएमएफ की राशि जारी करें। दरअसल विधायक घनश्याम चंद्रवंशी द्वारा यह मामला सदन में उठाया गया था। उनके द्वारा इस मद में 3 वर्षो में कितनी राशि वितरित हुई जानकारी मांगी गई, लेकिन जवाब में उन्हें वर्ष 2003 की जानकारी दी गई। इस पर विधायक ने एतराज जताया। उन्होंने कहा कि जब क्षेत्र से भी खनिज मद में राशि संग्रहित होती है,तो बराबर हिस्सा मिलना चाहिए तथा विकास कार्यो को स्वीकृति दी जानी चाहिए। जवाब में चेतन्य कश्यप ने बताया कि शाजापुर में बैठक हुई थी, जिसमें 46 लाख रुपए जिला स्तर पर खर्च हुए और 6 करोड़ राज्य मद से विभिन्न क्षेत्रों में व्यय किए गए। वे कलेक्टर को निर्देशित करेंगे कि एक या दो माह में बैठक कर लें, जिसमें विधायक अपने प्रस्ताव रख दें,उनकी जो प्राथमिकताएं हैं उसके अनुसार कार्यो को स्वीकृत कर देंगे।

परेशानी — प्रवेश एवं फीस विनियामक समिति में अधिकारियों-कर्मचारियों को वेतन के लाले

ओएसडी के अभाव में अटके भुगतान, इंटरनेट बंद

एजुकेशन रिपोर्टर, भोपाल। प्रवेश एवं फीस विनियामक समिति में ओएसडी के अभाव में प्रशासनिक समस्याएं आ रही हैं। यहां तक फीस कमेटी अध्यक्ष तकनीकी शिक्षा मंत्री इंदर सिंह परमार से कई बार गुहार लगा चुके हैं, लेकिन उन्होंने नियुक्ति आदेश जारी नहीं किए। इससे फीस कमेटी की आर्थिक स्थिति खड़खड़ा गई है। बिल का भुगतान नहीं होने पर इंटरनेट कनेक्शन काट दिए गए हैं। टेलीफोन के कनेक्शन भी भुगतान नहीं होने की दशा में बंद कर दिए गए हैं। ओएसडी के अभाव में कमेटी के सामने कालेजों की फीस प्रस्तुत करने वाला कोई समक्ष अधिकारी मौजूद नहीं हैं। इसके बाद भी कमेटी अक्षम व्यक्ति से प्रस्ताव प्रस्तुत कराकर फीस निर्धारित करने का कार्य कर रही है, जिसका विरोध हो सकता है। ओएसडी आलोक

चौबे को महात्मा गांधी चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय महात्मा के कुलगुरु नियुक्त हो गया है। चार माह से ओएसडी की कुर्सी रिक्त बनी हुई है। इसके चलते फीस कमेटी के दिसंबर ओर जनवरी माह के बिजली के बिल, टेलीफोन के बिल, आउटसोर्स कर्मचारियों के वेतन का भुगतान नहीं हो सका है। भुगतान के अभाव में फीस कमेटी का इंटरनेट कनेक्शन कट कर दिया गया है। तकनीकी शिक्षा विभाग तीन माह में एक ओएसडी की तलाश कर फीस कमेटी में नियुक्त नहीं कर पाया है। फरवरी माह भी समाप्त हो रहा है। इससे कर्मचारी और अधिकारियों को अपने वेतन का भुगतान नहीं होने का भय भी सता रहा है। फीस कमेटी के अध्यक्ष रविंद्र रामचंद्र कान्हेरे कई बार विभागीय मंत्री इंदर सिंह परमार से ओएसडी नियुक्त करने के लिए कह चुके हैं। यहां तक उनके बंगले पर पहुंचकर मौजूदा स्थिति तक से अवगत करा दिया था। इसके बाद भी ओएसडी की नियुक्ति नही को सकी है। जानकारी के मुताबिक ओएसडी नियुक्ति संबंधी फाइल को विभाग के पास भेज दिया गया है, लेकिन फाइल पर अंतिम निर्णय नहीं हो सका है। इससे ओएसडी की नियुक्ति रुकी हुई है।

जोर लगा रहे प्रोफेसर

फीस कमेटी में ओएसडी प्रोफेसर जोर लगा रहे हैं। यहां तक आधा दर्जन प्रोफेसर फीस कमेटी में अपने बायोडाटा तक प्रस्तुत कर चुके हैं, जो शासन के पास भेज दिए गए हैं। वर्तमान में फीस कमेटी ने प्रदेशभर के सभी कोर्स की आगामी तीन सत्रों की फीस निर्धारित करने के लिए प्रस्ताव जमा कराना शुरू कर दिया है। ओएसडी के अभाव में सभी कार्य लंबित हो रहे हैं।

> ओएसडी नियुक्त करने के लिए शासन स्तर पर चर्चा हो चुकी है, लेकिन नियुक्ति नहीं हो सकी है।
>
> **रविंद्र रामचंद्र कान्हेरे अध्यक्ष,** फीस कमेटी

सीएम आज भीलवाड़ा में निवेशकों से करेंगे चर्चा

विसं, भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव 26 फरवरी को भीलवाड़ा के प्रवास पर रहेंगे, जहां मध्यप्रदेश में निवेश संभावनाओं पर आयोजित इंटरैक्टिव सेशन' शामिल होंगे। जानकारी के अनुसार भीलवाड़ा के 'द ऑरियम रिसॉर्ट्स एंड इंटरनेशनल कन्वेंशन सेंटर' में 'इन्वेस्ट मध्यप्रदेश' पहल के अंतर्गत इंटरैक्टिव सेशन किया जा रहा है, जिसमें उद्योग जगत के प्रतिनिधि, प्रमुख औद्योगिक समूह और निवेशक भाग लेंगे। जिसमें डॉ. यादव इंटरैक्टिव सेशन में निवेशकों से संवाद करेंगे और राज्य की औद्योगिक नीतियों, निवेश-अनुकूल वातावरण तथा विभिन्न क्षेत्रों में उपलब्ध अवसरों की रूपरेखा प्रस्तुत करेंगे। प्रमुख सचिव राघवेंद्र कुमार सिंह मध्यप्रदेश में निवेश संभावनाओं पर विस्तृत प्रस्तुति देंगे। सेशन में एलएनजे भीलवाड़ा ग्रुप एवं मेवाड़ चैंबर ऑफ कॉमर्स सहित प्रमुख उद्योगपति भी विचार साझा करेंगे।

आयुर्वेद यूजी का कैलेंडर हुआ जारी, अप्रैल में होंगी परीक्षाएं

नगर संवाददाता, भोपाल। प्रदेश समेत देशभर के आयुर्वेद मेडिकल कॉलेजों के लिए शैक्षणिक सत्र वर्ष 2025-26 का एकेडमिक कैलेंडर जारी कर दिया गया है। जानकारी अनुसार सत्र 2025-26 में नीट आधार पर प्रदेश समेत देशभर के आयुर्वेद मेडिकल कॉलेजों में साढ़े पांच वर्षीय यूजी डिग्री बैचलर ऑफ आयुर्वेद मेडिसिन एण्ड सर्जरी (आयुर्वेदाचार्य बीएएमएस) में प्रवेश हो चुके हैं। एकेडमिक कैलेंडर के अनुसार फर्स्ट प्रॉफ के प्रथम टर्म एग्जाम अप्रैल 2026 माह के तीसरे अथवा चौथे सप्ताह में होंगे। सेकेण्ड टर्म परीक्षा अक्टूबर 2026 माह के तीसरे अथवा चौथे सप्ताह में होंगे। मुख्य विश्वविद्यालय परीक्षा मार्च 2027 के तीसरे सप्ताह में होगी। परीक्षा परिणाम 30 अप्रैल 2027 के पूर्व जारी करना होगा। सेकेण्ड प्रॉफ का फर्स्ट टर्म परीक्षा अक्टूबर 2027 माह के तीसरे अथवा चौथे सप्ताह में, सेकंड टर्म अप्रैल 2028 माह के तीसरे अथवा चौथे सप्ताह में होगा। मुख्य विश्वविद्यालय परीक्षा सितंबर 2028 माह के तीसरे सप्ताह में होगी। परिणाम 31 अक्टूबर 2028 के पूर्व जारी करना होगा।

एक वर्ष की होगी इंटर्नशिप: थर्ड प्रॉफ की फर्स्ट टर्म परीक्षा अप्रैल 2029 माह के तीसरे अथवा चौथे सप्ताह में, सेकेण्ड टर्म परीक्षा अक्टूबर 2029 माह के तीसरे अथवा चौथे सप्ताह में होगी। मुख्य यूनिवर्सिटी परीक्षा मार्च 2030 माह के तीसरे सप्ताह में होंगी। परिणाम 30 अप्रैल 2030 के पूर्व जारी करना होगा। 2025-26 बैच की अनिवार्य एक वर्ष की इंटर्नशिप एक मई 2030 से प्रारंभ होगी।

एनजीटी का आदेश भूला प्रशासन, याचिकाकर्ता के साथ चिह्नित करने थे बड़े तालाब के अतिक्रमण, गठित कर दी टास्क फोर्स

समय के साथ धन और संसाधनों की होगी बर्बादी, सांठगांठ से वैध हो सकते हैं कई अतिक्रमण

जागरण संवाददाता, भोपाल। भोपाल के बड़े तालाब को संरक्षित करने और प्रदूषण से बचाने के लिए सोमवार को सांसद आलोक शर्मा द्वारा कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में बैठक आयोजित की गई थी। इसके बाद अगले दिन जिला प्रशासन द्वारा टास्क फोर्स का गठन कर दिया गया। इस टास्क फोर्स का काम बड़े तालाब के फुल टैंक लेवल, ग्रीन बेल्ट, बैक वाटर एरिया में किए गए अतिक्रमणों को चिह्नित करना है, ताकि इन अतिक्रमणों को हटाया जा सके। लेकिन अब इस टास्क फोर्स पर ही सवालिया निशान लग रहे हैं, क्योंकि भोपाल शहर और ग्रामीण में मौजूद अतिक्रमणों को शहर के पर्यावरण कार्यकर्ता राशिद नूर खान द्वारा पूर्व में ही चिह्नित कर नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल की सेंट्रल लोन बैंच में याचिका लगाई जा चुकी है। जिस पर 12 नवंबर 2025 को बैंच ने जिला प्रशासन व नगर निगम को आदेश जारी करते हुए याचिकाकर्ता के साथ अतिक्रमणों को चिन्हित करने और उन पर सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए थे। साथ ही कार्रवाई को केवल अतिक्रमणों तक सीमित नहीं रखना था। जिला प्रशासन और नगर निगम के अधिकारी अतिक्रमणों को हटाने संजीदा दिखाई नहीं होते, तो उन पर सख्त कार्रवाई का आदेश दिया गया था। लगभग तीन माह बाद भी न जिला प्रशासन के अधिकारी और न ही नगर निगम के अधिकारी अतिक्रमणों को चिन्हित करने पहुंचे। ऐसे में यह सीधे एनजीटी के आदेश की अवहेलना है और अब टास्क फोर्स गठित कर मामले को रफादफा करने का प्रयास किया जा रहा है। दूसरी ओर यदि पहले जिला प्रशासन व नगर निगम का अमला एनजीटी के आदेश का पालन कर अतिक्रमण चिह्नित कर लेता तो न टास्क फोर्स गठित करने की आवश्यकता न होती। न फिर से जमीनी सर्वे करने की जरूरत महसूस होती।

अतिक्रमण चिह्नित करने के नियम: बड़े तालाब और छोटे तालाब का 3946.33 हेक्टेयर एरिया भोज वेट लैंड (बीडब्ल्यूएल) में आता है। बीडब्ल्यूएल में बड़े तालाब का 3872.43 हेक्टेयर और छोटे तालाब का 73.90 हेक्टेयर क्षेत्र शामिल है। ऐसे में यदि शहरी क्षेत्र में बीडब्ल्यूएल के 50 मीटर क्षेत्र में जो निर्माण हुए हैं। उन्हें अतिक्रमण घोषित किया गया है। ग्रामीण क्षेत्र में यह सीमा 250 मीटर, कोलांस नदी के आसपास यह सीमा 250 मीटर, कैचमेंट एरिया में प्रमुख स्ट्रीम के आसपास 50 मीटर और माइनर स्ट्रीम के आसपास 9 मीटर क्षेत्र में हुए निर्माण अतिक्रमण की श्रेणी में दर्ज किए गए हैं।

अतिक्रमणों को हटाने की होनी थी कार्रवाई: एनजीटी द्वारा 12 नवंबर को दिए गए आदेश के तहत पहले से चिह्नित अतिक्रमणों को हटाने की कार्रवाई की जानी थी। प्रशासनिक अधिकारी केवल याचिकाकर्ता के साथ जाते और नियमों के खिलाफ जाकर हुए निर्माण चिन्हित करते और उन्हें हटाते। इससे काम तेज और पारदर्शी होता और अतिक्रमण हटाने के बाद इसकी जानकारी नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल को भी दे दी जाती।

" मेरे द्वारा तालाब के अतिक्रमणों को हटाने को लेकर याचिकाओं पर सुनवाई एनजीटी में चल रही है। जिस पर प्रशासन को कार्रवाई करना है। इसके पूर्व में भी मेरे द्वारा अतिक्रमण हटवाए गए हैं, लेकिन इतने महत्वपूर्ण कार्य की जानकारी हमें नहीं दी गई।

राशिद नूर खान, पर्यावरण कार्यकर्ता

जो तालाब के संरक्षण के गलत निर्णयों का विरोध कर काम रुकवाए। जो झील संरक्षण में प्रशासन का सहयोग करे और जिन्हें जलीय व स्थलीय जैव विविधता सहित अन्य ज्ञान हो। उन्हें टास्क फोर्स में शामिल किया जाना था। फिलहाल तो एक बार फिर धन बर्बाद करने की तैयारी की जा रही है।

डॉ. सुभाष सी पांडेय, वरिष्ठ पर्यावरणविद

टास्क फोर्स में शामिल दोनों पर्यावरणविद् हाल ही में हुई बैठक में मौजूद थे और नगर निगम के अधिकारियों ने इन्हें टास्क फोर्स में शामिल करने की बात कही थी। इस कारण इन्हें रखा गया। इन सदस्यों के पास कोई शक्ति नहीं होगी। आवश्यकता पड़ने पर केवल इनके सुझाव कार्यवाही में शामिल होंगे। इसके अलावा एनजीटी द्वारा जो निर्देश दिए गए हैं उनका भी अध्ययन कर पालन किया जाएगा और यदि आवश्यकता हुई तो अन्य एक्सपर्ट भी टास्क फोर्स में शामिल करेंगे।

-अंकुर मेश्राम, एडीएम एवं समिति पदाधिकारी

सीमांकन के बाद शुरू होगी अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई

एसडीएम के नेतृत्व में सूरज नगर, सेवनिया गोंड और बिशनखेड़ी पहुंचा अमला

जागरण संवाददाता, भोपाल। बड़े तालाब के सीमांकन और अतिक्रमणों को चिह्नित करने के लिए बुधवार को एसडीएम अर्चना रावत शर्मा के नेतृत्व में अमला सूरज नगर, सेवनिया गोंड और बिशनखेड़ी सहित आसपास के अन्य इलाकों में पहुंचा। इस दौरान प्रथम दृष्टया जो अतिक्रमण तालाब के पास देखे गए हैं उन्हें कार्रवाई के लिए चिह्नित किया गया है। एसडीएम अर्चना रावत शर्मा ने बताया कि कुछ अतिक्रमण चिह्नित हुए हैं। गुरुवार को इन्हें हटाने के लिए कार्रवाई करेंगे। इसके लिए दल का गठन भी कर दिया गया है, जिसमें तहसीलदार, नायब तहसीलदार, राजस्व निरीक्षक और पटवारी को शामिल किया गया है। दल में नगर निगम के अधिकारी और कर्मचारी भी शामिल हैं। गुरुवार से अमला मौके पर पहुंचकर सीमांकन कार्य करेगा और इस दौरान कुछ अतिक्रमणों को हटाया जाएगा। इसके अलावा

खानूगांव के आसपास भी सर्वे का काम चलता रहा। यहां से भी अतिक्रमण चिन्हित करने का काम किया जाएगा। इसके बाद आगे की कार्रवाई होगी।

इन जगहों पर भी हुआ काम: हुजूर तहसील, बैरागढ़, शहर वृत्त के पटवारी व राजस्व निरीक्षक तालाब के एफटीएल के जद में आ रहे अतिक्रमणों को देखने निकले। लेकिन सीमांकन कार्य गुरुवार से शुरू किया जाएगा। बता दें कि अमले को निर्देश दिए गए हैं कि अतिक्रमणों को सीधे हटाए जाने की कार्रवाई की जा सकती है, सुप्रीम कोर्ट की गाइडलाइन के अनुसार तालाब की सीमा में आ रहे अतिक्रमणों को नोटिस दिए बगैर ही हटाने के निर्देश दिए गए हैं।

भारतीय मजदूर संघ का प्रदर्शन, श्रमिक मुद्दों पर सौंपा ज्ञापन

भोपाल। भारतीय मजदूर संघ ने राजधानी में प्रदर्शन और रैली निकालकर विरोध दिवस मनाया। रैली के माध्यम से संघ ने श्रमिकों की लंबित मांगों, ईपीएस-95 के अंतर्गत न्यूनतम पेंशन वृद्धि, निजीकरण पर रोक तथा श्रम कानूनों के सख्त और सार्वभौमिक पालन की मांग उठाई। कार्यकर्ताओं ने कलेक्टर कार्यालय पहुंचकर ज्ञापन सौंपा। प्रदेश महामंत्री कुलदीप सिंह गुर्जर ने बताया कि बीएमएस की इकाइयों ने जिला मुख्यालयों पर धरना-प्रदर्शन कर केंद्र एवं राज्य सरकारों का ध्यान श्रमिक समस्याओं की ओर आकर्षित किया। इन आंदोलनों का उद्देश्य विभिन्न क्षेत्रों के श्रमिकों की लंबित समस्याओं के समाधान हेतु सकारात्मक निर्णय सुनिश्चित कराना है।

लागू होगी बेस्ट ऑफ सिक्स पद्धति, 10वीं में 7 और 12वीं में होंगे 6 विषय के पेपर

मंडल सत्र 2026-27 में लागू करेगा नई व्यवस्था, एनएसक्यूएफ का होगा नया पेपर

एजुकेशन रिपोर्टर, भोपाल। मध्यप्रदेश माध्यमिक शिक्षा मंडल आगामी सत्र 2026-27 में बेस्ट ऑफ सिक्स पद्धति लागू करने जा रहा है। इसके तहत दसवीं के विद्यार्थियों को सात और बारहवीं में छह विषयों की परीक्षा देनी होगी। अतिरिक्त विषय के तौर पर नेशनल स्किल क्वालिफिलिकेशन फ्रेमवर्क (एनएसक्यूएफ) को जोड़ा जा रहा है। शासन ने मप्र माध्यमिक शिक्षा मंडल द्वारा भेजे गए प्रस्ताव को मंजूर कर लिया है। बता दें कि गत वर्ष बेस्ट आफ फाइव पद्धति को बंद कर दिया गया था। अभी दसवीं के विद्यार्थी पांच और बारहवीं में छह विषयों की परीक्षा दे रहे थे। अब मंडल ने दोनों परीक्षाओं में एनएसक्यूएफ (व्यवसायिक कोर्स) का पेपर अनिवार्य कर दिया है। इससे आगामी सत्र 2026-27 में दसवीं में सात विषयों की परीक्षा देनी होगी। इसमें

हिंदी, अंग्रेजी, संस्कृत, विज्ञान, गणित, सामाजिक विज्ञान और एनएसक्यूएफ का पेपर शामिल किय गया है। इसमें सभी विषयों के पेपर की परीक्षा अनिवार्य होगी। उक्त छह विषयों में सबसे ज्यादा नंबरों के आधार पर दसवीं का रिजल्ट बनेगा। मौजूदा स्थिति में बारहवीं में पांच विषय की परीक्षा हो रही है, जिसमें छठवें विषय के रूप में एनएसक्यूएफ को शामिल किया गया है।

2017 में बनी थी बेस्ट ऑफ फाइव योजना, 2023 में किया खत्म

स्कूल शिक्षा विभाग ने वर्ष 2017 में दसवीं में बेस्ट ऑफ फाइव योजना को लागू किया था। वर्ष 2018 में अंतरिक्त संशोधन किया गया। माशिमं ने वर्ष 2022 में बेस्ट ऑफ फाइव को खत्म करने शासन को प्रस्ताव भेजा था, जो खारिज कर दिया गया है। साल 2023 में मंडल की समिति ने दोबारा प्रस्ताव भेजा, जिसके बाद अगस्त 2023 में स्कूल शिक्षा विभाग ने दसवीं में बेस्ट ऑफ फाइल को समाप्त करने के आदेश जारी कर दिए। बेस्ट ऑफ फाइव को समाप्त करने का आदेश दसवीं में वर्ष 2024-25 से लागू है।

दसवीं की परीक्षा में बेस्ट ऑफ सिक्स का प्रस्ताव है। बारहवीं में छह विषय के पेपर होंगे। इसका प्रस्ताव शासन को भेजा था। शासन से अनुमति मिल गई है, जो आगले सत्र से लागू होगा।

बुद्धेश कुमार वैद्य, सचिव मप्र माध्यमिक शिक्षा मंडल

अंधे कत्ल का खुलासा: बीएचईएल स्पोर्ट्स क्लब के पास जंगल में मिला था शव, आरोपी गिरफ्तार

प्रेमिका ने ही नए प्रेमी संग मिलकर की थी हत्या

जागरण, भोपाल। गोविंदपुरा पुलिस ने बीएचईएल स्पोर्ट्स क्लब के पास हुए अंधे कत्ल का खुलासा कर प्रेमिका और उसके प्रेमी को गिरफ्तार कर लिया है। हत्या की साजिश मृतक की प्रेमिका ने अपने एक साथी के साथ मिलकर रची थी। आरोपी महिला के मृतक युवक से अनैतिक संबंध थे। वह उसके साथ मारपीट कर अभद्र व्यवहार भी करता था। जिससे परेशान होकर उसने वारदात को अंजाम दिया। पुलिस के अनुसार 21 फरवरी की सुबह भेल स्पोर्ट्स क्लब के पास झाड़ियों में एक अज्ञात व्यक्ति का शव बरामद हुआ था। मृतक के चेहरे और गर्दन पर गंभीर चोटों के निशान पाए गए थे। पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज कर जांच शुरू की। इस दौरान शव की पहचान 46 वर्षीय ताराचंद पटेल पिता पुरुषोत्तम सिंह निवासी फेज-1, शीतल टाउन, मंडीदीप के रूप में हुई। पुलिस पूछताछ में परिजनों ने बताया कि ताराचंद पटेल के जहांगीराबाद-बरखेड़ी निवासी रानी अहिरवार से पिछले डेढ़ साल से अवैध संबंध थे।

धारदार हथियार और डंडे से हमला कर की हत्या

20 फरवरी की रात साढ़े नौ बजे रानी ने ताराचंद को जिंसी चौराहे पर बुलाया। वहां से तीनों बीएचईएल स्पोर्ट्स क्लब के जंगल पहुंचे। योजना के तहत, ताराचंद के साथ संबंध बनाते समय कृष्णपाल ने उस पर धारदार हथियार और डंडे से वार कर उसकी हत्या कर दी गई। पुलिस ने दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके पास से घटना में शामिल हंसिया और चाकू, डंडा समेत मृतक का मोबाइल, बाइक जब्त किया है।

युवक की प्रताड़ना से परेशान थी महिला

पुलिस ने रानी अहिरवार को हिरासत में लेकर पूछताछ की, तो उसने बताया कि ताराचंद हर 15 दिन में उसके घर आकर रुकता था और वह उसे रुपए व घरेलू सामान देता था। ताराचंद शराब के नशे में आए दिन गाली-गलौज करता था। उसकी पत्नी और बच्चे भी फोन पर उसे अपशब्द कहते थे। वह मेरी बच्चियों के सामने ही शारीरिक संबंध बनाने की बातें करता था, जिससे वह मानसिक रूप से परेशान हो चुकी थी। इसी दौरान उसकी दोस्ती सिक्योरिटी गार्ड कृष्णपाल यादव निवासी उमरिया से हुई और दोनों के बीच संबंध बन गए। ताराचंद से छुटकारा पाने के लिए दोनों ने योजना बनाई।

फ्लैट का ताला तोड़ जेवरात समेत 70 हजार रुपए चुराए

जागरण, भोपाल। बिलखिरिया थाना क्षेत्र में चोरों ने फ्लैट का ताला तोड़कर सोने-चांदी के जेवरात समेत नकदी चोरी कर ली। पुलिस ने चोरी का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार 50 वर्षीय अनिल सोनी पिता किशन लाल मूल रूप से गैरतगंज, रायसेन के रहने वाले हैं। उनकी ज्वेलरी की दुकान हैं। उनका पेटल नगर स्थित प्रभात हाईट्स में एक फ्लैट है, जहां उनके बच्चे रहकर पढ़ाई करते हैं और वे अक्सर यहां आते थे। कुछ दिन पहले उसने बच्चे फ्लैट में ताला लगाकर घर चले गए थे। इसी दौरान पड़ोसियों ने उन्हें फ्लैट में चोरी होने की सूचना दी। जब अनिल मौके पर पहुंचे तो उन्हें फ्लैट का ताला टूटा मिला। अंदर अलमारी में रखे सोने-चांदी के जेवरात और करीब 70 हजार रुपए नकदी गायब मिली। जिसकी शिकायत उन्होंने थाने पहुंचकर की। पुलिस सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है।

तोड़कर जेवरात और नगदी चोरी: कोतवाली थाना क्षेत्र में चोरों ने सूने मकान को निशाना बनाकर लाखों रूपए की चोरी की वारदात को अंजाम दिया। चोर लॉकर में रखे सोने-चांदी के जेवरात समेत नकदी लेकर फरार हो गए। पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार राधा यादव लखेरापुरा में किराए के मकान में रहती हैं। उनके पति का निधन हो चुका है। 23 फरवरी को वह अपने भतीजे की शादी में शामिल होने शाहजहांनाबाद गई थी। इसी दौरान उनके दोनों बेटे घर में ताला लगाकर बाजार कपड़े खरीदने चले गए थे। रात करीब आठ बजे जब बेटे घर लौटे तो घर का ताला टूटा मिला। अंदर जाने पर लॉकर में रखे सोने की चूड़ियां, पायल, बिछिया, चार चांदी के सिक्के समेत अन्य कीमती सामान गायब था। बाद में उन्होंने तुरंत अपनी मां को फोन कर घटना की जानकारी दी। जहां वापस लौटने के बाद पीड़िता ने थाने में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने इलाके में सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है।

डंपर की टक्कर से चाची-भतीजे की मौत

जागरण, भोपाल। गुनगा थाना क्षेत्र में तेज रफ्तार डंपर ने बाइक सवार चाची और भतीजे को सामने से टक्कर मार दी। हादसे में दोनों की मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस के अनुसार 55 वर्षीय नारायण पिता कनीराम गुर्जर अहमदपुर के लोधीपुरा गांव में रहता था। वह खेती-किसानी करता था। बुधवार को नारायण अपनी चाची जुगती बाई (65) को बाइक पर बैठाकर भोपाल के एक निजी अस्पताल में भर्ती रिश्तेदार को देखने गया था। लौटते समय वे शादी समारोह में शामिल होने के लिए रमगढ़ा गांव जा रहे थे। इसी दौरान भोपाल-बैरसिया रोड पर सेमरी गांव के पास तेज रफ्तार डंपर ने उनकी बाइक को सामने से टक्कर मार दी। हादसा इतना भीषण था कि दोनों की मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद डंपर चालक वाहन छोड़कर फरार हो गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने मौके पर शवों को पीएम के लिए भेजा। पुलिस ने अज्ञात डंपर चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

महिला ने लागई फांसी: अशोका गार्डन थाना क्षेत्र में महिला ने फांसी लगा ली। पुलिस के अनुसार 35 वर्षीय सविता ठाकुर पति भैयाराम मूल रूप से तेंदूखेड़ा की रहने वाली थी। वह पति के साथ कैलाश नगर, सेमरा में रहकर मजदूरी करती थी। महिला घर में अकेली थी। मंगलवार शाम को जब वह वापस लौटा, तो पत्नी फंदे पर लटकी मिली। पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

नगर में आज

राष्ट्रीय वनमाली कथा सम्मान
- **स्थान:** रबीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय
- **समय:** सुबह 10:30 बजे

राष्ट्रीय कार्यशाला
- **स्थान:** इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मानव संग्रहालय, श्यामला हिल्स।
- **समय:** सुबह 10 बजे से 5 बजे तक

रासायनिक कौतूहल
- **स्थान:** आंचलिक विज्ञान केन्द्र, भोपाल।
- **समय:** सुबह 11 से 12 बजे तक

माह का प्रादर्श
- **स्थान:** इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मानव संग्रहालय, श्यामला हिल्स।
- **समय:** शाम 12:00 बजे।

चित्र प्रदर्शनी
- **समय:** दोपहर 12:00 बजे से
- **स्थान:** मप्र जनजातीय संग्रहालय

संक्षिप्त खबरें

योग करने से मन एवं तन दोनों रहते हैं स्वस्थ

एजुकेशन रिपोर्टर, भोपाल। एमएलबी कालेज के प्राणीशास्त्र विभाग द्वारा बुधवार को तनाव प्रबंधन एवं योग विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। इसमे योग गुरु डॉ रुचि कालरा ने योग के महत्व को बताते हुए प्राणायाम के विभिन्न आसनों और योग की अवधारणा के बारे मे विस्तार से जानकारी देते हुए बताया कि योग से शरीर का मन एवं तन दोनों स्वस्थ रहते हैं। योग को सिर्फ रोगों से मुक्ति के लिए हीं नहीं अपनाना चाहिये। बल्कि इसे अगर एक दैनिक दिनचर्या का हिस्सा बना लें, तो यह अत्यंत लाभकारी होगा। साथ ही मनुष्य को होने वाले विभिन्न प्रकार के तनाव से भी राहत प्राप्त हो सकती है। कालेज प्राचार्य डॉ अजय अग्रवाल ने विभिन्न योग क्रियाओं और इनसे होने वाले लाभ के बारे मे जानकारी दी। प्राणीशास्त्र विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ प्रवीण तामोट ने बताया कि योग एक वैज्ञानिक दृष्टिकोण वाली क्रिया है। इसके माध्यम से शरीर मे पाई जाने जाने वाली एंडोक्राइन ग्रंथि अन्त स्रावी ग्रंथि क्रिया शील हो जाती है। इससे शरीर मे हार्मोन्स का संतुलन बना रहता है।

जानलेवा हमला करने वाले 5 आरोपी गिरफ्तार

जागरण, भोपाल। अरेरा हिल्स पुलिस ने हमला करने वाले पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है। 22 फरवरी रात साढ़े सात बजे सौरभ विश्वकर्मा अपने दोस्त राघवेंद्र सेन के साथ भीम नगर क्षेत्र में चार नल के पास खड़ा था। इसी दौरान अक्कू उर्फ आकाश, विशाल चपटी और उनके अन्य साथी वहां पहुंचे। जहां उन्होंने पुराने विवाद को लेकर राघवेंद्र सेन पर हमला कर दिया। आरोपी अक्कू ने छुरी से सिर पर वार किया, जबकि विशाल ने डंडे से और अन्य आरोपियों ने पत्थरों से मारपीट शुरू कर दी। जिसका बीच-बचाव करने पहुंचे सौरभ विश्वकर्मा के साथ झूमा झटकी की। इस दौरान आरोपियों ने गाली-गलौज कर जान से मारने की धमकी भी दी। हमले में रावेंद्र सेन के सिर, नाक, पैर और शरीर में गंभीर चोटें आईं। जो हमीदिया अस्पताल भर्ती है। घटना का वीडियो भी सामने आया है, शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की। इस दौरान पुलिस ने बुधवार को आरोपी शिवम यादव (24), दीपक पाल उर्फ दीप (26), दीपक राठौर (24), विशाल सूर्यवंशी (24), आकाश चौधरी उर्फ अक्कू (24), निवासी भीम नगर को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।

सुविधा रेलवे ने यात्रियों की सुविधा को देखते हुए चार जोड़ी स्पेशल ट्रेनें चलाने का लिया निर्णय

28 फरवरी से 5 मार्च तक होली के लिए चलेंगी स्पेशल ट्रेनें

नगर संवाददाता, भोपाल। रेल प्रशासन द्वारा होली के अवसर पर स्पेशल ट्रेनों का संचालन किया जा रहा है। ये ट्रेनें 28 फरवरी से रवाना होगी और 5 मार्च तक वापस लौटेगी। होली में अतिरिक्त यात्री ट्रैफिक को क्लियर करने के लिए भोपाल रेल मंडल से 4 जोड़ी स्पेशल ट्रेनें चलाई जा रही हैं। रेल यात्री किसी भी कंप्यूटरीकृत आरक्षण केंद्र या ऑनलाइन आईआरसीटीसी की वेबसाइट से इन होली स्पेशल ट्रेनों के आरक्षण सुविधा का लाभ उठा सकते हैं।

यह ट्रेनें चलेंगी

1. गाड़ी संख्या 02192/02191 रीवा-रानी कमलपति-रीवा सुपरफास्ट स्पेशल ट्रेन (1-1 ट्रिप) चलेगी। गाड़ी 02192 रीवा से रानी कमलापति स्पेशल ट्रेन 28 फरवरी को रीवा से दोपहर 12.30 बजे प्रस्थान कर उसी दिन रात में 9.15 बजे रानी कमलापति स्टेशन पहुंचेगी। इसी प्रकार गाड़ी 02191 रानी कमलापति से रीवा स्पेशल ट्रेन 28 फरवरी को रानी कमलापति स्टेशन से रात 10.15 बजे प्रस्थान कर अगले दिन सुबह 7: 30 बजे रीवा स्टेशन पहुंचेगी।
2. गाड़ी संख्या 02186 रीवा से रानी कमलापति स्पेशल ट्रेन 2 एवं 3 मार्च को रीवा से दोपहर 12.30 बजे प्रस्थान कर उसी दिन रात में 9.15 बजे रानी कमलापति स्टेशन पहुंचेगी। इसी प्रकार गाड़ी 02185 रानी कमलापति से रीवा स्पेशल ट्रेन 2-3 मार्च को रानी कमलापति स्टेशन से रात 10.15 बजे प्रस्थान कर अगले दिन सुबह 7.30 बजे रीवा स्टेशन पहुंचेगी।
3. गाड़ी संख्या 01704 भोपाल से रीवा स्पेशल 5 मार्च को भोपाल से सुबह 10.30 बजे प्रस्थान कर उसी दिन रात में 8.45 बजे रीवा स्टेशन पहुंचेगी। इसी प्रकार गाड़ी 01703 रीवा से भोपाल स्पेशल ट्रेन 5 मार्च को रीवा स्टेशन से रात 10.20 बजे प्रस्थान कर दूसरे दिन सुबह 9.05 बजे भोपाल स्टेशन पहुंचेगी।
4. गाड़ी संख्या 01667 रानी कमलापति से दानापुर स्पेशल ट्रेन 27 फरवरी एवं 2 मार्च को रानी कमलापति से दोपहर 2.25 बजे प्रस्थान कर दूसरे दिन सुबह 8.45 बजे दानापुर पहुंचेगी। इसी प्रकार गाड़ी 01668 दानापुर से रानी कमलापति स्पेशल ट्रेन 28 फरवरी एवं 3 मार्च को दानापुर स्टेशन से सुबह 11.15 बजे प्रस्थान कर अगले दिन सुबह 8.55 बजे रानी कमलापति स्टेशन पहुंचेगी।

कल से नियमित चलने लगेगी भोपाल-धनबाद स्पेशन ट्रेन

भोपाल से धनबाद के बीच नियमित ट्रेन सेवा 27 से शुरू होगी। इससे पहले 24 फरवरी को मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने शुभारंभ करते हुए हरी झंडी दिखाई थी। रेलवे से मिली जानकारी अनुसार गाड़ी संख्या 11631 भोपाल-धनबाद त्रिसप्ताहिक एक्सप्रेस भोपाल से सोमवार, गुरुवार एवं शुक्रवार को रात 8.55 बजे प्रस्थान कर विदिशा 8.36 बजे आगमन कर अगले दिन 8.20 बजे धनबाद पहुंचेगी। वापसी में गाड़ी संख्या 11632 धनबाद-भोपाल एक्सप्रेस धनबाद से 7.20 बजे प्रस्थान कर अगले दिन विदिशा 5.40 बजे आगमन कर 7 बजे भोपाल पहुंचेगी। रास्ते में यह गाड़ी विदिशा, गंजबासौदा, बीना, सागर, दमोह, कटनी मुरवारा, खन्ना बनजारी, ब्योहारी, मरवासग्राम, सरईग्राम, बरगवां, सिंगरौली, करैला रोड, मिर्चाधुरी, ओबरा डैम, चोपन, रेनुकूट, नगर उंटारी, गढ़वा, गढ़वा रोड, डाल्टनगंज, बरवाडीह, लातेहार, टोरी, खलारी, पतरातू, रांची रोड, बोकारो थर्मल, चंद्रपुरा एवं कतरासगढ़।

अनुभव करना ही धर्म है

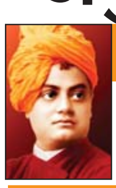

चिंतन धरोहर

स्वामी विवेकानंद

अनुभव करना ही धर्म है। ईश्वर के विषय में आपकी जो कल्पना है, जब आप उसका अनुभव करने में समर्थ हो जाएंगे, तब मैं आपको ईश्वर का उपासक कहूंगा पर आपको मात्र शब्द की वर्तनी ही मालूम है, आप इससे अधिक और कुछ नहीं जानते। उस अवस्था में पहुंचने के लिए, जिसमें हम ईश्वर का अनुभव कर सकेंगे, हमें साकार वस्तु के माध्यम से जाना होगा–ठीक उसी तरह, जैसे कि बच्चे प्रथम साकार वस्तुओं का अभ्यास करके तदुपरांत क्रमशः भाववाचक की ओर जाते हैं।यदि आप किसी बालक को दो पंजे दस बताते हैं, तो वह नहीं समझता, पर यदि आप उसे दस चीजें दें और दो–दो करके पांच बार उठाने से कैसे दस हुए, यह दिखा दें तो वह उसे ठीक से समझ लेगा। यह धीरे–धीरे चलने तथा देरी का तरीका है। हम उम्र में चाहे बूढ़े हों, संसार की सारी पुस्तकों का अध्ययन कर लिया हो, धर्म व आध्यात्मिक क्षेत्र में तो हम सब बच्चे ही हैं। अनुभव करने की शक्ति से धर्म बनती है। सिद्धांत, सूत्र, तत्वज्ञान या नैतिक वचनों का जो ज्ञान आपके दिमाग में भरा है, उससे कुछ अधिक मतलब नहीं। आप क्या हैं और आपने क्या अनुभव किया है, ये ही मतलब की बातें हैं। हमने सूत्रों और सिद्धांतों का तो अध्ययन किया है, पर अपने जीवन में अनुभूति या साक्षात्कार कुछ भी नहीं किया।

अब हमें स्थूल या साकार रूप में विधि, मंत्र, स्तोत्र, संस्कार और अनुष्ठानों द्वारा प्रारंभ करना होगा। ये स्थूल विधियां हजारों होंगी। सबके लिए एक ही विधि होना आवश्यक नहीं है। किसी को मूर्ति में सहायता मिलती है और किसी को नहीं। किसी को बाहरी मूर्ति की आवश्यकता होती है और किसी को अपने मन में ही मूर्ति की कल्पना करने की आवश्यकता पड़ती है। मन में ही मूर्ति की कल्पना कर लेने वाला कहता है कि मैं उच्च श्रेणी का हूं, क्योंकि मानस पूजा ठीक है, बाहरी मूर्ति की पूजा करना निंदनीय है। मैं उसका विरोध करूंगा। जब मनुष्य गिरजाघर या मंदिर के रूप में मूर्ति बनाता है, तो वह उसे पवित्र समझता है। अतः मन अपना यह स्थूल अभ्यास भिन्न–भिन्न रूपों द्वारा करेगा और धीरे–धीरे हमें सूक्ष्म का ज्ञान प्राप्त होगा, सूक्ष्म का अनुभव होगा। एक ही विधि सबके लिए ठीक नहीं हो सकती। एक विधि मेरे लिए उपयुक्त हो सकती है, दूसरी किसी और के लिए। यद्यपि सभी मार्ग उसी ध्येय को पहुंचाते हैं, तथापि वे सभी सबके योग्य नहीं होते। साधारणतः यहां हम एक गलती और करते हैं। मेरा आदर्श आपके लायक नहीं है तो मैं उसे जबरदस्ती आपके गले क्यों मढ़ूं? गिरजाघर बनाने का मेरा नमूना या स्तोत्र पाठ करने की मेरी विधि यदि आपको ठीक नहीं जंचती तो मैं उस संबंध में आप पर जबरदस्ती क्यों करूं? आप दुनिया में जाइए। प्रत्येक अबोध व्यक्ति यही कहेगा कि मेरी ही विधि ठीक है, अन्य सब विधियां आसुरी हैं। संसार में मेरे सिवाय ईश्वर का और कृपापात्र पैदा ही नहीं हुआ, पर सभी विधियां अच्छी और उपयोगी हैं। मानव प्रकृति भिन्न–भिन्न प्रकार की होती है, अतः यह आवश्यक है कि धर्म भिन्न–भिन्न प्रकार का हो और जितने भी प्रकार के धर्म हों, उतना ही संसार के लिए भला है। यदि संसार में बीस प्रकार के धर्म हैं, तो बहुत अच्छा है और यदि चार सौ प्रकार के धर्म हो गए, तो और भी अच्छा, क्योंकि उस अवस्था में धर्म पसंद करने का अवसर तथा क्षेत्र अधिक रहेगा।

नवधा भक्ति

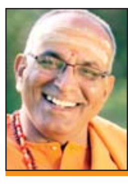

संत मैथिलीशरण (भाईजी)

विज्ञान को चाहिए कि जड़ के स्वभाव का उपयोग करते समय पदार्थ के अंदर तथा वैज्ञानिक को स्वयं अपने अंदर भी एकमात्र चैतन्य ईश्वर को ही साक्षात मानकर प्रयोगशाला में जाना चाहिए, तब उस वैज्ञानिक की खोज चैतन्य की खोज होगी, अन्यथा तत्काल दिखाई देने वाला अविष्कार भविष्य में रावण की तरह सृष्टि और वैज्ञानिक दोनों को समाप्त कर देने वाला सिद्ध होगा।

साधक के हृदय में बसते हैं भगवान

हिंदू शास्त्रों में नौ प्रकार की भक्ति का वर्णन मिलता है, जिसे नवधा भक्ति कहा जाता है। नवधा भक्ति को लेकर स्वामी मैथिलीशरण ने विस्तार से व्याख्या की है। तो चलिए इस क्रम में पढ़ते हैं नवधा भक्ति के आखिरी यानी नौवें प्रकार के बारे में स्वामी मैथिलीशरण के विचार।

नवम सरल सब सन छलहीना।
मम भरोस हिएं हरष न दीना।।

नौवीं भक्ति है सरलता और सबके साथ कपटरहित बर्ताव करना, हृदय में ईश्वर का भरोसा रखना और किसी भी अवस्था में हर्ष और दैन्य का न होना। छल और असहजता हमें स्वयं से ऊपर नहीं उठने देती है। कर्तृत्व का अहंकार ही असहजता है, जिसके कारण हम कर्तापन के मिथ्या अहं में जकड़कर भक्ति के परम तत्व से वंचित रहते हैं। भक्त में न तो अहंकार का हर्ष होता है और न ही भौतिक अभाव की कोई दीनता उसमें आती है। यही है नवम भक्ति की परिपूर्णता।

भौतिक विज्ञान ने जिन जड़ पदार्थों का प्रयोग कर अविष्कार किए हैं, उन सबका स्वभाव और प्रकृति सदा से एक जैसी ही रही है। सबके साथ उन पदार्थों का व्यवहार एकदम एक जैसा है। जड़ पदार्थों की प्रकृति सदा से एक जैसी ही रही है। जिन पदार्थों को हम जड़ कहते हैं और स्वयं को चैतन्य मानते हैं, या जिनको हम पशु–पक्षी, कीड़ा–मकौड़ा कहते हैं, वे भी अपने स्वभाव और प्रकृति को नहीं बदलते हैं। संसार की भाषा में यह उनकी जड़ता कहलाती है, पर वस्तुतः यही उनकी सरलता और छलहीनता है। विज्ञान का सारा सृजन पंचमहाभूतों पर ही आश्रित है, उसमें अपनी योग्यता बताना ही असहजता और छल है। व्यक्ति एक क्षण भी ईश्वर की दी हुई सहज कृपा और शक्ति के बिना नहीं रह सकता है। भगवान स्वयं सब जानते हैं कि सीता जी कहां हैं, पर वे मात्र भक्तों को सम्मान देने के लिए ही सबसे पूछ–पूछकर कार्य करते हैं। यही उनका शील, सरलता और छलहीनता है।

सीता जी की खोज के संदर्भ में समुद्र ने भगवान से कहा कि यद्यपि संसार में ये पांच तत्व जड़ हैं– पृथ्वी, जल, वायु, अग्नि तथा आकाश, पर चूंकि सृष्टि निर्माण के लिए आपके द्वारा इनका निर्माण किया गया है और ये आपसे प्रेरित होकर आपके ही संकल्प की पूर्ति के लिए उद्यत रहते हैं, इसलिए इनकी जड़ता भी धन्य हो जाती है, क्योंकि इनका कोई निजी विवेक नहीं है। वे तो प्रभु! आपके ही आश्रित हैं। यहां पर यह प्रश्न आना स्वाभाविक है कि फिर सरलता और छल हीनता क्या मनुष्य में संभव नहीं है? क्या मनुष्य जड़ पदार्थों और पशुओं से भी निम्न है, जो सरलता और छल हीनता से वंचित है? इस जिज्ञासा के समाधान के लिए एक ही मार्ग है और वह है सत्संग और मूल ग्रंथों का स्वाध्याय तथा उनके संदर्भ और प्रसंगों पर सौम्य सुहृद संवाद, जिसमें न तो विवाद हो तथा न ही मतों का भेद हो, क्योंकि मतभेद बहुधा अहंकार पर ही केंद्रित होता है।

सही तो यह है कि जड़ और चेतन, गुण तथा दोष को मिलाकर ही ब्रह्मा ने सृष्टि का निर्माण किया है। संसार में संत ही वे हंस होते हैं, जो विकार दोष को छोड़कर निर्विकार गुण को ग्रहण कर लेते हैं। यही उनकी सरलता और सहजता है, जिससे वे दोष को भी गुण बना देते हैं।

सरलता और छल हीनता के बिना हृदय में सत् प्रवेश ही नहीं करता। सत् विवेक के अभाव में यह समझ नहीं आ सकता है कि सत्–असत् के बिना यह मायामय सृष्टि तथा अविष्कार का परिष्कार या निर्माण नहीं होगा। सारे भोज्य पदार्थ, जिनका उपयोग हम जीविकोपार्जन के लिए करते हैं, वे जन्म लेते तथा उपजते हैं। सत् विवेक वही है, जो ग्राह्य को रख ले और त्याज्य को छोड़ दे। यह सामान्य–सी सरल बात है और सरलता भी यही है।

संसार में हम जिन्हें चैतन्य समझ रहे हैं और जो चैतन्य लोग अपने को ज्ञानी समझ रहे हैं, वे वास्तव में जब असत् को छोड़कर सत् रूप गुण को स्वीकार कर उसका उपयोग समाज के सृजन और विकास के लिए करें, तब वह आविष्कार होगा। भगवान ने वनवास के गरल को पीकर शिव की भांति उसे समाज के लिए अमृतमय बना दिया। भगवान ने शबरी जी से भी वनवास की पृष्ठभूमि की असत् चर्चा न कर केवल शबरी जी की भावना को सुनकर उन्हें सम्मान देने के लिए अपने अभाव की चर्चा के रूप में भक्ति रूपी सीता के अन्वेषण की जिज्ञासा कर उन्हें पुनः प्राप्त करने के अविष्कार का सूत्रपात कर दिया।

भगवान की सरलता यह है कि उन्होंने अपने अभाव और अपनी समस्या पर कोई जामा नहीं चढ़ाया। एक सामान्य विरही व्यक्ति की भांति मात्र एक पंक्ति का प्रश्न किया कि हे प्रकाशमयी, हाथी–सी चाल चलने वाली शबरी मां! क्या आप जनकसुता की सुधि जानती हैं? उत्तर देते हुए शबरी जी ने भी अपनी कोई विशेषता न बताकर पंपासर जाकर सुग्रीव से मित्रता होने की बात कही। सत् में तो केवल दिशा का सूत्रपात होता है, समाधान का मार्ग तो हमें ही निकालना पड़ता है। न तो शबरी ने भगवान को कोई समाधान दिया और न ही विभीषण ने हनुमान जी को।

दोनों ने मात्र युक्ति बताई। यही है भक्ति, शक्ति, लक्ष्मी तथा शांति रूप सीता को प्राप्त करने और गुण को ग्रहण करने की शैली एवं पद्धति। भक्ति मार्ग में छल छिद्र ही बड़ी बाधा है। छल छिद्र से संसार, माया का विस्तार तो किया जा सकता है, पर जीवन में भक्ति नहीं आ सकती है। संसार में परस्पर विरोधी पदार्थों के संयोजन से ही सृजन होता है और रामराज्य बनता है। जड़ और चेतन को मिलाकर सृष्टि का विस्तार, वैज्ञानिक आविष्कार तथा असंभव संभव होता है। रामराज्य बनता है, उसी से सीता जी मिलती हैं, पर इस अद्भुत समीकरण को सत्संग के बिना नहीं समझा जा सकता है।

जड़ चेतन गुण दोष मय
बिस्व कीन्ह करतार।
संत हंस गुन गहहिं पय
परिहरि बारि बिकार।।

विज्ञान को चाहिए कि जड़ के स्वभाव का उपयोग करते समय पदार्थ के अंदर तथा वैज्ञानिक को स्वयं अपने अंदर भी एकमात्र चैतन्य ईश्वर को ही साक्षात मानकर प्रयोगशाला में जाना चाहिए, तब उस वैज्ञानिक की खोज चैतन्य की खोज होगी, अन्यथा तत्काल दिखाई देने वाला अविष्कार भविष्य में रावण की तरह सृष्टि और वैज्ञानिक दोनों को समाप्त कर देने वाला सिद्ध होगा। यही विवेक है, जो केवल सत् का संग करने से प्राप्त होता है।

बिनु सत्संग विवेक न होई।
राम कृपा बिनु सुलभ न सोई।।

भगवान का स्वभाव स्वयं इतना सरल है कि गुरुदेव के पूजन के लिए जनकपुर में पुष्प वाटिका से पुष्प चुनकर लाने के पश्चात श्रीराम ने गुरुदेव विश्वामित्र से पुष्पवाटिका में जो कुछ हुआ, सब कुछ बता दिया, गोस्वामी जी लिखते हैं–

राम कहा सब कौसिक पाहीं।
सरल सुभाउ छुअत छल नाहीं।।

गुरुदेव विश्वामित्र जी से कोई छल नहीं किया, सब कुछ सरल भाव से बता दिया। परिणाम हुआ कि गुरुदेव ने तुरंत प्रसन्न होकर कहा कि

सुफल मनोरथ होहिं तुम्हारे।
राम लखन सुनि भये सुखारे।।

इसी तरह उधर सीता जी ने पार्वती जी का पूजन कर उनसे कुछ न छिपाते हुए कह दिया कि आप मेरे मनोरथ को अच्छी तरह जानती हैं, इसी कारण मैं स्वयं अपने मुख से बोलकर कुछ नहीं कह रही हूं, आप तो सबके हृदय प्रदेश में निवास करती हैं। पार्वती जी ने सीता जी की सरलता भरे निश्छल निवेदन पर आशीर्वाद देते हुए कहा कि तुमको बिल्कुल सहज सरल पति के रूप में राम मिलेंगे। भगवान ही ऐसे हैं, जो सरल भी हैं और सबल भी हैं।

गई बहोरि गरीब नेबाजू
सरल सबल साहिब रघुराजू।

यहां भगवान शबरी जी से अपनी नवम भक्ति का उपदेश करते हुए सरल होने और सबसे छलहीन व्यवहार को नौवीं भक्ति बताते हैं। जीवन में इन नौ के आने पर ही भगवान हृदय में आते हैं तथा जीव धन्य हो जाता है।

विचार चिंतन

स्वामी रामदिनेशाचार्य
हरिधाम पीठ-रामघाट, अयोध्या

सौम्यता-सरलता के शिखर पुरुष-मर्यादा पुरुषोत्तम राम

श्रीराम में सृष्टि को संयोजित नियंत्रित कर लेने का असीम सामर्थ्य है, क्योंकि वे परमात्मा के अवतारी हैं। जिनके पैर के अंगूठे से गंगा प्रकट हुईं, वही भगवान एक केवट से नाव की याचना करते हैं। समाज जिसे अच्छी दृष्टि से नहीं देखता, भगवान उस केवट के सामने याचक बनकर खड़े हैं। ऐसी सौम्यता सरलता भगवान श्रीराम में निरंतर दृष्टिगोचर होती है। भगवान श्रीराम ने समाज के समस्त वर्गों को गले से लगा कर रामराज्य की आधारशिला रखी। वनवास में समस्त वनवासियों को अपूर्व प्रेम दिया। भगवान राम से मिलने गए भ्राता भरत से वनवासी कहते हैं, 'श्रीराम हमारे परिवार के हैं। वह हमारी तरह ही जीवन–यापन

करते हैं।'

निश्चित रूप से वे समाज में समरसता स्थापित करने वाले श्रेष्ठतम दूत भी हैं। तत्वतः चराचर के नायक और अनेक राक्षसों को सबक सिखाने वाले श्रीराम मैया शबरी के बेर खाकर तृप्त हो जाते हैं। 14 वर्ष के वनवास के उपरांत अयोध्या लौटे श्रीराम से मैया कौशल्या ने पूछा कि सबसे अच्छा भोजन कहां मिला, तो श्रीराम सजल नेत्रों से बोले कि मां सबसे अच्छा भोजन यदि किसी ने दिया तो मैया शबरी ने दिया। मित्र यदि कोई मिला, तो वह केवट मिला। भाइयों से भी ज्यादा प्रेम करने वाला यदि कोई मिला, तो वे बंदर और भालू हैं। विचार करने का प्रश्न है कि साक्षात परमात्मा इस जगत में आकर इतने सहज और सरल हो जाते हैं कि जीव परमात्मा के सन्निकट जाने की जिज्ञासा प्रकट करता है। भगवान श्रीराम हर पल मानवता की सर्वोच्च मर्यादा में ढलने के लिए बराबर अनुप्रेरित अनुप्राणित करते रहते हैं।

राजधानी

संक्षिप्त खबरें

कर्मचारियों ने की 4 मार्च को अवकाश की मांग

जागरण संवाददाता, भोपाल। 3 मार्च को चंद्रग्रहण के चलते तृतीय वर्ग कर्मचारी संघ के द्वारा 4 मार्च को होली के अवकाश की मांग की गई है। संघ के महामंत्री उमाशंकर तिवारी ने बताया कि इस वर्ष होलिका दहन 2 मार्च को होगा और 3 मार्च को होली खेली जाएगी। 3 मार्च को कार्यालय सहित स्कूल कॉलेज में भी अवकाश रहेगा, लेकिन 3 मार्च को चंद्रग्रहण के कारण सूतक रहेगा और उस दिन होली खेलने को लेकर आम जनता में भ्रम पैदा हो रहा है। 4 मार्च को होली खेलने की बात सभी के द्वारा की जा रही है। यदि 4 मार्च को होली का पर्व मनाया जा रहा है, तो 3 मार्च का अवकाश निरस्त कर शासकीय कार्यालय व स्कूल, कॉलेज में 4 मार्च का अवकाश घोषित किया जाए। हिंदू उत्सव समिति द्वारा भी पथ संचलन का आयोजन 4 मार्च को ही किया जा रहा है।

सिवनी में भाजपा की टीम घोषित

विसं, भोपाल। प्रदेशाध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल की सहमति के उपरांत सिवनी जिला भाजपा की टीम की घोषणा कर दी गई। 31 सदस्यीय टीम में 8 उपाध्यक्ष, 3 महामंत्री 9 मंत्री के अलावा कोषाध्यक्ष सहकोषाध्यक्ष कार्यालय मंत्री,मीडिया और सह मीडिया प्रभारी बनाए गए है। इसी तरह पन्ना जिले की भी भाजपा टीम की घोषणा कर दी गई है। जिसमें 8 उपाध्यक्ष, 2 महामंत्री 6 मंत्री, कोषाध्यक्ष, सहकोषाध्यक्ष के अलावा कार्यालय मंत्री एवं सह कार्यालय मंत्री पदों पर कार्यकर्ताओं को जिम्मेदारी दी गई है।

एलएनसीटी यूनिवर्सिटी के स्कूल ऑफ फार्मेसी में व्याख्यान

भोपाल। एलएनसीटी यूनिवर्सिटी में बी.फार्म द्वितीय सेमेस्टर के छात्रों के लिए एंटीएपिलेप्टिक दवाओं का अवलोकन विषय पर एक विशेषज्ञ व्याख्यान का आयोजन किया गया। यह व्याख्यान डॉ. प्रदीप कुमार मोहंती, फैकल्टी, स्कूल ऑफ फार्मेसी द्वारा प्रस्तुत किया गया। शुभारंभ डॉ. एके सिंघई, निदेशक, स्कूल ऑफ फार्मेसी एवं डीन एकेडमिक द्वारा स्वागत भाषण के साथ हुआ। उन्होंने मिर्गी (एपिलेप्सी) के प्रभावी प्रबंधन में एंटी एपिलेप्टिक दवाओं की महत्वपूर्ण भूमिका को समझने की आवश्यकता पर जोर दिया। व्याख्यान के दौरान डॉ. मोहंती ने मिर्गी का परिचय देते हुए बताया कि यह एक दीर्घकालिक न्यूरोलॉजिकल विकार है, जिसमें मस्तिष्क में अत्यधिक और असामान्य विद्युत गतिविधि के कारण बार–बार दौरे (सीजर्स) आते हैं।

विशेष शिविर में निगम ने वसूली 10 करोड़ से ज्यादा की राशि

जागरण संवाददाता, भोपाल। नगर निगम की राजस्व शाखा द्वारा शहर में संपत्तिकर, जल उपभोक्ता प्रभार, ठोस अपषिष्ट प्रबंधन प्रभार, लीज रेंट सहित अन्य राजस्व शुल्कों की वसूली के लिए बुधवार को विशेष राजस्व वसूली शिविर का आयोजन किया गया। शिविर के दौरान 85 वार्डों के सभी करदाताओं से विभिन्न मदों में 10 करोड़ 3 लाख 61 हजार से ज्यादा की कर वसूली की गई। वसूली के लिए निगम अमले ने अभियान के दौरान करदाताओं से व्यक्तिगत, मोबाइल व अन्य माध्यमों से संपर्क कर विशेष शिविर की जानकारी दी। शिविर के दौरान संपत्तिकर के 782 करदाताओं ने 65 लाख 63 हजार 626 रुपए, जल उपभोक्ता प्रभार के 403 उपभोक्ताओं ने 16 लाख 58 हजार 362 रुपए और अन्य मदों में 21 लाख 39 हजार 102 रुपए की राशि वसूली गई और निगम के कोष में जमा कराई गई।

शादी का बचा खाना सड़क पर फेंका तो निगम अमले ने किया जुर्माना

भोपाल। नगर निगम ने शादी का बचा भोजन सड़क पर फेंकने वाले एक व्यक्ति पर जुर्माना किया है। वहीं, 53 लोगों पर गंदगी फैलाने पर स्पॉट फाइन की कार्रवाई की गई है। निगम अमले के अनुसार, वार्ड नंबर–20 के अंतर्गत कोतवाली रोड पर विवाह कार्यक्रम का बचा हुआ भोजन सार्वजनिक मार्ग पर फेंकने वाले पर दुर्गा कीर से 1 हजार रुपए का जुर्माना वसूला गया। इसके अलावा शहर के अन्य वार्ड में भी सीएंडडी वेस्ट फेंकने, गंदगी फैलाने और स्वच्छता के मानकों का पालन न करने वालों के विरुद्ध भी कार्रवाई की गई। कुल 53 प्रकरण में 10 हजार 300 रुपए की राशि स्पॉट फाइन के रूप में वसूल की गई।

पानी का छिड़काव किया शुरू: भोपाल के वायु प्रदूषण को रोकने नगर निगम ने पानी का छिड़काव शुरू कराया है। बुधवार को फॉगर मशीनों एवं ट्रैक्टर माउंट स्प्रे मशीन के माध्यम से पानी का छिड़काव किया गया। लिंक रोड नं–1 व 2, टीटी नगर, न्यू मार्केट, रोशनपुरा, कोहेफिजा, लालघाटी, बैरागढ़, हमीदिया रोड, चार इमली, हबीबगंज, अरेरा कॉलोनी समेत कई इलाकों में पानी का छिड़काव हुआ।

पत्नी से विवाद के बाद लैब संचालक ने लगाई फांसी

जागरण, भोपाल। कोलार रोड़ थाना क्षेत्र में लैब संचालक ने फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली। आत्महत्या करने पहले उसका पत्नी से विवाद हुआ था। मृतक के पास से कोई सुसाइड नोट नहीं मिलने से कारणों का खुलासा नहीं हो सका है। पुलिस के अनुसार 40 वर्षीय पुष्पेंद्र दोहरे पिता रामलखन सनखेड़ी स्थित गिरधर हाईट्स में रहता था। वह एक लैब का संचालन करता था। मंगलवार रात पुष्पेंद्र का पत्नी से खाने को लेकर मामूली विवाद हुआ था। इसी बात से नाराज होकर वह घर से बाहर चला गया। देर रात वह घर लौटा और फिर एक कमरे में फांसी लगाकर जान दे दी। बुधवार सुबह पत्नी ने पति को फंदे पर लटका देखा तो तुरंत घटना की सूचना पुलिस को दी। पुलिन ने पीएम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया है।

किसान ने खाया सल्फास, मौत: ईटखेड़ी थाना क्षेत्र में किसान ने सल्फास खाकर सुसाइड कर लिया। पुलिस की शुरूआती जांच में वजह पत्नी से विवाद होना बताया गया है। पुलिस के अनुसार 28 वर्षीय गोलू साहू रायपुर गांव में रहता था। वह खेती किसानी करता था और मारवाड़ी रोड स्थित एक कॉस्मेटिक्स दुकान पर भी काम करता था। मृतक की पत्नी ने उस पर दहेज प्रताड़ना का मामला दर्ज कराया था और वह करीब एक साल से मायके में रह रही थी। गोलू साहू के दो बच्चे हैं, लेकिन पत्नी उसे बच्चों से मिलने नहीं देती थी।

विधान में भक्ति भाव से चढ़ाए गए अर्ध

भोपाल। जैन मंदिर मंगलवारा में नन्दीश्वर पूजन के साथ 1008 श्री सिद्धचक्र महामंण्डल विधान में श्री चिन्तामणि पार्श्वनाथ भगवान का अभिषेक शांतिधारा के साथ हुआ। यह सौभाग्य राजेश, अनीता, कमल, मनोरमा अजमेरा को मिला। श्रीपाल मैनासुन्दरी नीता–प्रदीप रोशला, सौधर्म इन्द्र सुभाषचन्द्र, शचि इन्द्राणी, ध्वजा रोहण श्रीमति शारदा अमिताभ द्वारा किया गया। महा यज्ञनायक आदित्य सविता मनयां परिवार और यज्ञ नायक विपिन मनीषा एमपीटी ने श्रीफल अर्पित किए।

मध्यप्रदेश राज्य एड्स नियंत्रण समिति
MPSACS
1 अरेरा हिल्स, द्वितीय तल, तिलहन संघ भवन
भोपाल, मध्यप्रदेश-462011, दूरभाष : 0755-2570424
फैक्स : 2556619
F/27-2014/PROC/AIDS/2026/351 भोपाल, दिनांक : 25.02.2026
निविदा की अंतिम तिथि बढ़ाने हेतु (द्वितीय बार)
इस कार्यालय से दिनांक 08.01.2026 को निम्न कार्य/क्रय हेतु mptender portal पर ऑनलाइन ई-निविदा जारी कर प्रस्ताव एवं दरें **दिनांक 23.02.2026 तक** आमंत्रित की गई थीं।

स.क्र.	निविदा का विवरण	निविदा आईडी क्र.
1.	Purchase of Viral load Testing kits	2026_MPACS_474094_1
2.	Hiring of 02 Mobile Van for ICTC	2026_MPACS_474151_1

उक्त निविदाओं की प्रथम बार अंतिम तिथि बढ़ाने के पश्चात्, 01-01 निविदा प्राप्त होने के कारण निविदा आमंत्रण की अंतिम तिथि में वृद्धि करते हुए ऑनलाइन प्रस्ताव **दिनांक 04.03.2026 के सायं 5:30 बजे तक** आमंत्रित किए जाते हैं। अंतिम तिथि तक प्राप्त प्रस्ताव दिनांक 06.03.2026 को दोपहर 3:00 बजे ऑनलाइन खोले जावेंगे।
इस संबंध में विस्तृत विवरण एवं समय-समय पर अंतिम तिथि के पूर्व दी जाने वाली जानकारी **www.mptender.gov.in**/सूचना पटल पर भी देखी जा सकती है।
म.प्र. माध्यम/124624/2026 अपर परियोजना संचालक
//एड्स का ज्ञान बचाये जान//
एचआईवी, एड्स की जानकारी हेतु निःशुल्क हेल्प लाइन 1097 पर संपर्क कर सकते है

एम.पी. स्टेट सिविल सप्लाईज कार्पोरेशन लिमिटेड
क्षेत्रीय कार्यालय - नर्मदापुरम
क्रमांक/परिवहन-निविदा/2025-26/ नर्मदापुरम्, दिनाक : 25.02.2026
ई-परिवहन निविदा आमंत्रण सूचना
कार्पोरेशन द्वारा निविदा अवधि वर्ष 2025-27 के परिवहन कार्य हेतु ऑनलाइन GEM पोर्टल पर HANDLING, TRANSPORT AND OTHER MINING SERVICE के अंतर्गत रजिस्टर्ड निविदाकारों से जिलों हेतु निम्नानुसार प्रथम बार निविदाये आमंत्रित की जाती हैं।
1. एल.आर.टी बारदाना पी.पी. (वर्ष 2025-27)
निविदाकार दस्तावेज वेबसाइट **https://gem.gov.in** पर अवलोकन हेतु उपलब्ध है। निविदा दस्तावेज एवं निविदा प्रकिया ऑनलाइन भरने हेतु संबंधित तकनीकी सहयोग एवं स्पष्टीकरण हेतु टोल फ्री नम्बर (inbound) : 1800-419-3436, 1800-102-3436 (9:00 AM-10:00 PM mon to sat) पर सम्पर्क कर सकते हैं।
म.प्र. माध्यम/124637/2026 क्षेत्रीय प्रबंधक

OFFICE OF THE MUNICIPAL CORPORATION, BHOPAL
Water Work Department
Municipal Corporation Rest House, Shyamla Hills, Bhopal
Ph.No.0755-2701669
NOTICE INVITING e-TENDER
Online tenders are being invited for the following works. The bidder can obtained detailed information and tender documents on website http://mptenders.gov.in.
Corrigendum for this NIT shall not be issued separately in newspapers. Corrigendum regarding correction can be seen on the website http://mptenders.gov.in

S. No.	NIT No.	Tender ID.	Details of Work	Estimated Cost (INR)	Earnest Money (EMD)	Bid Submission End Date
1.	2.	3.	4.	5.	6.	7.
1.	17/Store/W.W.D/ BMC/2025-26 Third call	2025_UAD_458238_3	Supply of Ferric alum Grade- IV under store WWD on empanelment basis	1,91,42,200/-	95,711.00	06.03.2026

नि.क्र. 3225/025/026
Executive Engineer (WWD)
Municipal Corporation, Bhopal

NOTICE INVITING TENDER (NIT)
कार्यालय, पुलिस उपायुक्त (मुख्यालय), नगरीय पुलिस, भोपाल (म.प्र.)
क्रमांकः-पुलिस उपायुक्त/मुख्यालय/रिकार्ड/125 /2026, भोपाल दिनांक 07/02/2026
-:: निविदा सूचना ::-
पुलिस उपायुक्त (मुख्यालय), नगरीय पुलिस भोपाल, के अन्तर्गत आने वाले कार्यालय एवं थानों हेतु निम्नानुसार उपकरणों की आवश्यकता होने से क्रय हेतु उपकरणों के दर प्राप्त किये जाने हेतु ऑनलाइन, निविदा आंमत्रित की जाती हैं :-

S. N.	Name Items	Items Approx	Tender Fee	EMD PAID ONLINE (mptenders.gov.in)
1	PHOTO COPY MACHINE	According To Requirement & Budget Available	2000/-	50,000/-
2	PRINTER			

NOTE: SPECIFICATION OF ITEMS ATTACHED WITH TENDER DOCUMENT
1. निविदा प्रपत्र ऑनलाइन वेबसाइट https://mptenders.gov.in पर जमा किये जाएंगे।
2. निविदा शुल्क ऑनलाइन जमा करना अनिवार्य है।
3. मध्यप्रदेश पुलिस की वेबसाइट www.mppolice.gov.in से निविदा प्रपत्र एवं विस्तृत जानकारी डाउनलोड की जा सकती है।
4. समय सारणी :

क्र.	विवरण	दिनांक	समय
01	निविदा प्रकाशन की दिनांक	11/02/2026	11:00 AM
02	निविदा प्रपत्र डाउनलोड दिनांक	12/02/2026	11:00 AM
03	प्री–बिड	21/02/2026	11:00 AM
04	निविदा जमा करने की प्रारंभ दिनांक	24/02/2026	11:00 AM
05	निविदा जमा करने की अंतिम दिनांक	04/03/2026	11:00 AM
06	निविदा खोलने की दिनांक	05/03/2026	11:00 AM

जी–26441/25
बच्चों की मुस्कान है अनमोल, इसे सुरक्षित रखें हर हाल
पुलिस उपायुक्त (मुख्यालय)
नगरीय पुलिस, भोपाल

संक्षिप्त खबरें

भोपाल अंचल में मेगा प्रॉपर्टी एंड ऑटो एक्सपो का आयोजन

जागरण, भोपाल। बैंक ऑफ बड़ौदा राजधानी में बैंक ऑफ बड़ौदा मेगा प्रॉपर्टी एंड ऑटो एक्सपो 2026 का आयोजन किया गया। एक्सपो में घर एवं वाहन खरीदारों को आवास एवं वाहन विकल्पों के साथ बैंक ऑफ बडौदा से आकर्षक वित्तीय सहायता प्राप्त करने के लिए वन स्टॉप प्लेटफॉर्म रहा। इस दो दिवसीय कार्यक्रम में भोपाल के प्रमुख बिल्डर्स अपनी उच्च गुणवत्ता वाले अनुमोदित आवासीय प्रोजेक्ट्स की एक विस्तृत श्रृंखला एवं विशेष ऑफर के साथ शामिल हुए। इस एक्सपो में बिल्डर्स के साथ भोपाल के प्रमुख कार डीलर्स भी शामिल हुए। एक्सपो के पहले और दूसरे दोनों दिन घर एवं कार खरीदारों की अच्छी-खासी भीड़ देखी गई। इस अवसर का लाभ लेते हुए घर खरीदारों ने निर्माणाधीन परियोजनाओं और रिडेवलपमेंट प्रॉपर्टीज सहित किफायती, मध्यम आय, प्रीमियम और लक्जरी सेगमेंट के विकल्प देखे।

एयरपोर्ट रोड और टीला जमालपुरा इलाके में आज बिजली कटौती

जागरण संवाददाता, भोपाल। गुरुवार को एयरपोर्ट रोड स्थित लेकपर्ल गार्डन, आदित्य एवेन्यु, गार्डन स्टेट, कर्नल कार्नर, सुविध विहार कालोनी, सूरज नगर, मनन अस्पताल, पर्णकुटि परिसर, होटल गोल्डन लेक, पीपलनेर, सागर पब्लिक स्कूल, हाई टेकसिटी सहित आसपास के इलाकों में दोपहर 1 से शाम 4 बजे तक, अयोध्या बायपास स्थित तिरुपति अभिनव होम्स, गिरनार वैली सुबह 10 से शाम 4 बजे तक और दीपमोहिनी कालोनी व आसपास दोपहर 2 से शाम 5.30 बजे तक, नर्मदापुरम रोड स्थित राजपाल टोयोटा, रंजीत गोल्डन ओक, पावर होंडा, वसुंधरा गार्डन व आसपास सुबह 10 से शाम 5 बजे तक, एमपी एग्रो, पुतलीघर, फकरुद्दीन मस्जिद, इंदिरा नगर, न्यू राजीव नगर, वसुंधरा कालोनी, टीला जमालपुरा, पीएंडटी कालोनी, हाउसिंग बोर्ड कालोनी व आसपास दोपहर 12 से शाम 4 बजे तक, संजय नगर, मौलाना आजाद स्कूल, ईदगाह हिल्स, प्रिंस कालोनी, प्रभु नगर व नियामत पुरा व आसपास सुबह 11 से शाम 4 बजे तक, पुरानी विधानसभा, पीएचक्यू, एमवीएम कालेज, पुलिस कंट्रोल रूम व आसपास सुबह 10 से दोपहर 3 बजे तक, कला परिषद, रोशनपुरा, एनसीसी, आईडीबीआई बैंक, राज भवन व आसपास सुबह 10 से दोपहर 3 बजे तक बिजली सप्लाई बंद रखी जाएगी।

एलएन यूनिवर्स क्रिकेट स्पर्धा में लीगल स्टडीज बना चैंपियन

जागरण, भोपाल। एलएनसीटी खेल मैदान पर दूधिया और चमकदार रोशनी में आयोजित एलएन यूनिवर्स क्रिकेट प्रतियोगिता में यूनिवर्सिटी की 10 टीमों ने भाग लिया। फाइनल मुकाबला स्कूल ऑफ लीगल स्टडीज और स्कूल ऑफ फिजिकल एजुकेशन के बीच खेला गया। लीगल स्टडीज ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी चुनी। फिजिकल एजुकेशन ने 8 ओवर में 9 विकेट पर 94 रन बनाए। लक्ष्य का पीछा करते हुए लीगल स्टडीज की शुरुआत धीमी रही और पांच विकेट जल्दी गिर गए। आखिरी 12 गेंदों पर 31 रन की जरूरत थी, लेकिन खिलाड़ियों ने धैर्य दिखाया। अंतिम गेंद पर कप्तान ओम प्रकाश ने चौका लगाकर टीम को 8 ओवर में 95 रन और 5 विकेट शेष रहते रोमांचक जीत दिलाई। आयुर्वेद ने पुरुष व महिला वर्ग में खिताब जीता। वॉलीबॉल में लीगल स्टडीज, फुटबॉल में फिजिकल एजुकेशन व बैडमिंटन में पुरुष वर्ग में फिजिकल एजुकेशन और महिला वर्ग में जेके पैरामेडिकल विजेता रहे।

करियर कॉलेज में स्पार्क-2026 का समापन, नवाचार व शोध पर फोकस

जागरण, भोपाल। करियर कॉलेज (स्वायत्त) में आयोजित दो दिवसीय 11वां इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस स्पार्क-2026 का भव्य समापन हुआ। मुख्य अतिथि पद्म प्रो. दीपक बी. फाटक ने अपने संबोधन में कहा कि एआई खतरा नहीं, बल्कि एक शक्तिशाली सहयोगी है। स्पार्क वह चिंगारी है जो युवाओं के सपनों को साकार करने की शक्ति देती है। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती की प्रतिमा पर दीप प्रच्वलन एवं माल्यार्पण के साथ हुआ। करियर ग्रुप के अध्यक्ष मनीष राजोरिया ने मुख्य अतिथि का पौधा भेंट कर स्वागत किया। अपने उद्बोधन में उन्होंने कहा कि इस कॉन्फ्रेंस का उद्देश्य युवाओं में नवाचार, रचनात्मकता और नेतृत्व क्षमता को प्रोत्साहित करना है। कॉन्फ्रेंस की कन्वीनर एवं कंप्यूटर विभागाध्यक्ष डॉ. रोमशा शर्मा ने सम्मेलन की थीम पर प्रकाश डालते हुए इसके शैक्षणिक और शोधपरक महत्व को रेखांकित किया। तकनीकी सत्र में एआई विशेषज्ञ निखिल तिवारी, बेन पेंग (हॉन्ग कॉन्ग), उद्यमी राहुल वास्तव तथा अमिताभ देव ने अपने विचार साझा किए। सम्मेलन में कुल 50 शोध पत्र एवं 10 पोस्टर प्रस्तुत किए गए, विभिन्न विश्वविद्यालयों और महाविद्यालयों के फैकल्टी सदस्य, शोधार्थी एवं विद्यार्थियों ने भागीदारी की।

मेट्रो बनी रेलवे की परेशानी का सबब प्लेटफार्म 6 पर एंट्री लेना मुश्किल

मेट्रो के काम के चलते सड़क पर भरा है रहता पानी

नगर संवाददाता, भोपाल। भोपाल में मेट्रो का काम लोगों की परेशानी का सबब बन गया है। जहां कहीं भी मेट्रो का काम चल रहा है, वहां धूल, खराब सड़क आम हो चुका है। इसी क्रम में बीते कई महीनों से भोपाल रेलवे स्टेशन का प्लेटफार्म नंबर 6 की एंट्री उलझी हुई है। यहां मेट्रो काम के चलते सड़क पर पानी भरा रहता है। इसी सड़क को पार कर यात्री प्लेटफार्म नंबर छह से आते और जाते हैं। यह समस्या पिछले कई महीनों से बनी हुई है, जब से इस क्षेत्र में मेट्रो परियोजना का काम शुरू हुआ है। मेट्रो का निर्माण कार्य काफी धीमी गति से चल रहा है, जिस कारण रास्ता पहले ही संकरा और अव्यवस्थित हो गया है। इससे लोगों को आने जाने में परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। मौके पर देखने पर पता चलता है कि मेट्रो के अधूरे निर्माण कार्य के कारण रास्ता बाधित है और पैदल चलने लायक भी नहीं बचा है। ऐसे में यात्रियों को अपने सामान के साथ कीचड़ में फिसलते हुए प्लेटफॉर्म तक पहुंचना पड़ रहा है। करीब छह महीना पहले अप-डाउनर्स एसोसिएशन ने इस समस्या के संबंध में डीआरएम भोपाल को एक ज्ञापन भी सौंपा था। जिसमें बताया गया था कि मुख्य सड़क पर पानी भरा रहता है, इससे यहां आने जाने में परेशानी होती है। न केवल यात्री, बल्कि स्टेशन पर काम करने वाले ऑटो चालक और कुली भी परेशान हैं।

जिम्मेदार एजेंसियों को उठाने होंगे कदम

पश्चिम मध्य रेलवे की उपयोगकर्ता व सलाहकार समिति के सदस्य निरंजन वाधवानी ने कहा कि यदि यात्रियों की सुविधा के नाम पर हो रहा निर्माण ही उन्हें मुसीबत में डाल दे, तो उसका उद्देश्य अधूरा रह जाता है। ऐसे में रेलवे और मेट्रो प्रबंधन को मिलकर तत्काल कदम उठाने होंगे। जब इस समस्या को लेकर रेलवे प्रशासन से बात की गई, तो भोपाल रेल मंडल के अधिकारियों का कहना है कि यात्रियों की सुविधा के लिए वैकल्पिक व्यवस्था की जा रही है। उन्होंने स्वीकार किया कि मेट्रो निर्माण कार्य के कारण असुविधा हो रही है और रेलवे अपने स्तर पर समाधान की दिशा में काम कर रहा है।

नाला निर्माण से सभी ने हाथ खींचे

प्लेटफार्म नंबर छह के बाहर कुछ महीने पहले पीडब्ल्यूडी द्वारा सड़क निर्माण किया गया है। सड़क बन जाने के बाद पानी की निकासी के लिए पर्याप्त जगह नहीं बची है। सूत्रों ने बताया कि यहां से एक नाला बहता है, जो रेलवे की भूमि में है। रेलवे ने इस नाले को बंद कर दिया है, जिससे पानी का निकलना मुश्किल हो गया है। कुछ समय पहले रेलवे और पीडब्ल्यूडी अधिकारियों के बीच चर्चा हुई थी, जिसमें रेलवे ने अपनी जमीन में से नाला निर्माण के लिए जगह देने पर मना कर दिया था।

आखिरी राउंड में सीटों को बदलना नियमों के खिलाफ

हाईकोर्ट ने एनआरआई कोटे पर दिया फैसला

एजुकेशन रिपोर्टर, भोपाल। मेडिकल कॉलेजों में एनआरआई कोटे की सीटें खाली हों और उनके लिए आवेदन आए हों, तो अगली सुनवाई से पहले उनका अलॉटमेंट कर दिया जाए। ये फैसला मप्र हाईकोर्ट ने बुधवार को नीट पीजी मामले में लगाई गई याचिका पर दिया। हाईकोर्ट ने दो सप्ताह में चिकित्सा शिक्षा विभाग से जवाब तलब किया है। याचिकाकर्ता डॉ. अभि शर्मा की ओर से एडवोकेट हेमेंद्र जैन ने कहा कि हाईकोर्ट की इंदौर बेंच ने निर्देश दिया है कि प्रवेश के लिए एक या एक से अधिक कितने भी राउंड हों, लेकिन आखिरी मॉपअप राउंड या स्टे वेकेंसी राउंड में एनआरआई सीटें आवेदकों को दी जानी चाहिए।

जैन ने कहा कि हमारी दलील थी कि एमपी मेडिकल एजुकेशन रूल्स 2018-2019 के नियम 14 (क) (2) के अनुसार हर प्राइवेट मेडिकल कॉलेज में 15 प्रतिशत एनआरआई कोटा है। एनआरआई विद्यार्थी नहीं होने पर खाली सीटें जनरल विद्यार्थी को नहीं दी जा सकतीं। ऐसे विद्यार्थी को लास्ट राउंड तक फॉलो करना चाहिए।

एनआरआई सीटों को जनरल में परिवर्तित करने पर आपत्ति: नीट पीजी काउंसलिंग 2026 के तहत एनआरआई कोटे की सीटों को लेकर विवाद सामने आया है। इसे लेकर एनआरआई अभ्यर्थियों ने डायरेक्टोरेट ऑफ मेडिकल एजुकेशन (डीएमई) द्वारा चौथे मॉपअप राउंड में बची एनआरआई सीटों को जनरल कोटे में परिवर्तित किए जाने के फैसले पर आपत्ति जताई है।

- अगली सुनवाई से पहले होगा एनआरआई सीटों का अलॉटमेंट
- कोर्ट ने दो सप्ताह में चिकित्सा शिक्षा विभाग से मांगा जवाब

समय से पहले जनरल कोटे में परिवर्तित करना नियमों के विरुद्ध है: एडवोकेट बागड़िया

सीनियर एडवोकेट अजय बागड़िया ने बताया कि मौजूदा नियमों के अनुसार एनआरआई अभ्यर्थी फर्स्ट राउंड, सेकंड राउंड और मॉपअप राउंड तक एनआरआई कोटे में प्रवेश पाने के पात्र होते हैं। बावजूद डीएमई द्वारा चौथे मॉपअप राउंड में शेष एनआरआई सीटों को जनरल कोटे में बदल दिया गया, जिससे पात्र एनआरआई छात्रों के संवैधानिक और वैधानिक अधिकार प्रभावित हुए। बागड़िया ने कहाकि सीटों को समय से पहले जनरल कोटे में परिवर्तित करना न केवल नियमों के विरुद्ध है, बल्कि प्राकृतिक न्याय के सिद्धांतों का भी उल्लंघन है।

सिकंदराबाद में शासकीय भूमि पर कब्जा, किया पक्का निर्माण

शिकायत के बाद भी नहीं हो रही है कार्रवाई

जागरण संवाददाता, भोपाल। सिकंदराबाद में शासकीय भूमि पर अतिक्रमण कर पक्का निर्माण किए जाने का मामला सामने आया है। मामले में शिकायतकर्ता द्वारा एसडीएम हुजूर और तहसीलदार को लिखित शिकायत देकर कार्रवाई करने को कहा है, लेकिन कार्रवाई नहीं हो सकी है। शिकायतकर्ता मुकेश गर्ग व अन्य लोगों ने बताया कि तहसील हुजूर के ग्राम सिकंदराबाद में खसरा क्रमांक 678 जो कि शासकीय भूमि के रूप में दर्ज है और खसरा क्रमांक 458 जिस पर शासकीय सड़क दर्ज है।

वहां पर गोपाल चौकसे व अन्य व्यक्तियों द्वारा अवैध तरीके से कब्जा कर पक्का निर्माण किया जा रहा है, जिसकी वजह से आम लोगों का आवागमन प्रभावित हो रहा है। नियमानुसार शासकीय मार्ग पर कब्जा नहीं हो सकता है और शासकीय जमीन पर पंचायत द्वारा दुकानें बनाई जा रही हैं, जिसकी आड़ में गांव के ही कुछ अन्य लोग भी कब्जा कर रहे हैं। मामले में शिकायतकर्ताओं द्वारा ग्राम सिकंदराबाद के सरपंच, पटवारी,

तहसीलदार और एसडीएम हुजूर को शिकायत की गई है, लेकिन कार्रवाई नहीं हुई। इसके अलावा रातीबड़ थाने में भी आवेदन दिया गया है, लोगों के अनुसार जब उनके द्वारा हमारे द्वारा गोपाल चौकसे, सोनू चौकसे और मोनू चौकसे को आवागमन बाधित होने की बात कहकर अतिक्रमण हटाने की बात कही गई तो इन लोगों के द्वारा सबसे अभद्र व्यवहार किया और मारपीट की धमकी भी दी गई। जिसके बाद सभी जगह शिकायत की गई, लेकिन कार्रवाई न होने से लोग परेशान हो रहे हैं।

युवा वैज्ञानिक सम्मेलन मेपकास्ट में आज से

जागरण, भोपाल। मध्यप्रदेश विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद (मेपकास्ट) द्वारा विज्ञान के क्षेत्र में तीन महत्वपूर्ण आयोजनों को लेकर व्यापक तैयारियां की जा रही हैं। परिषद द्वारा 26 से 28 फरवरी 2026 तक 41वां मध्यप्रदेश युवा वैज्ञानिक सम्मेलन आयोजित किया जाएगा, जिसमें 17 विषयों पर 278 शोधपत्र प्रस्तुत होंगे। उत्कृष्ट प्रतिभाओं को 25,000, 20,000 एवं 15,000 रुपये के पुरस्कार तथा राष्ट्रीय संस्थानों में 3 से 6 माह के उच्च तकनीकी प्रशिक्षण का अवसर प्रदान किया जाएगा। इसी क्रम में 28 फरवरी को राष्ट्रीय विज्ञान दिवस का मुख्य समारोह रविन्द्र भवन, भोपाल में आयोजित होगा। इस वर्ष की थीम 'वुमेन इन साइंसः कैटलाइजिंग विकसित भारत' है। कार्यक्रम में विशेषज्ञ व्याख्यान, महिला वैज्ञानिकों का सम्मान, स्टेम गतिविधियां तथा युवा वैज्ञानिक सम्मेलन के विजेताओं का पुरस्कार वितरण होगा। प्रदेश के 45 जिलों में 260 से अधिक संस्थानों के माध्यम से विज्ञान प्रदर्शनियां और जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। विज्ञान दिवस महान वैज्ञानिक सी.वी.रमन की स्मृति में मनाया जाता है। 3 से 5 अप्रैल को उज्जैन-डोंगला में 'महाकालः द मास्टर ऑफ टाइम' विषय पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन होगा।

धर्मांतरण का मामाला, चंदन और अमरीन की रिमांड चार दिन बढ़ी

पुलिस की एक टीम गुजरात के अहमदाबाद रवाना

नगर संवाददाता, भोपाल। शहर के चर्चित देह व्यापार, बलात्कार और धर्मांतरण मामले की जांच के लिए पुलिस की एक टीम गुजरात के अहमदाबाद रवाना हो गई है। बाग सेवनिया थाना से मिली जानकारी अनुसार एक टीम भोपाल में इस मामले की जांच कर रही है, वहीं एक विशेष टीम बनाकर अहमदाबाद भेजा गया है। इधर अमरीन और चंदन यादव की रिमांड चार दिन और बढ़ गई है। पुलिस के अनुसार अमरीन और चंदन की रिमांड बुधवार को पूरी हो रही थी, पुलिस ने कोर्ट से इसे चार दिन और बढ़वा लिया। जांच अधिकारी ने बताया कि बुधवार को पुलिस द्वारा अमरीन के फ्लैट सागर रॉयल विलास हाउस नंबर 30 सी सेक्टर में सर्चिंग की गई, जहां से कुछ सामान मिला है, इसके अलावा एक बुर्का भी जप्त किया गया है। इस बुर्के का इस्तेमाल पीड़ित महिलाओं को पहनाने के लिए किया जाता था।

बढ़ सकती है आरोपियों की संख्याः मामले की जांच करने वाले पुलिस अधिकारी ने बताया कि आरोपित अमरीन व आफरीन चार सगी बहनें हैं। जबकि उनका एक भाई दिमागी रूप से बीमार है। पिता का देहांत हो चुका है और घर में मां है, जो इस समय भोपाल से बाहर है। इसके अलावा चंदन का अपने गांव रेहटी से कोई लेना देना है नहीं, लेकिन वह वर्तमान में एक स्पा सेंटर में काम करता था, वहां के मैनेजर से पूछताछ की जाएगी। वहीं अमरीन की सबसे छोटी बहन की शादी गुजरात में हुई है, जहां से उसका पति अमरीन व आफरीन की कानूनी मदद करने के लिए भोपाल आया हुआ है। इसके अलावा भी कई और लोग हैं, जो अमरीन व आफरीन के संपर्क थे, इस आधार पर माना जा रहा है कि आरोपियों की संख्या बढ़ सकती है।

आज मिलेगी सीडीआर, खुलेंगी परतें

जितने भी आरोपी हैं, उनकी कॉल डिटेल आज मिलने की संभावना है। पुलिस डिटेल के आधार पर सबसे अधिक बार और सबसे ज्यादा समय तक जिन नंबरों पर बात की गई है, उन तक पहुंचने का प्रयास करेगी। कॉल डिटेल इस मामले में कई राज खोल सकती है।

मानव संग्रहालय में पवित्र वन शुरू

विशेषज्ञों ने साझा किए जैव-सांस्कृतिक विरासत के सूत्र

जागरण, भोपाल। इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मानव संग्रहालय में बुधवार को 'भारत के पवित्र वनः जैव-सांस्कृतिक विरासत एवं सतत संरक्षण के भंडार' विषय पर तीन दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का शुभारंभ हुआ। मुख्य अतिथि पूर्व महानिदेशक (एमओईएफसीसी) सुभाष चंद्र (आईएफएस) एवं अन्य प्रतिष्ठित विशेषज्ञों ने कार्यक्रम का आगाज किया। उद्घाटन सत्र में मुख्य वक्ता प्रो. के. के. मिश्रा ने वेदों, आध्यात्मिक पारिस्थितिकी और आदिवासी आस्था प्रणालियों के बीच गहरा संबंध बताया। मुख्य अतिथि सुभाष चंद्र ने गोवा के पवित्र उपवनों पर आधारित दो लघु फिल्मों का प्रदर्शन किया और समुदाय आधारित वन संरक्षण के संकल्प पर जोर दिया। वहीं, प्रो. ए. बी. ओटा (आईएएस) ने भारत में पवित्र उपवनों के आंकड़ों पर विस्तृत प्रस्तुति दी।

संस्कृति और उत्कृष्टता के उत्सव का समापन

एजुकेशन रिपोर्टर, भोपाल। डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी कालेज में आयोजित दो दिवसीय वार्षिक स्नेह सम्मेलन अनुपम 2025-2026 का समापन बुधवार को हुआ। समारोह के मुख्य अतिथि हुजूर विधानसभा क्षेत्र के विधायक रामेश्वर शर्मा थे। विशिष्ट अतिथि के रूप में जनभागीदारी समिति के अध्यक्ष अनूप सिंह बैस उपस्थित रहे। प्राचार्य डॉ. शालिनी सक्सेना ने कालेज का वार्षिक प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। उन्होंने कालेज की शैक्षणिक उपलब्धियों, नवाचारों, आधारभूत संरचना विकास एवं समग्र शैक्षणिक उन्नयन की जानकारी देते हुए कहा कि कालेज का उद्देश्य केवल शिक्षा प्रदान करना नहीं, अपितु अनुशासन, संस्कार, कौशल एवं राष्ट्रीय चेतना से युक्त आदर्श नागरिकों का निर्माण करना है। मुख्य अतिथि विधायक शर्मा ने कालेज की निरंतर प्रगति की सराहना की तथा छात्रसंख्या में वृद्धि एवं सेल्फ-फाइनेंस कोर्स प्रारंभ करने का आह्वान किया। प्रभारी एवं परामर्शदाता डॉ. राजेश श्रीवास्तव ने प्रस्तुत की तथा विद्यार्थियों को शुभकामनाएं प्रेषित कीं।

वनमाली महोत्सव : कला और कलाकार के द्वंद्व की मार्मिक दास्तां है 'मगर शेक्सपियर को याद रखना'

जागरण, भोपाल। स्कोप ग्लोबल स्किल्स यूनिवर्सिटी में जारी तीन दिवसीय 'वनमाली कथा सम्मान समारोह' का दूसरा दिन साहित्य, संवाद और कला के नाम रहा। पहले सत्र में वरिष्ठ कथाकार प्रतिभा राय की अध्यक्षता में मृदुला गर्ग और अलका सरावगी ने अपनी नवीनतम कृतियों का पाठ किया। मृदुला गर्ग ने अपने उपन्यास 'वे नायाब पर्दे' से जर्मनी के अनुभवों को साझा किया, वहीं अलका सरावगी ने 'कलकत्ता कॉस्मोपोलिटन' के जरिए महानगर की संवेदनाओं को उकेरा। इस दौरान प्रतिभा राय ने कहा कि लेखक न तो नर होता है न नारी, वह 'अर्धनारीश्वर' होता है जिसकी ताकत उसकी निर्भय संवेदना है।

कला और कलाकार के द्वंद्व की मार्मिक दास्तां

समारोह की सबसे प्रभावशाली प्रस्तुति रही संतोष चौबे की कहानी पर आधारित नाटक मगर शेक्सपियर को याद रखना। संजय मेहता के निर्देशन में रंगशीर्ष नाट्य समूह ने रंगमंच के पीछे के संघर्षों और कलाकारों के जटिल स्वभाव को मंच पर जीवंत किया। नाटक की कहानी इरफान अहमद (संजय मेहता) और कार्तिक (रूपेश तिवारी) के रिश्तों के इर्द-गिर्द घूमती है। यह नाटक दिखाता है कि एक कलाकार व्यक्तिगत तौर पर कठोर या अव्यवहारिक हो सकता है, लेकिन उसकी सृजनशीलता वंदनीय होती है। मंच पर शमा खान, चित्रांश और गायत्री निगम सहित अन्य कलाकारों ने सधा हुआ अभिनय किया।

आंचलिक विज्ञान केंद्र में रमन स्मृति व्याख्यान और अंधविश्वास पर प्रहार

विज्ञान के आगे फेल हुए चमत्कार

जागरण, भोपाल। राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के सप्ताहव्यापी आयोजनों के तहत बुधवार को आंचलिक विज्ञान केंद्र में तार्किक सोच और आधुनिक शोध पर केंद्रित विशेष सत्र संपन्न हुए। कार्यक्रम की शुरुआत 'विज्ञान बनाम चमत्कार' शो से हुई, जिसमें विज्ञान के रोचक प्रयोगों के जरिए तथाकथित चमत्कारों के पीछे छिपे वैज्ञानिक रहस्यों को उजागर किया गया। इस प्रदर्शन का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों और आमजन के बीच व्याप्त अंधविश्वासों को खत्म कर वैज्ञानिक दृष्टिकोण और तार्किक सोच विकसित करना रहा। इसी कड़ी में आयोजित सर सी. वी. रमन स्मृति व्याख्यान में आईसर, भोपाल की भौतिकी विशेषज्ञ प्रो.

स्निग्धा ठाकुर ने 'एक्टिव मैटरः व्हेन पार्टिकल्स कम अलाइव' विषय पर जानकारी साझा की। उन्होंने सूक्ष्म कणों के सामूहिक व्यवहार और समकालीन भौतिकी में हो रहे नए शोधों को सरल उदाहरणों से समझाया, जो विद्यार्थियों और शिक्षकों के लिए अत्यंत प्रेरणादायक रहा। परियोजना समन्वयक साकेत सिंह कौरव ने बताया कि इस उत्सव में नई पीढ़ी में नवाचार और जिज्ञासा की भावना को सुदृढ़ किया जा रहा है।

एक्सीलेंस कॉलेज के वार्षिकोत्सव का शानदार आगाज

'तरंग' में बिखरे भारतीय विरासत के रंग

जागरण, भोपाल। उच्च शिक्षा उत्कृष्टता संस्थान में बुधवार से चार दिवसीय वार्षिकोत्सव 'तरंग' का रंगारंग शुभारंभ हुआ। उत्सव के पहले दिन छात्राओं ने पुष्प सच्जा, रंगोली, मेहंदी और मास्क मेकिंग जैसी प्रतियोगिताओं के जरिए भारतीय संस्कृति और रचनात्मकता का अनूठा प्रदर्शन किया। 'पुष्प उत्सव' थीम पर आधारित पुष्प सच्जा में आर्शी खान और रौनक कुशवाहा ने प्रथम स्थान प्राप्त किया, वहीं 'अतुल्य भारत' थीम पर सजी रंगोली प्रतियोगिता में साक्षी कटियार ने अपनी कला का लोहा मनवाया। कैंपस में आयोजित मेहंदी प्रतियोगिता 'रंगरीति' में फिजा अंसारी और वैशाली चलचोलिया ने पारंपरिक व अरेबिक शैली में बाजी मारी। इसके साथ ही 'रंगयात्रा' वॉल पेंटिंग और 'लोक रंग आंगन' स्टॉल प्रतियोगिता ने उत्सव के उत्साह को दोगुना कर दिया। संस्थान के इस वार्षिकोत्सव का उद्देश्य छात्रों की छिपी प्रतिभा को मंच प्रदान करना है। आने वाले दिनों में शॉर्ट फिल्म मेकिंग, नाटक, रैम्प वॉक और गायन जैसी बड़ी प्रस्तुतियां आकर्षण का केंद्र रहेंगी, जिसका समापन सांस्कृतिक गतिविधियों की भव्यता के साथ होगा।

संस्थापक ▸ गुरुदेव गुप्त

संपादकीय

सबसे सुरक्षित सफर अब जोखिम भरा क्यों?

विमान हादसों और तकनीकी खामियों का बढ़ता सिलसिला चिंताजनक है। सुरक्षा में कोताही और मशीनी खराबी हवाई सफर को जोखिम भरा बना रही है। हाल ही में झारखंड में चतरा जिले के कर्माटाड जंगल में सोमवार शाम एक चार्टर्ड एअर एंबुलेंस के हादसे का शिकार होने और उसमें सभी सात लोगों की मौत ने एक बार फिर इस सवाल को गहरा किया है कि क्या दिनोंदिन विमान सेवाएं असुरक्षित होती जा रही हैं।

गौरतलब है कि एक मरीज और उनके परिजनों को दिल्ली ले जा रही एअर एंबुलेंस मौसम खराब होने की वजह से मार्ग बदलने की कोशिश कर रही थी। मगर थोड़ी देर बाद यह विमान रडार से गायब हो गया और कुछ समय बाद उसका मलबा घने जंगल में मिला। यह हादसा पिछले कुछ समय से लगातार सामने आ रही वैसी घटनाओं की एक कड़ी है, जिनसे विमान यात्रा के पूरी तरह सुरक्षित होने की धारणा कमजोर होती है। झारखंड में हुए हादसे के अगले ही दिन मंगलवार को दिल्ली से लेह जा रही स्पाइसजेट की एक उड़ान को अचानक आई तकनीकी खराबी के कारण वापस उतारना पड़ा।

इसके अलावा, सरकारी कंपनी पवन हंस के एक हेलिकाप्टर को अंडमान क्षेत्र में उड़ान के दौरान तकनीकी कारणों से समुद्र में आपात अवस्था में उतारना पड़ा। गनीमत रही कि इसमें सवार सभी सात लोगों को बचा लिया गया। दो दिन के भीतर होने वाली ये घटनाएं बताती हैं कि हाल के वर्षों में यात्रा के एक बेहतर विकल्प के रूप में उभर रही विमान सेवा अब कई स्तर पर जोखिम से गुजर रही है। जबकि विमान यात्रा को कहीं आने-जाने का सबसे सुरक्षित जरिया माना जाता रहा है। आखिर क्या वजह है कि पिछले कुछ समय से लगातार विमानों के हादसे का शिकार होने से लेकर उड़ान के बाद तकनीकी खराबी के कारण वापस उतारने की घटनाओं में बढ़ोतरी हो रही है? विमान सेवाओं के मामले में एक आम स्थिति यह है कि समय-समय पर तकनीकी स्तर पर हर पहलू से उच्च स्तरीय जांच होती है और हर कसौटी पर खरा उतरने के बाद ही उसे उड़ान के लिए तैयार माना जाता है।

हर उड़ान के पहले सुरक्षा जांच की एक सघन प्रक्रिया पूरी की जाती है, ताकि बीच रास्ते में कोई अड़चन न आए। मगर हाल के समय में कई विमानों की उड़ान के बाद रास्ते में तकनीकी खराबी का पता चलने पर वापस उतारने की घटनाएं यह बताती हैं कि या तो तकनीकी स्तर पर उसमें कोई खराबी थी या फिर सुरक्षा जांच में किसी स्तर पर कमी की गई। इसी महीने के शुरू में सरकार ने लोकसभा में बताया था कि भारतीय विमान सेवा के जिन विमानों की तकनीकी जांच हुई, उनमें से लगभग आधे में बार-बार खराबी पाई गई।

इस क्रम में पिछले वर्ष जनवरी से छह बड़ी एअरलाइंस के 754 विमानों का विश्लेषण किया गया, जिनमें से 377 में बार-बार खामी आने की बात सामने आई। सवाल है कि इन विमानों में जो गड़बड़ियां पाई गईं, वे कितनी संवेदनशील थीं और उनसे पैदा होने वाले जोखिम का स्तर क्या था। अगर किसी तकनीकी खामी को नजरअंदाज करके या उसे सुरक्षा से संबंधित नहीं मान कर उड़ान की इजाजत दी जाती है, तो अक्सर ऐसी घटनाएं क्यों सामने आ रही हैं कि किसी तकनीकी खराबी की वजह से विमान को बीच सफर से आपात स्थिति में वापस उतारा गया?

विमान यात्रा को सबसे सुरक्षित जरूर माना जाता है, लेकिन इसकी सुरक्षा से जुड़े हर पहलू बेहद संवेदनशील भी होते हैं। इसमें किसी भी स्तर पर अनदेखी, कोताही या खराबी की आशंका के बावजूद उड़ान की इजाजत देने के गंभीर और त्रासद नतीजे सामने आ सकते हैं।

प्रसंगवश

आतंकवाद की स्पष्ट परिभाषा बताना जरूरी

भारत आतंकवाद से छिला, जख्मी और असमय मौतों का देश है, लिहाजा आतंकवाद रोधी राष्ट्रीय नीति का स्वागत है। हम 1980 के दशक से बहुस्तरीय, बहुचेहरी आतंकवाद झेलते आए हैं। उसमें पाकपरस्त इस्लामी, जेहादी आतंकवाद है और पूर्वोत्तर के उग्रवाद भी हैं। खालिस्तानी आतंकवाद का सफाया हो चुका है। उसके बचे-खुचे पाकिस्तान, कनाडा, अमरीका, जर्मनी आदि देशों में हैं और वे भारत-विरोधी प्रदर्शन करते रहते हैं। देश में नक्सली आतंकवाद ने भी असंख्य लाशें बिछाई हैं। आतंकवाद ने 40-50 हजार जिंदगियां छीनी हैं। दूसरा आंकड़ा 70-80 हजार का है। जो भी हो, ये आंकड़े बेहद भयानक और खौफजदा हैं। यह हमारी सेना, अर्द्धसैन्य बलों और स्थानीय पुलिस की रणनीति का ही कमाल है कि आज भारत में इस्लामी अलगाववाद के अवशेष भी नहीं हैं। जो आतंकी हमले हाल ही में किए गए हैं, वे पाकिस्तानी आतंकियों ने किए हैं। अब जिन साजिशों के सुराग मिल रहे हैं और संदिग्ध आतंकियों की धरपकड़ की जा रही है, वे भी पाकिस्तान के लश्कर-ए-तैयबा और जैश-ए-मुहम्मद सरीखे आतंकी संगठनों के कथित 'जेहादी' हैं। आज पंजाब और पूर्वोत्तर में आतंकवाद नहीं है, कुछ स्थानीय जातीय हिंसक विवाद जरूर हैं, लेकिन आतंकवाद के हत्यारे खतरे जरूर मंडरा रहे हैं, लिहाजा प्रधानमंत्री मोदी प्रत्येक वैश्विक मंच पर आतंकवाद का जिक्र करते हैं और देशों के साथ समझौते करते हैं कि आतंकवाद एक साझा लड़ाई है। मानवता के लिए साझा खतरा है, आओ मिल कर आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई लड़ें।

बहरहाल इस संदर्भ में भारत सरकार के गृह मंत्रालय ने देश की सर्वप्रथम आतंकवाद-रोधी राष्ट्रीय नीति की घोषणा की है। नाम दिया गया है-'प्रहार।' अर्थात् प्रिवेंशन, रिस्पांस एंड हेल्थिंग अप्रोच टू एंटी टेररिज्म। पहली बार डिजिटल खतरे को भी 'आतंकवाद' माना गया है। इन खतरों में भारत को निशाना बनाते हुए किए गए साइबर हमले, आपराधिक हैकिंग, डार्क वेब, क्रिप्टो वॉलेट आदि नई तकनीकों के जरिए किए जाने वाले आतंकी वित्तपोषण भी शामिल हैं। इनसे निपटने की रणनीति बनाई जा रही है। 'प्रहार' में साफ किया गया है कि भारत आतंकवाद को किसी विशेष संप्रदाय, जातीयता, राष्ट्रीयता अथवा सभ्यता से नहीं जोड़ता। इसका बुनियादी मकसद आतंकवाद के खिलाफ 'जीरो टॉलरेंस' की नीति को अधिक प्रभावी ढंग से लागू करना है। दरअसल ये शब्द सरकार की तरफ से असंख्य बार बोले जा चुके हैं। खासतौर पर आतंकी हमले के बाद ऐसे वक्तव्य सामने आते रहे हैं। बुनियादी और मौजू सवाल, 'प्रहार' की घोषणा के बावजूद, यह है कि आतंकवाद की परिभाषा क्या है? संयुक्त राष्ट्र भी आज तक यह परिभाषा स्पष्ट नहीं कर सका है। यदि भारत सरकार ने आतंकवाद के खिलाफ राष्ट्रीय नीति की घोषणा की है, तो आतंकवाद की परिभाषा भी स्पष्टतः बतानी चाहिए, क्योंकि देश को एक निश्चित 'सुरक्षा सिद्धांत' की जरूरत है। परिभाषा के अभाव में 'प्रहार' महज एक नीतिगत वक्तव्य से अधिक कुछ नहीं लगता। सवाल राष्ट्रीय नीति और उसकी स्वीकार्यता का है। देशवासी जानना चाहेंगे कि आतंकवाद का खतरा बाहर और भीतर से कितना है और सरकारी एजेंसियां किस तरह इन खतरों से निपट रही हैं?

एआई नवाचार

हम डिजिटल उपनिवेशीकरण के मूक दर्शक नहीं बने रह सकते

एआई के लिए सही नियमों की जरूरत

डा. अश्विनी महाजन

रोजगार एआई का एक बड़ा शिकार है, और सभी क्षेत्रों में नौकरियों का सफाया एक सच्चाई बन चुकी है। मीडिया, मनोरंजन, कॉल सेंटर और यहां तक कि सॉफ्टवेयर क्षेत्र भी एआई का असर झेलने लगा है। बड़ी फैक्ट्रियां एआई समर्थित कंप्यूटर प्रोग्रामों की मदद से सामान बनाती हैं, जिससे भारी बेरोजगारी हो रही है।

हाल ही दिल्ली में एआई इम्पैक्ट सम्मेलन संपन्न हुआ, जिसमें कई देशों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। पूरी दुनिया एआई के असर से हिल गई है। इस मुद्दे पर बहुत मंथन हो रहा है, क्योंकि एक तरफ एआई जिंदगी को आसान बना रहा है, फैसले लेने की रफ्तार तेज कर रहा है, बिजनेस विश्लेषण को ज्यादा सटीक बना रहा है, मेडिकल डायग्नोसिस को बेहतर और किफायती बना रहा है, ज्यादा डिजिटल उत्पाद बनाना मुमकिन बना रहा है, एक नई इकॉनमी को बढ़ावा दे रहा है, जिसे आम तौर पर 'ऑरेंज इकॉनमी' कहा जाता है, वहीं हमारी आबादी पर भारी बेरोजगारी का खतरा मंडरा रहा है, जो पहले से ही हमारे युवाओं के लिए रोजगार के मौकों की कमी से जूझ रही है। जबकि, भारत आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से चलने वाले औद्योगिक क्रांति जैसे प्रौद्योगिकीय बदलाव को नजरअंदाज नहीं कर सकता, लेकिन एआई टूल्स और इंफ्रास्ट्रक्चर कुछ बड़ी कंपनियों के पास होने के साथ, डेटा, जो इन एआई बड़ी कंपनियों को मजबूत बना रहा है, वह सब हमारे जैसे विकासशील देशों से मिल रहा है। ऐसे में हम डिजिटल उपनिवेशीकरण के मूक दर्शक बने नहीं रह सकते। हालांकि एआई टूल्स और इंफ्रास्ट्रक्चर पर बड़ी टेक्नोलॉजी कंपनियों का नियंत्रण बना हुआ है, भारत ने डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर (डीपीआई) के निर्माण और बड़े पैमाने पर पहचान-प्रमाणीकरण में एआई/डेटा तकनीकों के उपयोग में विश्व स्तर पर अग्रणी भूमिका निभाई है। जैम ट्रिनिटी, यानी जन धन बैंक अकाउंट, आधार और मोबाइल बैंकिंग की मदद से, सरकार कल्याणकारी योजनाओं, जैसे डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर (डीबीटी), गरीबों के लिए घर और कई दूसरी योजनाओं को बनाने और लागू करने में मदद कर रही है, और भ्रष्टाचार को लगभग खत्म करने और सर्विस डिलीवरी को बेहतर बनाने में सफल रही है। हमें नए कानून भी मिले हैं, जैसे विकसित भारत- गारंटी फॉर रोजगार एंड अजीविका मिशन (ग्रामीण), विकसित भारत-जी राम जी एक्ट 2025, जो एआई इंटीग्रेटेड टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल करके सरकारी योजना में भ्रष्टाचार कम करने में मदद कर रहे हैं। अस्पतालों में एआई एक्सरे, स्कैन और रिपोर्ट के

विश्लेषण में तेजी से मदद कर रहा है। जानलेवा बीमारियों का जल्दी पता लगाना और उनका अनुमान लगाना भी एआई की वजह से मुमकिन हुआ है। हम एआई समर्थित ऐप्स का इस्तेमाल करके अपनी रोजाना की शारीरिक गतिविधि को चला सकते हैं, जिसमें चलना, रक्तचाप और डायबिटीज की निगरानी वगैरह शामिल हैं।

बेरोजगारी और असमानता

रोजगार एआई का एक बड़ा शिकार है, और सभी क्षेत्रों में नौकरियों का सफाया एक सच्चाई बन चुकी है। मीडिया, मनोरंजन, कॉल सेंटर और यहां तक कि सॉफ्टवेयर क्षेत्र भी एआई का असर झेलने लगा है। बड़ी फैक्ट्रियां एआई समर्थित कंप्यूटर प्रोग्रामों की मदद से सामान बनाती हैं, जिससे भारी बेरोजगारी हो रही है। एआई ने लोगों या बिजनेस का काम करने वाले निजी सहायक की भी जगह लेना शुरू कर दिया है। इससे समाज में यह डर पैदा हो रहा है कि भविष्य में और भी बड़ी नौकरियां जा सकती हैं। भारत सरकार द्वारा जारी आर्थिक सर्वेक्षण 2025-26 में बताया गया है कि भारत के आकार और प्रति व्यक्ति आय उसके मुकाबले कम होने की वजह से, भारतीय श्रम बाजार में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) का असर ज्यादा होगा। इसमें चेतावनी दी गई है कि कंपनियों द्वारा एआई को बिना सोचे-समझे अपनाने से सभी की हालत खराब हो जाएगी और देश की ग्रोथ क्षमता को नुकसान होगा। सर्वेक्षण में कहा गया है, 'सरकार को श्रम के उपयोग को टेक्नोलॉजी से बदलने से होने वाले मुनाफे पर टैक्स लगाना होगा।' ताकि एआई से उत्पादकता बढ़े और ज्यादा से ज्यादा फैले। इसलिए, नई टेक्नोलॉजी को बिना सोचे-समझे नहीं अपनाना चाहिए।

इस स्थिति में एआई का इस्तेमाल सबसे जिम्मेदार तरीके से करने और एआई के लिए सही विनियमन करने की जरूरत है। चूंकि स्वामित्व की दृष्टि से एआई पर अमरीका और चीन का दबदबा है, इसलिए ज्यादातर उपयोगकर्ता तो भारत समेत विकासशील देश हैं, साथ ही वे इन एआई प्लेटफॉर्म द्वारा इस्तेमाल किए जा रहे डेटा का स्रोत भी हैं। हमारे जैसे देश, विदेशी मालिकाना हक वाले एआई प्लेटफॉर्म पर निर्भर बने हुए हैं।

हम पॉलिसी बनाने में बड़ी टेक कंपनियों का बेजा असर भी देखते हैं। लेकिन एआई की अहमियत को देखते हुए, इसे रोका नहीं जा सकता या रोका नहीं जाना चाहिए, लेकिन इसके विनियमन की अहमियत को नकारा नहीं जा सकता। हमें इस टेक्नोलॉजी को समझदारी से बढ़ावा देने की जरूरत है। एक तरफ एआई मौजूदा नौकरियों में बेरोजगारी पैदा कर सकता है, वहीं इसके फायदे और बोझ भी बराबर नहीं बंटते। एआई मौजूदा गैर-बराबरी को भी बढ़ा सकता है, अमीर और गरीब, कुशल और अकुशल, बड़ी कंपनियां और छोटे खिलाड़ी, और विकसित एवं विकासशील देशों के बीच, और नई गैर-बराबरी भी पैदा कर सकता है।

किसे हो रहा है फायदा

गूगल और दूसरी बड़ी टेक्नोलॉजी कंपनियां, जो ज्यादातर अमरीका और चीन की हैं, एआई के लिए जरूरी ज्यादातर डेटा को नियंत्रित करती हैं। ओपनएआई के पीछे, जिसके पास चैटजीपीटी, जीपीटी मॉडल जैसे प्लेटफॉर्म हैं, डाल -ई माइक्रोसॉफ्ट का है। जेमिनी (पहले बार्ड) का मालिकाना हक गूगल के पास है, माइक्रोसॉफ्ट के पास कॉपीलॉट, अजुरे एआई है, जो ओपेनएआई के साथ साझेदारी में है। मेटा (फेसबुक) के पास लामा (ओपन-वेट मॉडल), सोशल मीडिया और एडवरटाइजिंग के लिए एआई है। आमेजन के पास एडबल्यूएस, बेडरॉक, एंथ्रोपिक पार्टनरशिप का मालिकाना हक है। चीन के बैडू के पास अर्नी बॉट जैसे प्लेटफॉर्म हैं। कई और बड़े प्लेटफॉर्म हैं जिनके मालिकाना हक फिर से अमरीका और चीन की बड़ी कंपनियों के पास हैं। ऐसी स्थिति छोटे प्लेयर्स के लिए एंट्री में बड़ी रुकावटें पैदा करती है।

नीति निर्माताओं के सामने चुनौती यह है कि एआई कैसे समानता के साथ मानवता की सेवा कर सकता है। इसके लिए देश में एक मजबूत डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर (डीपीआई) की आवश्यकता है, जिसके माध्यम से आम लोगों के लिए, समानता के आधार पर एआई तकनीकों का विकास और उपयोग सुगम बनाया जा सके। डेटा के निर्बाध प्रवाह को सुगम बनाने के लिए, हाई-स्पीड इंटरनेट कनेक्टिविटी, एआई विकास की पहली पूर्व शर्त है। अच्छी खबर यह है कि संचार क्रांति के कारण, भारत के पास दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा मोबाइल नेटवर्क है। स्वदेशी 4-जी नेटवर्क लगभग पूरे देश में विस्तारित किया गया है और देश ने अपना स्वदेशी 5-जीआई नेटवर्क भी विकसित कर लिया है। भारत को सबसे सस्ते डेटा की भूमि होने का गौरव भी प्राप्त है।

खुला मंच

महाभारत से नये भारत तक के श्वान

आलोक पुराणिक

हमें प्यार करने के लिए भी एक ऐसा प्राणी चाहिए, जिसकी बैटरी खत्म हो जाए तो हम उसे प्लग में लगा दें। महाभारत में युधिष्ठिर के कुत्ते का जिक्र आता है। यह कुत्ता परम वफादार कुत्ता था और युधिष्ठिर ने उसके बिना स्वर्ग में दाखिल होने से इनकार कर दिया था। युधिष्ठिर के कुत्ते की प्रसिद्धि अब तक है। विकट प्रसिद्धि एक कुत्ते को भी मिली, हाल में दिल्ली में आयोजित आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस सम्मेलन में। रोबोट टाइप यह कुत्ता बहुत चर्चित हुआ, इसके मूल पर सवाल हुआ कि यह चीन का है या देसी है। कुत्तों का विभाजन इस आधार पर होता रहा है कि वह बुलडॉग है या शेपर्ड है। पर एआई कुत्ता, चाईनीज कुत्ता, इस तरह के विभाजन अब सामने आ रहे हैं।

कुत्तों की किस्मत का पहिया निश्चित रूप से गोल घूम चुका है। इतिहास गवाह है कि जब पांडव स्वर्ग की चढ़ाई चढ़ रहे थे, तो एक-एक करके सब साथ छोड़ गए। बचा तो सिर्फ एक कुत्ता। वह कुत्ता, जो युधिष्ठिर के साथ स्वर्ग के दरवाजे तक गया। जब इंद्र ने कहा कि 'महाराज, आप तो आ जाइए, पर इस पूंछ हिलाते प्राणी को बाहर छोड़िए', तब युधिष्ठिर अड़ गये कि कुत्ते के साथ ही जाऊंगा। पुराना वक्त था, इंसान कुत्ते के प्रति भी वफादारी निभाता था।

आजकल तो कुत्तों की नस्ल से इंसान की औकात नापी जाती है। कुत्तों की कीमत से उनके मालिकों की हैसियत का आकलन होता है। युधिष्ठिर के कुत्ते की परीक्षा स्वर्ग के द्वार पर हुई थी। आज का एआई कुत्ता हमारी 'इंटेलिजेंस' की परीक्षा ले रहा है। जो कुत्ता पहले रोटी के टुकड़े के लिए पूंछ हिलाता था, वह अब 'प्रोसेसर' की गर्मी से पूंछ हिला रहा है। पुराना कुत्ता अटेंशन चाहता था एआई कुत्ते की ऐसी कोई जरूरत नहीं है, न वह भाव लेता न भाव देता। राजनीति के चश्मे से देखें, तो 'कुत्ता' शब्द एक गाली भी है और एक अलंकार भी। जब कोई नेता अपनी पार्टी बदलता है, तो लोग उसे 'वफादार' नहीं कहते, बल्कि दूसरे शब्दों का इस्तेमाल करते हैं। आजकल की राजनीति में अब 'श्वान-नीति' भी आ गई है। युधिष्ठिर का कुत्ता धर्म का प्रतीक था, और आज के 'सिस्टम' का कुत्ता वह है जो सत्ता की थाली के पास बैठा रहता है।

हमें कुत्ता चाहिए, पर उसकी गंदगी नहीं चाहिए। हमें वफादारी चाहिए, पर उसकी जिम्मेदारी नहीं चाहिए। इसीलिए हमने एआई कुत्ता बनाया। युधिष्ठिर का कुत्ता इसलिए महान था क्योंकि वह 'मौन' रहकर भी सत्य के साथ खड़ा था। तारीफ की बात तो यह है कि कुत्ता तो कुत्ता ही रहा, इंसान बदल गया।

पर्यावरण नीति

कानून बनाने की हिम्मत तो है, मगर उन्हें लागू करने का साहस नहीं

अंतरराष्ट्रीय दबाव में लिए जा रहे पर्यावरणीय फैसले

कुमार सिद्धार्थ

आज की दुनिया ऐसे मोड़ पर खड़ी है, जहाँ जलवायु संकट मानव सभ्यता के भविष्य को तय करने वाला बड़ा प्रश्न बन चुका है। वैज्ञानिक लगातार चेतावनी दे रहे हैं कि यदि कोयला, तेल और गैस पर हमारी निर्भरता जल्द कम नहीं हुई तो धरती का तापमान ऐसे स्तर तक पहुँच जाएगा, जहाँ जीवन की वर्तमान संरचनाएँ टिक नहीं पाएँगी। इसके बावजूद वैश्विक राजनीति और अर्थव्यवस्था का एक बड़ा हिस्सा आज भी जीवाश्म ईंधनों के इर्द-गिर्द घूम रहा है। इस पूरी व्यवस्था की भयावह बात यह है कि जब कोई सरकार पर्यावरण और जनता के हित में कदम उठाने की कोशिश करती है, तो उसे 'न्याय' के नाम पर दंडित किया जाता है।

पिछले कुछ दशकों में अंतरराष्ट्रीय व्यापार और निवेश समझौतों के ज़रिये एक ऐसा कानूनी ढांचा खड़ा किया गया है, जिसमें बहुराष्ट्रीय कंपनियाँ सरकारों पर मुकदमा कर सकती हैं। इसे 'निवेशक-राज्य विवाद निपटान प्रणाली' (आईएसडीएस) कहा जाता है। इसके तहत यदि कोई सरकार पर्यावरण, स्वास्थ्य या सामाजिक हित में ऐसा निर्णय लेती है, जिससे किसी कंपनी के मुनाफे पर असर पड़ता है, तो वह कंपनी सरकार से न केवल अपने निवेश की भरपाई, बल्कि 'संभावित भविष्य के मुनाफे' का भी दावा कर सकती है। ये मुकदमे सामान्य अदालतों में नहीं, बल्कि गुप्त ट्रिब्यूनलों में चलते हैं, जहाँ न पारदर्शिता होती है, न जनता की भागीदारी और न ही लोकतांत्रिक जवाबदेही।

यह व्यवस्था अपने आप में लोकतंत्र के लिए एक गहरा खतरा है। सरकारें जनता द्वारा चुनी जाती हैं, ताकि वे जनता और पर्यावरण के हित में फैसले लें। लेकिन आईएसडीएस जैसे प्रावधानों के कारण वही सरकारें कंपनियों के डर से पीछे हटने लगती हैं। आईएसडीएस की मार सबसे पहले उन देशों पर पड़ी है, जिन्होंने पर्यावरण और जनता के हित में साहसिक फैसले लिए। जर्मनी ने जब परमाणु ऊर्जा से बाहर निकलने का निर्णय किया तो ऊर्जा कंपनी वाटनफॉल ने उस पर अरबों यूरो का दावा ठोक दिया। पाकिस्तान ने एक खनन परियोजना को पर्यावरणीय कारणों से रोका तो उस पर छह अरब डॉलर से अधिक का जुर्माना लगाया गया, जो उसके पूरे शिक्षा और स्वास्थ्य बजट से भी ज़्यादा था। स्लोवेनिया में एक ब्रिटिश कंपनी को केवल यह कहने पर कि फ्रैकिंग से पहले पर्यावरणीय प्रभाव का आकलन ज़रूरी है, सरकार पर 120 मिलियन यूरो का मुकदमा कर दिया गया और अंततः सरकार को झुकना पड़ा। कोलंबिया में आदिवासी समुदायों के संघर्ष से एक कोयला खदान परियोजना रुकी, लेकिन कंपनियों ने ब्रिटेन-कोलंबिया संधि के तहत सरकार से मुआवज़ा वसूल लिया।

इन उदाहरणों का खतरनाक असर यह है कि सरकारें पर्यावरण बचाने से पहले अब यह सोचने लगती हैं कि कहीं उन्हें अंतरराष्ट्रीय अदालतों में अरबों डॉलर का हर्जाना न भरना पड़ जाए। इसे 'रेगुलेटरी चिल' कहा जाता है, यानी कानून बनाने की हिम्मत तो रहती है, मगर उन्हें लागू करने का साहस नहीं बचता। नोबेल पुरस्कार विजेता अर्थशास्त्री जोसेफ स्टिग्लिट्ज़ ने इस व्यवस्था को 'कानूनी आतंकवाद' निरूपित किया है, क्योंकि यह सरकारों को डराकर लोकतांत्रिक फैसलों को पलटने का हथियार बन चुकी है।

अब सवाल यह है कि भारत इस पूरी तस्वीर में कहाँ खड़ा है? क्या हम खुद को इस खतरे से सुरक्षित मान सकते हैं? शायद नहीं। भारत आज तेज़ी से वैश्विक पूंजी और निवेश के रास्ते पर आगे बढ़ रहा है। कोयला खनन, तटीय औद्योगिक परियोजनाएँ, परमाणु संयंत्र, बड़े बाँध, तेल और गैस की खोज ये सभी क्षेत्र पहले से ही पर्यावरण और स्थानीय समुदायों के अधिकारों को लेकर विवादों में घिरे हुए हैं। यदि भविष्य में भारत ऐसे निवेश समझौतों का हिस्सा बनता है, जिनमें आईएसडीएस जैसे प्रावधान होंगे, तो हमारी सरकारों पर भी वही दबाव आएगा, जो आज कई अन्य देशों पर है।

भारत में पर्यावरणीय मंजूरी की प्रक्रियाओं को 'विकास में बाधा' बताकर कमजोर किया जा रहा है। कई बार परियोजनाओं को तेजी से मंजूरी देने के लिए नियमों में ढील दी जाती है, जनसुनवाई को औपचारिकता बना दिया जाता है और स्थानीय लोगों की आपत्तियों को अनदेखा कर दिया जाता है। यदि इसके ऊपर अंतरराष्ट्रीय मुकदमों का डर भी जुड़ गया, तो पर्यावरण संरक्षण लगभग असंभव हो जाएगा। तब सरकारें जनता और प्रकृति के नहीं, बल्कि निवेशकों और कंपनियों के प्रति जवाबदेह होंगी।

भारत जैसे देश के लिए यह विशेष रूप से खतरनाक है, क्योंकि यहाँ विकास की कीमत पहले गरीब, आदिवासी और हाशिए पर पड़े समुदाय चुकाते हैं। जंगलों से विस्थापन, खनन से प्रदूषण, नदियों के सूखने और ज़मीन के बंजर होने से उनकी आजीविका छिन जाती है।

यदि सरकारें अंतरराष्ट्रीय दबाव में आकर पर्यावरणीय फैसलों से पीछे हटने लगेंगी, तो इन समुदायों के अधिकार पूरी तरह कुचल दिए जाएँगे।

एक तरफ़ कहा जाता है कि दुनिया को जलवायु संकट से बचाना है, दूसरी तरफ़ उन कंपनियों को कानूनी और राजनीतिक संरक्षण दिया जाता है जिनका अस्तित्व ही इस संकट को गहराने पर टिका है।

भारत को इस पूरे परिदृश्य से गंभीर सबक लेना चाहिए। हमें ऐसे किसी भी अंतरराष्ट्रीय समझौते से सावधान रहना होगा जो हमारी लोकतांत्रिक संप्रभुता और पर्यावरण संरक्षण की क्षमता को कमजोर करता हो।

भारत को अंतरराष्ट्रीय मंचों पर यह संदेश देना चाहिए कि जलवायु कार्रवाई को 'निवेशकों के अधिकार' के नाम पर कुचला नहीं जा सकता। पर्यावरण रक्षा कोई आर्थिक बाधा नहीं, बल्कि मानव सभ्यता के अस्तित्व का प्रश्न है। यदि सरकारें डर और दबाव में आकर सही फैसले नहीं ले पाएँगी, तो लोकतंत्र केवल एक खोखला ढांचा बनकर रह जाएगा। भारत जैसे देशों के लिए यह समय चेतने का है। विकास का अर्थ केवल जीडीपी बढ़ाना नहीं, बल्कि जीवन, पर्यावरण और लोकतंत्र की रक्षा करना भी है।

जीवन दर्शन

मन के खालीपन को आध्यात्मिकता से भरें

अकई बार ऐसा होता है कि इंसान के पास सबकुछ होता है लेकिन फिर भी उनके जीवन में खालीपन होता है। खालीपन के कारण व्यक्ति न केवल नकारात्मक विचारों में उलझे रहते हैं, बल्कि उनके अन्दर

यह खाली या सूनापन फिर ना तो रिश्ते भर पाते हैं ना ही भौतिक सुख। यह अनुभव केवल भौतिक कमी से नहीं, बल्कि आध्यात्मिक असंतुलन से जुड़ा होता है।

जीवन का खालीपन कोई स्थायी स्थिति नहीं, बल्कि आत्मा का संकेत है कि उसे सच्चे मार्ग की तलाश है। जब हम आत्मा और परमात्मा के संबंध को समझते हैं, तो अंदर का खालीपन धीरे-धीरे भरने लगता है। जब हम इस संसार के भौतिक सुखों में उलझे होते हैं, तो हमें लगता है कि इस संसार में हमारे लिए बहुत कुछ होता है। लेकिन कई बार ऐसा भी होता है कि सबकुछ होते हुए भी हमारे अन्दर खालीपन होता है। ऐसे में कुछ लोग नकारात्मक विचारधारा के शिकार हो जाते हैं। आध्यात्मिक गुरुओं का मानना है कि अगर इस खालीपन को सकारात्मक दिशा दी जाए, तो आपके भीतर शून्यता को बाहर निकालकर उसमें आध्यात्मिक रोशनी भरी जा सकती है।

हम अक्सर रिश्तों, काम, धन और मोह में उलझे रहते हैं और अपने आत्मा के पोषण पर ध्यान नहीं देते। ऐसी स्थिति में लोग अपने भीतर के ईश्वर से जुड़ाव को भूल जाते हैं। यह खालीपन तब तक बना रहता है जब तक हम अपने जीवन को किसी उच्च उद्देश्य से नहीं जोड़ते।

खालीपन को आध्यात्मिक दिशा कैसे दें? जिंदगी में खालीपन महसूस होना कोई दुर्लभ बात नहीं है। यह अस्थिर रिश्तों, मोह, स्वार्थ और बाहरी उम्मीदों का परिणाम है। लेकिन जीवन का खालीपन कोई स्थायी स्थिति नहीं, बल्कि आत्मा का संकेत है कि उसे सच्चे मार्ग की तलाश है। आध्यात्मिक गुरुओं के अनुसार, असली सुख भीतर है, बाहर नहीं। लोग अपने जीवन को केवल भौतिक उपलब्धियों से जोड़ते हैं लेकिन जब वे खुद को ईश्वर या गुरु से जुड़ते हैं, तो उन्हें समझ आता है कि असली पूर्णता भीतर है। भक्ति, ध्यान और सत्संग से आत्मा को पोषण मिलता है और जीवन में अर्थ आता है। अध्यात्म उन्हें जीवन का सच समझने में मदद करता है कि सभी रिश्ते, शरीर, धन और सुख सब अस्थायी हैं। मृत्यु के समय कोई भी हमारे साथ स्थायी रूप से नहीं रहेगा। इसलिए, केवल ईश्वर ही सच्चे रूप में अपना है क्योंकि वही जीवन का शाश्वत आधार है। जब हम बाहरी संबंधों और वस्तुओं में अपनापन ढूंढते हैं, तो हम भ्रम में रहते हैं। लेकिन जब हम आत्मा और परमात्मा के संबंध को समझते हैं, तो अंदर का खालीपन धीरे-धीरे भरने लगता है। गुरुओं के अनुसार, आत्म-विश्लेषण, सत्संग, नाम जप, भक्ति और मनन, इन सबका अभ्यास व्यक्ति को अपने भीतर की शून्यता से बाहर निकाल सकता है। जब हम अपने मन की भावनाओं को ईश्वर-भक्ति, आत्म-जागरूकता और सत्य के साथ संतुलित करते हैं, तब ही असली सुख और शांति मिलती है।

चंदा कुमारी

॥ गीता ज्ञान ॥

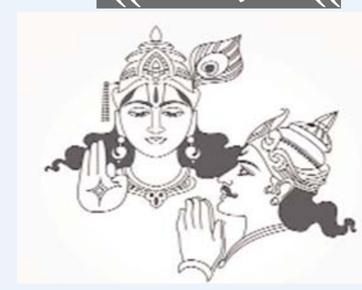

श्लोक

मन्मना भव मद्भक्तो मद्याजी मां नमस्कुरु।
मामेवैष्यसि युक्त्वैवमात्मानं मत्परायणः॥

भावार्थ

श्री कृष्ण कहते हैं- मुझे मन से स्मरण करो, मेरे भक्त बनो, मेरी पूजा करो और मुझे प्रणाम करो। इस प्रकार आत्मा को मुझमें समर्पित करके तुम निश्चित रूप से मुझमें ही आओगे।

आयकर अधिकारियों ने कारोबारियों को समझाई टैक्स की बारीकियां

नए एक्ट की जानकारी दी कहा-समय पर टैक्स जमा कर टेंशन मुक्त रहें

हिरदाराम नगर प्रतिनिधि। फरवरी माह लगभग समाप्ति पर है और वित्तीय वर्ष का अंतिम महीना मार्च दरवाजे पर दस्तक दे रहा है, ऐसे में जहां व्यापारी 31 मार्च तक शेष रह गए आयकर को भरने के लिए तैयारियों में जुट गए हैं, वहीं आयकर विभाग भी टैक्स की बारीकियों की व्यापारियों को जानकारी दे रहा है। वैसे इस तरह का सेमिनार लगभग हर साल होता है, जिसमें व्यापारियों को टैक्स की पैचीदगियों से अवगत कराया जाता है, लेकिन इस बार पिछले साल इनकम टैक्स 2025 लागू हुआ है, जिसकी जानकारी हर व्यापारी को नहीं है यही कारण है कि संत हिरदाराम एमबीए कॉलेज के सभागार में सेमिनार का आयोजन किया गया, जिसमें 1961, 1962 के बाद 2025 में लागू नए एक्ट तथा इसी साल 2026 में बनाए जाने वाले नियमों से अवगत कराने के लिए व्यापारियों को जमा किया गया था। इसमें जहां आयकर विभाग की तरफ से आयकर अधिकारी पी मनोज, बैतूल जिले के प्रभारी अधिकारी देवेंद्र गर्ग, विदिशा जिले के इंचार्ज नवल कुमार के अलावा आयकर निरीक्षक विरीज वादुरकर मौजूद थे। वहीं व्यापारियों की तरफ से कपड़ा एसोसियेशन के अध्यक्ष कन्हैयालाल इसरानी, पूर्व अध्यक्ष चंद्रप्रकाश इसरानी, वासुदेव वाधवानी, सर्राफा व्यापारी संघ के अध्यक्ष नरेश कुमार तोलानी, बर्तन व्यापारी संघ के अध्यक्ष रामचंद मूलचंदानी के अलावा प्रतिष्ठित कपड़ा, सर्राफा व बर्तन व्यापारी सुरेश संभानी, मीराज के संचालक जवाहर मूलचंदानी बाबूभाई, नारायणदास तोलानी, नरेन्द्र लालवानी, सुनील आसवानी, नरेश केवलरामानी, नारायणदास लालवानी, आसनदास वाधवानी, मनोहर वीधानी, प्रकाश दादलानी, रमेश जनयानी, आसनदा प्रियानी, दिलीप आसवानी सहित अनेक कारोबारी मौजूद थे।

सेमिनार में आयकर अधिकारियों ने व्यापारियों को नए आयकर एक्ट की बारीकियों से अवगत कराया।

रिकवरी से बचें

आयकर अधिकारी पी. मनोज ने कहा कि व्यापारी को रिकवरी से हमेशा बचना चाहिए, अगर आयकर विभाग से नोटिस आता है, उसे हलके में न लें, उसका तत्काल जवाब दें, अगर ऐसा नहीं हुआ तो आयकर विभाग सीधे बैंक अकाउंट अटैच कर वसूली कर लेता है। अक्सर सीए इसकी जानकारी व्यापारी को नहीं देते, सीएम तब जानकारी देता है, तब समय बीत चुका होता है। उन्होंने एडवासं टैक्स के आए आखरी समय की जानकारी देते हुए कहा कि सीए को बोलें कि एडवासं टैक्स जल्द से जल्द जमा कर दें। सीए अक्सर बोलता है रिटर्न फाइल करते समय सेल्फ असिसमेंट के समय कर देंगे, ऐसा न करें ऐसा किया जबकि कि 234सी और 234 बी के तहत व्यापारी को ब्याज देना होगा। उन्होंने बताया कि रूल के हिसाब से 15 जून, दिसंबर 15 या मार्च 15 तक, वह इसलिए ताकि 31 मार्च तक का इंतजार नहीं करना पड़े, इसलिए एडवासं टैक्स जमा कर देना चाहिए।

नए एक्ट की दी जानकारी: इसी तरह आायकर अधिकारी देवेंद्र गर्ग ने कारोबारियों को नए आयकर एक्ट से विस्तार से परिचित कराया और बताया कि इसका काफी कुछ सरलीकरण किया गया है, उन्होंने बताया कि जहां 1992 का एक्ट 1600 पेज का था, वहीं इसमें संशोधन कर अब इसे 700 पेज का किया गया है। उन्होंने बताया कि जैसे-जैसे कारोबार के तरीके बदले हैं, सरकार को आयकर का तरीका भी चैंज करना पड़ा है। अभी तो 2025 एक्ट बना है, इसके बाद इसे रूल में डाला जाएगा, तब यह पूर्ण होगा। उन्होंने पेलाल्टी, माफीनामा की भी विस्तार से जानकारी दी। इसके साथ ही सरकार को पैसा किस तरह से चाहिए, उस बावत भी बताया। इसके अलावा टीडीएस, रिवाइज रिटर्न की बारीकियों से भी व्यापारियों को परिचित करवाया।

सेमिनार में उपनगर के अनेक बर्तन व कपड़ा कारोबारी मौजूद थे, लेकिन एक घंटे से भी अधिक समय तक चले कार्यक्रम के दौरान नए एक्ट की जानकारी कम ही कारोबारियों को समझ में आई, वह इसलिए कि हर कारोबारी सीए पर निर्भर है, ऐसे में टैक्स की बारीकियां व्यापारियों के सिर के ऊपर से गुजर गई, ऐसा खुद अनेक कारोबारियों ने इस प्रतिनिधि से कहा।

बेटी के साथ माता-पिता ने खिताब किया अपने नाम

पूरा परिवार बना बेस्ट पावर-लिफ्टर ऑफ भोपाल

हिरदाराम नगर प्रतिनिधि। बेटी के साथ माता-पिता ने भी पावरलिफ्टिंग खिताब अपने नाम किया। बेटी बचपन से ही अपने माता-पिता के पदचिन्हों पर अग्रसर है। संत हिरदाराम नगर का एक परिवार ऐसा भी है, जिसमें पिता, माता एवं बेटी तीनों एक ही खेल में स्थानीय से लेकर नेशनल लेवल तक समय-समय पर कई खिताब अपने नाम कर चुके हैं, इस बार वे भोपाल के टापर बने हैं। नीलबड़ में भोपाल पावरलिफ्टिंग कॉरपोरेशन द्वारा भोपाल जिला पावरलिफ्टिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें भोपाल के लगभग 200 महिला एवं पुरुष खिलाड़ियों ने भाग लिया। प्रतियोगिता में भोपाल रेलवे में मेल ट्रेन मैनेजर के पद पर कार्यरत जितेंद्र आसनानी ने 482.5 किलोग्राम, उनकी पत्नी रेणु ने 285 किलोग्राम एवं उनकी 14 वर्षीय बेटी तनिषा ने 280 किलोग्राम वजन उठाकर बेस्ट पावर-लिफ्टर्स ऑफ भोपाल का खिताब अपने नाम किया। उल्लेखनीय है कि 14 वर्षीय तनिषा प्रदेश की सबसे छोटी वेटलिफ्टर भी हैं, उनका पूरा परिवार संतनगर स्थित आयरन क्रश जिम में इस खेल का अभ्यास करता है। इस परिवार को हुजूर के विधायक रामेश्वर शर्मा ने पुरस्कृत कर सम्मानित किया।

कल्याण सिंह अतिविशिष्ट कैंसर संस्थान
सी.जी. सिटी, सुल्तानपुर रोड, लखनऊ-226002
वेबसाईट: https://cancerinstitute.edu.in, ई-मेल: jdmm.sscih@gmail.com

जेम बिड सूचना

सूचित किया जाता है कि जेम बिड्स संदर्भ संख्या नं.0 निम्नवत् है-

Sr. No.	Name of Service	Bid No. & Date	Pre-bid Meeting Date & Time
1.	Operation And Maintenance of Fire Fighting System-Complete System	GEM/2026/B/7289402 Dated 25.02.2026	27.02.2026 15:00 P.M.

उपरोक्त बिड जेम पोर्टल पर अपलोड की गई है। सभी इच्छुक सेवाप्रदाताओं से निविदा की शर्तों के अनुसार जेम पोर्टल पर बिड आमंत्रित की जाती है। निदेशक, के.एस.एस.एस. सी.आई., लखनऊ बिना कोई कारण बताए किसी भी या सभी बिडो को किसी भी स्तर पर स्वीकार या अस्वीकार करने का अधिकार सुरक्षित रखते है।

निविदा दस्तावेज संस्थान की वेबसाइट www.cancerinstitute.edu.in पर उपलब्ध है।

Advt No:- KSSSCI/Tender-27/2025-26 निदेशक

-: जाहिर-सूचना :-

मेरे पक्षकार श्री मोहम्मद शारिक खान पुत्र मोहम्मद जफर के निर्देशानुसार सर्वसाधारण को यह सूचित किया जाता है की मेरे पक्षकार ने श्री रोनित सिंह थी नवकुश आयु व्यस्क निवासी मेमरा कला भोपाल म.प्र.से उनका एक किता कृषि जिसका खसरा क्रमांक 5/3/3/1/1/2 में 7200 स्कॉयर फिट का अंश भाग जो की ग्राम नेवरी हल्का सिंगारचोली, तहसील हुजुर जिला भोपाल (म.प्र.) में स्थित है के सम्बन्ध में विक्रय अनुबंध पत्र का निष्पादन करा लिया गया था एवं शीघ्र ही अनुबंधित भूमि का विक्रय पंजीयन निष्पादन मेरे पक्षकार के द्वारा करा लिया जायेगा अतः उपरोक्त भूमि के क्रय-विक्रय या हस्तांतरण में किसी व्यक्ति, बैंक, सरकारी एवं गैर सरकारी निकायों एवं फर्म, कम्पनी आदि को कोई स्वत्व, स्वामित्व, हिताधिकार हक निहित हो व अन्य किसी को कोई आपत्ती हो तो वह अपनी आपत्ती इस सूचना पत्र के प्रकाशन दिनांक से 15 दिवस के भीतर मेरे कार्यालय में मय दस्तावेज प्रस्तुत करें समय व्यतीत हो जाने पर मेरा पक्षकार उक्त कृषि भूमि का विक्रय पंजीयन निष्पादन अपने पक्ष में कराने को स्वतंत्र होगा जिसके उपरांत किसी प्रकार की कोई भी आपत्ति मान्य एवं

नारायण सिंह गुर्जर अधिवक्ता
The Law Firm Of N.S.G.
कार्या.-बी-65, एफ-14, तृतीय तल, गुरुनानक अपार्टमेंट, एनर्जी टॉवर कस्तुरबा नगर, चेतक ब्रिज के पास एम.पी.नगर भोपाल
मो. 8871004255,8770619703

सेना कमांडर ने सुदर्शन चक्र कोर की परिचालन तत्परता की समीक्षा की

आधारभूत संरचना आधुनिकीकरण का हुआ मूल्यांकन

हिरदाराम नगर प्रतिनिधि। लेफ्टिनेंट जनरल धीरज सेठ, पीवीएसएम, यूवाईएसएम, एवीएसएम, जनरल ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ, दक्षिणी कमान ने भोपाल प्रवास के दौरान सुदर्शन चक्र कोर की परिचालन एवं प्रशासनिक तैयारियों की व्यापक समीक्षा की। सेना कमांडर ने मिशन तत्परता, नई पीढ़ी के प्रशिक्षण उपक्रम, ड्रोन एवं एल्गोरिथ्मिक युद्ध क्षमताओं, विकसित हो रहे संगठनात्मक ढांचे, एआई-सक्षम बल संरचना तथा आधारभूत संरचना आधुनिकीकरण का मूल्यांकन किया। उन्हें भारतीय सेना के ईयर ऑफ नेटवर्किंग एंड डेटा सेंट्रिसिटी के अनुरूप तीव्र तकनीकी समावेशन की रूपरेखा से अवगत कराया गया, जो एक डिजिटल रूप से सशक्त एवं डेटा-केंद्रित युद्धक बल के निर्माण की दिशा में प्रगति को रेखांकित करता है।

ड्रोन वारफेयर का भी दौरा: उन्होंने सुदर्शन चक्र एडवांस्ड ड्रोन वारफेयर स्कूल का भी दौरा किया, जो भविष्य के युद्धक क्षेत्रों में विशेष प्रशिक्षण प्रदान करने वाला एक प्रमुख संस्थान है। उन्होंने परिचालन क्षमता को सुदृढ़ करने के लिए उभरती प्रौद्योगिकियों के समेकन के महत्व पर बल दिया तथा सभी रैंकों को गतिशील सुरक्षा परिवेश में सजग एवं मिशन-केंद्रित बने रहने के लिए प्रेरित किया। लेफ्टिनेंट जनरल धीरज सेठ ने दक्षिणी कमान के मिलिट्रीदूसिविल फ्यूजन नोड का भी निरीक्षण किया, जहां केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल के 50 कार्मिकों के लिए हवाई अड्डा सुरक्षा एवं आकस्मिक प्रतिक्रिया पर केंद्रित प्रशिक्षण कैप्सूल संचालित किया जा रहा है।

कार्यालय मुख्य खण्ड चिकित्सा अधिकारी विकासखण्ड नरसिंहगढ़ जिला राजगढ़ म.प्र.

क्रमांक / निविदा/2026 / 5186 राजगढ़, दिनांक 19-2-2026

निविदा सूचना

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी जिला राजगढ के अंतर्गत वित्तीय वर्ष 2026-27 एवं 2027-28 हेतु पंजीकृत फर्म के माध्यम से विकासखण्ड जीरापुर, सारंगपुर, ब्यावरा, खुजनेर, खिलचीपुर एवं नरसिंहगढ के सिविल अस्पताल/सामु.स्वा. केन्द्र / प्राथ. स्वा. केन्द्र एवं उप स्वा. केन्द्र के आंतरिक रोगियों एवं जननी शिशु सुरक्षा कार्यक्रम के अंतर्गत प्रसूताओं / माताओं एवं पोषण पुनर्वास केन्द्र में भर्ती शिशुओं एवं माताओं हेतु तथा संबंधित विकासखण्ड में विभिन्न राष्ट्रीय कार्यक्रम अंतर्गत प्रशिक्षण एवं कार्यशाला हेतु भोजन, चाय, नाश्ता हेतु ई-निविदाएं आमंत्रित की जाती है। ई-निविदा प्रपत्र एमपी ऑनलाईन के ई-पोर्टल की वेबसाईट https://mptender.gov.in पर उपलब्ध है।

निविदा प्रपत्र तथा नियम व शर्ते निविदा प्रपत्र में अंकित है। निविदा प्रपत्र का मूल्य रू. 1000/- (रू. एक हजार रूपये मात्र) का ई-भुगतान कर प्राप्त किया जा सकता है। इस विज्ञापन के पश्चात अलग से कोई सूचना अथवा विज्ञापन नहीं दिया जावेगा।

E-Tender Key Dates

E-Published Date & Time	26-02-2026, 11:00 AM
Tender Purchasing Date & Time	26-02-2026, 12:00 AM
Bid Submission Opening Date & Time	02-03-2026, 11:00 AM
Bid Submission Closing Date & Time	16-03-2026, 05:30 PM
Tender Opening Date & Time	18-03-2026, 01:00 PM

निविदा की अन्य जानकारी (https://mptender.gov.in) पर देखी जा सकती है। इस निविदा में से संबंधित कोई भी संशोधन आवश्यक होने पर वेबसाइट पर अपलोड किया जावेगा, इसके लिए पृथक से कोई सूचना प्रकाशित नहीं की जावेगी कोई भी निविदा अथवा समस्त निविदाएँ बगैर कारण बतायें निरस्त की जा सकती है।

(डॉ. शोभा पटेल)
मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी
जिला राजगढ़ म0प्र0

जी-26445/25

स्वच्छता ही सेवा है

मध्यप्रदेश राज्य वक्फ बोर्ड के अधीन
कमेटी इंतेजामिया औकाफ-ए-आम्मा, भोपाल
ओल्ड डी.पी.आई. बिल्डिंग, ताज केम्पस, सुल्तानिया रोड, भोपाल 462001
दूरभाष नं.-0755-3576105

// इश्तेहार //

वक्फ ईदगाह पार्किंग भोपाल स्थित दक्षिण दिशा की जानिब कार्नर पर 10'X15'=150 वर्गफिट का अंश भाग पर मोबाईल टॉवर लगाए जाने हेतु किराये पर वक्फ पट्टा नियम 2014 संशोधित 2020 के अनुसार खुली बोली/नीलामी द्वारा दिया जाना है। जिसका आरक्षित किराया 12,000/- रूपये प्रतिमाह है। खुली बोली/नीलामी की प्रक्रिया दिनांक 09.03.2026 को समय प्रात: 11 बजे आयोजित की जाएगी। इच्छुक व्यक्ति/फर्म खुली बोली/नीलामी में भाग ले सकते हैं। इच्छुक व्यक्ति दिनांक 05.03.2026 तक आवेदन, नियम व शर्ते 1,000/- रूपये नकद जमा कर कार्यालय से प्राप्त कर सकते हैं। आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि 06.03.2026 सांय 5 बजे तक रहेगी।

प्राधिकृत अधिकारी कमेटी इंतेजामिया औकाफ-ए-आम्मा, भोपाल

दुनिया का सबसे बड़ा विवि है घर के बुजुर्ग : पं. पवन

जागरण, औबेदुल्लागंज। आज की युवा पीढ़ी को चाहिए कि अपनी व्यस्त जिंदगी में से, थोड़ा समय निकाल कर घर के बुजुर्गों के पास बैठे, क्योंकि उन्होंने जीवन के कई उतार-चढ़ाव देखे हैं। उक्त विचार ग्राम कारितलाई में छापोलिया नागर परिवार की ओर से आयोजित श्रीमद् भागवत कथा के तीसरे दिन पंडित पवन कृष्ण शर्मा ने व्यक्त किए।

उन्होंने कहा कि आज की पीढ़ी की विडम्बना ये है कि घर के सारे सदस्य अपने-अपने कमरे में मोबाइल और टीवी में व्यस्त हैं, लेकिन किसी के पास घर के बुजुर्गों के पास बैठने का समय नहीं है, जबकि बुजुर्ग आपको जीवन जीने का जो अनुभव देगा वो दुनिया की कोई किताब नहीं दे सकती है। घर के बुजुर्ग दुनिया का सबसे बड़ा विवि है। प्रहलाद चरित्र सुनाते हुए पंडित शर्मा ने कहा कि हिरण्यकश्यप जैसे बलशाली के सामने प्रहलाद जैसे बालक ने विरोध किया और विजय प्राप्त की। कथा का आयोजन छापोलिया नागर परिवार कारी तलाई एवं पारखेड़ी द्वारा ग्राम कारीतलाई में किया जा रहा है, जिसमें सैकड़ों श्रद्धालु आकर कथा का लाभ ले रहे हैं। गुरुवार को कथा के जरिए श्री कृष्ण जन्म महोत्सव धूमधाम से मनाया जाएगा एवं भक्तों को माखन मिश्री का प्रसाद वितरण किया जाएगा। आयोजक परिवार ने समस्त क्षेत्र वासियों से अपील की है कि श्रीकृष्ण जन्म में अधिक से अधिक संख्या में आकर आयोजन को सफल बनाएं।

जाहिर सूचना

(विक्रय पत्र की मूल प्रति गुम हो जाने बावत)

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि श्रीमती किरण सिंह आयु-वयस्क पत्नी श्री बृजेन्द्र बहादुर सिंह, एवं डॉ. श्रीमती ज्योति सिंह आयु-वयस्क पत्नी डॉ. लाल प्रणय सिंह, दोनों निवासी- बी-47, मन्निपुरम कॉलोनी, चार इमली, भोपाल (म.प्र.) के नाम एक किता आवासीय मकान क्रमांक-22, जिसका क्षेत्रफल 1586.23 वर्गफिट अर्थात 147.42 वर्गमीटर, स्थित-हर्षवर्धन नगर, वार्ड क्रमांक-30, तहसील-हुजूर, जिला-भोपाल (म.प्र.) को श्री जे.डब्ल्यू. नादेडकर आत्मज स्व. श्री डब्ल्यू डी नादेडकर से पंजीकृत विक्रय पत्र के माध्यम से क्रय किया था जिसका इंद्राज उप-पंजीयक कार्यालय भोपाल में ग्रंथ क्रमांक-36031, दस्तावेज क्रमांक-5737(1), दिनांक-14/03/2011 पर पंजीबद्ध है एवं एक किता आवासीय फ्लैट क्रमांक- 49, प्लेटीनम पार्क-ओरेंज के टाईप-ए, द्वितीय तल, क्षेत्रफल-2560.88 वर्गफिट अर्थात 238.00 वर्गमीटर, स्थित-प्लेटीनम पार्क, माता मंदिर, साउथ टी. टी. नगर, वार्ड क्रमांक-32, तहसील-हुजूर, जिला-भोपाल (म.प्र.) को श्रीमती रानी बवेजा पत्नी श्री प्रमोद कुमार बवेजा से पंजीकृत विक्रय पत्र के माध्यम से क्रय किया था जिसका इंद्राज उप-पंजीयक कार्यालय भोपाल में ई-पंजीकरण संख्या- MP059702018A1362575, दिनांक- 28/05/2018 पर पंजीबद्ध है उक्त विक्रय पत्र की मूल प्रति फोटो कॉपी कराने के दौरान कहीं गुम हो गई है, जिसके संबंध में थाना में सूचना दर्ज करा दी है। किसी भी व्यक्ति, संस्था को मिली हो अथवा मिलती है अथवा किसी भी व्यक्ति, संस्था, बैंक के पास भार स्वरूप जमा हो तो कृपया निम्न पते पर सूचित करे।

भवदीय (श्री अनिल मालवीय) अधिवक्ता
कार्यालय :-एम.आई.जी.-65, ब्लॉक-3, सरस्वती नगर, भोपाल।
मो.नं. 9425009802, 9827438202

-: जाहिर-सूचना :-

मेरे पक्षकार के निर्देशानुसार सर्वसाधारण को यह सूचित किया जाता है की मेरे पक्षकार ने श्री अरुण अग्रवाल पिता श्री आर.पी अग्रवाल आयु व्यस्क निवासी मकान क्रमांक ए110, शाहपुरा, ए सेक्टर, मानसरोवर कॉलोनी, त्रिलगा, तहसील हुजुर, जिला भोपाल म.प्र. से उनकी कृषि भूमि जिसका खसरा क्रमांक 197, 198, 199, 201, 191/2/2/1(S), 192/1/1(S), 193, 194, 195, 196, 199, 201 जिसका कुल रकबा 0.16231 हेक्टेयर अर्थात 4 एकड़ जो की जो की ग्राम बडझिरी, पटवारी हल्का क्रमांक 70, तहसील हुजुर जिला भोपाल म.प्र. को क्रय किये जाने हेतु मेरे पक्षकार के द्वारा टोकन बयाना राशि अदा करते हुए सौदा कर लिया गया है एवं शीघ्र ही विक्रय पंजीयन का निष्पादन मेरे पक्षकार के द्वारा करा लिया जायेगा अतः उपरोक्त भूमि के क्रय-विक्रय या हस्तांतरण में किसी व्यक्ति, बैंक, सरकारी एवं गैर सरकारी निकायों एवं फर्म, कम्पनी आदि को कोई स्वत्व, स्वामित्व, हिताधिकार हक निहित हो व अन्य किसी को कोई आपत्ती हो तो वह अपनी आपत्ती इस सूचना पत्र के प्रकाशन दिनांक से 15 दिवस के भीतर मेरे कार्यालय में मय दस्तावेज प्रस्तुत करें समय व्यतीत हो जाने के पश्चात मेरा पक्षकार उक्त कृषि भूमि का विक्रय पंजीयन निष्पादन अपने पक्ष में कराने को स्वतंत्र होगा जिसके उपरांत किसी प्रकार की कोई भी आपत्ति मान्य एवं स्वीकार नही होगी।

नारायण सिंह गुर्जर अधिवक्ता
The Law Firm Of N.S.G.
कार्या.-बी-65, एफ-14, तृतीय तल, गुरुनानक अपार्टमेंट, एनर्जी टॉवर कस्तुरवा नगर, चेतक ब्रिज के पास एम.पी.नगर भोपाल
मो. 8871004255,8770619703

कार्यालय भोपाल विकास प्राधिकरण, भोपाल
प्रगति भवन प्रेस कॉम्पलेक्स जोन-1 महाराणा प्रताप नगर भोपाल
पॉपर्टी आई. डी. नं. D103270025, आवेदन क्रमांक-10973, आवेदन दिनांक 13/01/2026
क्रमांक 1030 / राजस्व / भौविप्रा /26 भोपाल
दिनांक: 26/02/2026

आम सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है, कि प्राधिकरण की जमालपुरा योजना में स्थित LIG प्रकोष्ठ क्रमांक -25 सेक्टर-पी श्रीमती संतोष डोगरा पत्नी स्व. श्री हंसराज डोगरा के नाम पर आवंटित है। आवंटी श्रीमती संतोष डोगरा का स्वर्गवास दिनांक: 24/10/2025 को हो जाने के कारण आवंटी के वारिस पुत्र श्री संजीव डोगरा एवं श्री संदीप डोगरा पुत्रगण स्व. श्री हंसराज डोगरा द्वारा आवेदन पत्र के साथ आवंटी का मृत्यु प्रमाण पत्र, शपथ पत्र, आधार कार्ड एवं समस्त वारिसों की सहमति/शपथ पत्र तथा वांछित प्रपत्रों को प्रस्तुत कर उक्त LIG प्रकोष्ठ कमांक 25 सेक्टर-पी अपने नाम पर नामांतरण चाहा गया है। उक्त नामांतरण के सम्बन्ध में यदि किसी व्यक्ति / उत्तराधिकारी को कोई आपति हो तो विज्ञप्ति प्रकाशित होने की दिनांक से 7 दिवस के अंदर लिखित एवं साक्ष्यों/ दस्तावेजो के साथ अधोहताक्षरकर्ता के समक्ष उपस्थित होकर आपत्ति / दावा प्रस्तुत करे। उक्त समयावधि के पश्चात् कोई भी दावा / आपत्ति स्वीकार नही की जावेगी, एवं प्राधिकरण नियमानुसार कार्यवाही करने हेतु स्वतंत्र रहेगा।

उक्त नामांतरण के सम्बन्ध में यदि किसी व्यक्ति / उत्तराधिकारी को कोई आपति हो तो विज्ञप्ति प्रकाशित होने की दिनांक से 7 दिवस के अंदर लिखित एवं साक्ष्यों/ दस्तावेजो के साथ अधोहताक्षरकर्ता के समक्ष उपस्थित होकर आपत्ति/ दावा प्रस्तुत करे। उक्त समयावधि के पश्चात् कोई भी दावा / आपत्ति स्वीकार नहीं की जावेगी, एवं प्राधिकरण नियमानुसार कार्यवाही करने हेतु स्वतंत्र रहेगा।

VIJAY SINGH YADAV
राजस्व अधिकारी
भोपाल विकास प्राधिकरण, भोपाल

SUDOKU 159

	8	4				6		
	2		9	4				
		6		2				
2		1	4				8	
5								6
	6				1	5		7
				8		4		
				3	9		5	
		2				8	3	

SOLUTIONS 158

8	3	9	6	2	7	5	4	1
6	5	7	9	1	4	3	8	2
2	1	4	5	8	3	7	6	9
3	2	1	4	9	5	8	7	6
7	4	6	1	3	8	9	2	5
9	8	5	2	7	6	1	3	4
4	6	3	7	5	1	2	9	8
1	7	2	8	6	9	4	5	3
5	9	8	3	4	2	6	1	7

Rules : The 3x3 sub-grids are called regions. Number already filled in the grid are called givens. The goal of the player is to fill the blank grids of every row, every column and every 3x3 box with the numbers 1,2,3,4,5,6,7,8,9 However, All rows, colums and regions (3x3) should contain numbers 1 to 9 without repeating.

राशिफल

मेष : दिन विदेश यात्रा के योग बन रहे हैं, जो लाभदायक रहेगी। व्यापार अच्छा चलेगा और आप अच्छे मुनाफे की भी उम्मीद कर सकते हैं। नया कार्यभार मिलने की भी बड़ी संभावना है।

वृषभ : दिन करियर के नए अवसर आपके सामने आएंगे। आज आपको प्रशंसा मिल सकती है। ऑफिस के टास्क कंप्लीट करने चाहिए।

मिथुन : दिन आर्थिक रूप से यह एक अच्छा दिन है। केवल वही जिम्मेदारियां लें, जिनके बारे में आप आश्वस्त महसूस करते हैं।

कर्क : दिन अपने करियर में कुछ असफलताओं का अनुभव हो सकता है। कुछ योजनाएं गलत साबित हो सकती हैं और इसका भार आप पर भी आ सकता है। सावधान रहें।

सिंह : दिन दफ्तर में टिके रहने के लिए बहुत कड़ी मेहनत करनी होगी। धैर्य रखने की कोशिश करें। व्यवसायियों को स्टाफ संकट का सामना करना पड़ सकता है।

कन्या : दिन कारोबार से जुड़े लोगों को आज सावधान रहने की जरूरत है। हेल्थ आज अच्छी रहेगी। कॉन्फिडेंस में आपके कमी आ सकती है।

तुला : दिन वित्त औसत रहेगा और उम्मीद से कम रहेगा। हो सकता है कि आपके सहकर्मी सहयोगात्मक न हों और आपको अपने सहकर्मियों से कही गई बातों में सावधानी बरतने की जरूरत है।

वृश्चिक : दिन धन और वित्त के मामले में अच्छा रहेगा। अपनी एक्सपर्टीज बढ़ाने और सीखने में निवेश करने के लिए यह अच्छा दिन होगा। नौकरीपेशा में लाभ देखने को मिल सकता है।

धनु : दिन की शुरुआत में अपने करियर को लेकर आप स्ट्रगल करेंगे। काम का प्रेशर ज्यादा महसूस होगा। नौकरी में बदलाव की भी बड़ी संभावना है।

मकर : दिन आज आपको अपनी मेंटल हेल्थ का खास ख्याल रखना चाहिए। लाइफ में प्रॉब्लम आना नॉर्मल है। हिम्मत न हारें।

कुंभ : दिन प्रोडक्टिविटी आज रोज के मुकाबले नॉर्मल से स्लो रहेगी और यह आपको बेचैन कर देगी। प्लानिंग पूरी होने में देरी हो सकती है।

मीन : दिन व्यवसायियों को अपने खर्चों में सावधानी बरतनी चाहिए। जीवनसाथी के साथ बहस करने से बचें क्योंकि मनमुटाव की स्थिति पैदा हो सकती है। घूमने-फिरने का प्लान भी बन सकता है।

आज का पंचांग: 26 फरवरी गुरुवार 2026। दिशाशूल : दक्षिण विशेष : अष्टमी तिथि क्षय विक्रम संवत 2082 शके 1947 उत्तरायण, दक्षिणगोल, शिशिर ऋतु फाल्गुन मास शुक्ल पक्ष की दशमी 24 घंटे 34 मिनट तक तत्पश्चात एकादशी मृगसिरा नक्षत्र 12 घंटे 12 मिनट तक तत्पश्चात आद्रा नक्षत्र प्रीति योग 22 घंटे 34 मिनट तक, तत्पश्चात आयुष्मान योग मिथुन में चद्रमा।

कार्यालय ग्राम पंचायत खजूरीसड़क, जनपद पंचायत फंदा भोपाल
क्रमांक/GP/KH/P/025/26 भोपाल दिनांक 25/02/2026

विज्ञप्ति

कार्यालय जिला पंचायत भोपाल के आदेश क्र. 713/जि.पं./पंचा.प्रको./2026 भोपाल दिनांक 11.02.2026 द्वारा ग्राम पंचायत खजूरीसड़क की शासकीय भूमि खसरा क्रमांक 132 रकबा 0.8100 हैक्ट. एवं 255 रकवा 0.1700 हेक्ट. यूनिक आईडी 1144722519817 पर 25 दुकान की नीलामी म.प्र. पंचायत राज एवं ग्राम स्वराज अधिनियम 1993 म.प्र. (पंचायत स्थावर संपत्ती का अंतरण) की धारा-65 स्थावर संपत्ती का अंतरण नियम विहित प्रक्रिया के आधार पर कुल 25 दुकानों के अंतरण की अनुमति प्रदान की गई है। प्रदत्त स्वीकृति एवं शर्तों के आधार पर दिनांक 26/03/2026 को समय प्रात: 10 बजे से 05 बजे तक ग्राम पंचायत खजूरीसड़क में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत फंदा भोपाल एवं अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व)नोडल अधिकारी अनुभाग हुजूर की अध्यक्षता में उक्त दुकानों की नीलामी एवं समस्त दुकानों का आवंटन सामुदायिक भवन खजूरीसड़क पर निम्नानुसार शर्तों पर किया जावेगा।

दुकानों का आरक्षण 25 दुकान हेतु

क्र.	प्रवर्ग आरक्षण	जनसंख्या	कुल दुकान आरक्षित
1	अनुसूचित जनजाति वर्ग	77	1
2	अनुसूचित जाति वर्ग	744	6
3	अन्य पिछड़ा वर्ग के लिये	वर्ष 2011 की जनगणना अनुसार कुल जनसंख्या 3350	4
4	महिलाओं के लिये (विधवा तथा परित्याक्ताओं को सम्मिलित करते हुये)		3
5	विकलांग व्यक्तियों के लिये (इसमें दृष्टिहीन विकलांग को प्राथमिकता दी जाएगी)		1
6	रक्षा सेवा के सेवानिवृत्त सदस्यों के लिये		1
7	स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के लिये		1
8	शिक्षित बेरोजगारों के लिए		1
9	अनारक्षित		7
	योग	3350	25

1. संपत्ति के अंतरण हेतु म.प्र. पंचायत राज एवं ग्राम स्वराज अधिनियम 1993 की धारा 65 एवं म.प्र. (पंचायत स्थावर संपत्ति का अंतरण) नियम 1994 का पालन किया जाएगा।
2. नीलामी की प्रक्रिया Open Bid जो कि Highest निकले वहां से प्रारंभ करके फिर खुली नीलामी के अनुसार की जावेगी।
3. स्थावर संपत्ति का अंतरण लोक नीलामी द्वारा किया जावेगा अन्यथा नहीं।
4. स्थावर संपत्ति दुकानें जिनकी लोक नीलामी द्वारा अंतरण किया जाना है, उसमें आरक्षण का पालन किया जाएगा।
5. आरक्षित श्रेणी के बोलीदार को अपना जाति प्रमाण पत्र प्रस्तुत करना आवश्यक होगा।
6. इच्छुक बोलीदार दुकान क्रमांक के साथ दुकान के मूल्य की राशि का 05 प्रतिशत राशि जमा कर बोली में भाग ले सकता है।
7. उच्चतम बोली स्वीकार किए जाने पर बोलीदार को 25 प्रतिशत राशि नीलामी दिनांक से 07 दिवस मे जमा करना होगा एवं 25 प्रतिशत राशि 02 माह एवं शेष 50 प्रतिशत 06 माह में जमा करना अनिवार्य होगा।
8. उच्चतम बोलीदार द्वारा नियत समय सीमा में राशि जमा नहीं किए जाने पर जमा निक्षेप राशि (शर्त क्रमांक 6 एवं 7 की राशि जप्त) संपहद हो जावेगी। जो की वापस नहीं की जा सकेगी।
9. असफल बोलीदार की जमा 05 प्रतिशत निक्षेप राशि वापस कर दी जावेगी।
10. स्थावर संपत्ती (दुकान) का क्षेत्रफल 20×11 वर्गफीट एवं बरामदा 11×7 वर्गफीट रहेगा।
11. पट्टा आवंटन लोक नीलामी द्वारा अंतरित दुकान विहित प्राधिकारी की अनुमति से 10 वर्ष के लिए उच्चतम बोलीदार को आवंटित किया जावेगा।
12. स्थावर संपत्ति का प्रत्येक पट्टा इस शर्त के आधीन होगा कि पट्टे की अवधि के दौरान देय वार्षिक भाड़ा अग्रिम देय होगा।
13. उक्त दुकानों का वार्षिक भाडा 6000/- रुपये प्रतिवर्ष (रु 500 प्रतिमाह) रहेगा।
14. उक्त दुकानों का ऑपसेट मूल्य 8.00 लाख रहेगा।
15. आरक्षण प्रवर्ग की दुकानें न तो अंतरित की जाएंगी और न ही किराए पर दी जाएंगी।
16. शर्त उल्लंघन की दशा में आवंटन रद्द कर दिया जावेगा।

सरपंच सचिव ग्राम पंचायत खजूरीसड़क जनपद पंचायत फंदा भोपाल

मौसम अपडेट

प्रदेश के चार महानगरों का तापमान

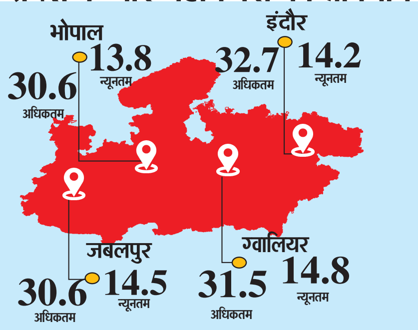

देश के चार महानगरों का तापमान

शहर	अधिकतम	न्यूनतम
दिल्ली	30.2	12.6
मुंबई	32.1	20.3
चेन्नई	35.8	21.0
कोलकाता	30.2	19.6

सूर्यास्त 6:21 PM
सूर्योदय 6:46 AM
चन्द्रोदय 12:08 AM
चन्द्रास्त 1:24 PM

सिंहस्थ क्षेत्र में चला बुलडोजर, धर्मशाला और आश्रमों के अवैध निर्माण जमीदोज

उज्जैन में प्रशासन एक्शन मोड में, मेला क्षेत्र में पक्के निर्माणों को सख्ती से हटाया

जागरण उज्जैन। साल-2028 में बाबा महाकाल की नगरी उज्जैन में होने वाले सिंहस्थ को लेकर प्रशासन एक्शन मोड में है। सिंहस्थ मेला क्षेत्र को अतिक्रमण मुक्त बनाने के लिए जिला प्रशासन ने बुधवार सुबह सख्त रुख अपनाते हुए बड़ी कार्रवाई की है। नृसिंह घाट और लालपुर क्षेत्र में अवैध रूप से बन रहे आश्रमों पर प्रशासन का बुलडोजर चला। सुबह करीब 7 बजे नगर निगम की रिमूवल गैंग भारी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंची और चिह्नित अवैध निर्माणों को तोड़ने की कार्रवाई शुरू की गई। प्रशासन ने स्पष्ट कर दिया है कि सिंहस्थ मेला क्षेत्र में नियमों को ताक पर रखकर किए गए किसी भी पक्के निर्माण को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। कार्रवाई के दौरान पूरे क्षेत्र में हलचल का माहौल रहा, जबकि प्रशासनिक अमला लगातार मौके पर डटा रहा।

अधिकारी भी मौके पर

प्रशासन की टीम ने पहले से चिह्नित ढांचों को प्राथमिकता से तोड़ा। अधिकारियों के अनुसार, संबंधित संस्थाओं को पूर्व में नोटिस जारी किए जा चुके थे, लेकिन उनसे संतोषजनक जवाब नहीं मिलने पर कदम उठाया। सिंहस्थ क्षेत्र में अवैध निर्माणों पर सुबह कार्रवाई के दौरान ननि के अपर आयुक्त संतोष टैगोर, एसडीएम एलएन गर्ग और तहसीलदार शैफाली जैन सहित प्रशासनिक अधिकारियों ने मौके पर मौजूद रहकर कार्रवाई पर नजर रखी। किसी भी प्रकार की अप्रिय स्थिति से निपटने के लिए पुलिस बल तैनात रहा।

2016 के बाद बने निर्माणों पर सख्ती

प्रशासन के अनुसार यह कार्रवाई मुख्य रूप से वर्ष 2016 के सिंहस्थ के बाद अस्तित्व में आए पक्के निर्माणों पर केंद्रित है। सिंहस्थ मेले के दौरान साधु-संतों के डेरे, टेंट और लाखों श्रद्धालुओं के लिए पार्किंग और अन्य व्यवस्थाओं हेतु बड़े खुले क्षेत्र की आवश्यकता होती है।

लालपुल और नृसिंह क्षेत्र में गिरी गाज

कार्रवाई के तहत लाल पुल क्षेत्र स्थित स्वामी संदीपेंद्र आश्रम के निर्माणाधीन अवैध हिस्सों को ध्वस्त किया गया। इसके साथ ही नृसिंह घाट क्षेत्र में क्षत्रिय कलोता समाज पारमार्थिक न्यास एवं अभा चंद्रवंशी समाज आश्रम के परिसरों में नियमों के विरुद्ध किए गए पक्के निर्माणों को भी हटाया गया।

स्थायी निर्माण की अनुमति नहीं

कार्रवाई को लेकर ननि कमिश्नर अभिलाष मिश्रा ने कहा कि सिंहस्थ क्षेत्र में 2016 के बाद बने सभी स्थायी निर्माण चिह्नित किए गए हैं। इस क्षेत्र में स्थायी निर्माण की अनुमति नहीं है और सभी अवैध ढांचे हटाए जाएंगे। अपर आयुक्त संतोष टैगोर ने बताया कि जिला प्रशासन से मिली सूची में अवैध निर्माणों की जानकारी थी। सिंहस्थ मेले में व्यवस्था बनाए रखने के लिए इन निर्माणों को हटाया जा रहा है। सिंहस्थ क्षेत्र करीब 180 हेक्टेयर में फैला हुआ है।

तड़पती गर्भवती को बंद मिला अस्पताल, गेट पर हुआ प्रसव

खरगोन में डॉक्टर समेत तीन को थमाया नोटिस

जागरण, खरगोन। प्रदेश के खरगोन में एक गर्भवती महिला को प्रसव पीड़ा होने पर जब अस्पताल ले जाया गया तो वह बंद मिला। प्रसव पीड़ा से तड़प रही महिला का मजबूरी में अस्पताल के बाहर गेट पर प्रसव कराना पड़ा।

मामला, बुधवार सुबह 6 बजे झिरन्या ब्लॉक के आभापुरी स्थित प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र का है। जानकारी सुबह जब प्रशासन को लगी तो अफरा-तफरी मच गई। परिजनों का आरोप है कि जब वे स्वास्थ्य केंद्र पहुंचे, उस समय वहां कोई भी डॉक्टर, नर्स या अन्य स्वास्थ्य कर्मी मौजूद नहीं था। परिजन रवींद्र भूरिया ने बताया कि स्टाफ के अभाव में महिला को तत्काल इलाज नहीं मिल सका। महिला को तेज प्रसव पीड़ा के बाद मजबूरी में स्वास्थ्य केंद्र के बाहर प्रसव कराना पड़ा। खरगोन सीएमएचओ डॉ. डीएस चौहान ने बताया कि उन्हें स्वास्थ्य केंद्र के बाहर प्रसव की जानकारी मिली है, उनके अनुसार, महिला को फुल टाइम प्रसव पीड़ा चल रही थी और परिजन उसे समय पर अस्पताल नहीं पहुंचा पाए। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में ड्यूटी में लापरवाही बरतने पर बीएमओ ने डॉ. साक्षी सोनी, एएनएम अनुपर्णा चौहान और रजनी भलाराय को कारण बताओ नोटिस जारी किया है। तीनों से एक दिन में स्पष्टीकरण मांगा गया है।

ट्रेंचिंग ग्राउंड पर गौवंश के अवशेष मिले, हुआ विवाद

जागरण, देवास। नगर निगम के ट्रेंचिंग ग्राउंड पर गौवंश के अवशेष व खाल मिलने के बाद गौ सेवकों व नगर निगम कर्मचारियों के बीच विवाद मारपीट में बदल गया। इसके बाद दोनों पक्ष नाहर दरवाजा थाने पर पहुंचे, जहां पुलिस ने एक-दूसरे की रिपोर्ट पर दोनों पक्षों के खिलाफ विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है। वहीं इस मामले को लेकर शिवसेना ने भी कलेक्टर को ज्ञापन सौंपकर दोषी लोगों पर कार्यवाही की मांग की है। दरअसल गौ सेवा संस्था से जुड़ी श्रेया सिंह परिहार को जानकारी मिली थी कि नगर निगम के ट्रेंचिंग ग्राउंड पर गौ वंश के अवशेष और खाल बड़ी मात्रा में खुले में पड़े हैं। यह जानकारी मिलते ही श्रेया सिंह परिहार अपने कुछ साथियों को लेकर मौके पर पहुंची और जब वहां पर पड़े अवशेष व खाल के फोटो-वीडियो बनाने लगे तो वहां पर मौजूद नगर निगम कर्मचारियों व उनके बीच कहासुनी हुई और धीरे-धीरे यह मामला मारपीट में बदल गया। इस पूरे घटनाक्रम के वीडियो-फोटो तेजी से वायरल हुए। इसके बाद नगर निगम और पुलिस अधिकारियों ने मामले में संज्ञान लिया।

कृषि सम्मेलन में ड्यूटी पर तैनात कर्मचारी की हार्टअटैक से मौत

ब्यावरा। बुधवार को मोहनपुरा डेम स्थित कृषि धाम पर आयोजित तीन दिवसीय कृषि विज्ञान मेले के समापन के दौरान कृषि विभाग में भृत्य पद पर पदस्थ कर्मचारी राम प्रसाद भील (52) की ड्यूटी के दौरान अचानक तबीयत बिगड़ने से मौत हो गई। उन्हें जिला अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। कृषि विभाग के सहायक संचालक पहलाद सिंह बारेला के अनुसार राम प्रसाद भील की ड्यूटी मेले में विभागीय स्टॉल पर लगी थी। वे स्टॉल पर खड़े थे, तभी अचानक घबराहट महसूस होने पर गिर पड़े। साथ में मौजूद कर्मचारी धनश्याम शहरिया ने तुरंत अधिकारियों को सूचना दी। मौके पर पहुंचे लोगों ने उन्हें सीपीआर भी दिया, लेकिन हालत गंभीर होने पर उन्हें तत्काल जिला अस्पताल ले जाया गया, लेकिन अस्पताल पहुंचने से पहले ही मौत हो गई। सिविल सर्जन डॉ. रजनीश शर्मा ने बताया कि मृत्यु पर प्रथम दृष्टया हार्ट अटैक की आशंका जताई है।

गणित के पेपर के दौरान बेहोश हुई छात्रा, मौत

जागरण, मुरैना। जिले में 10वीं बोर्ड की छात्रा पेपर के दौरान बेहोश हो गई। गणित की परीक्षा देते समय अचानक गिर पड़ी और आनन-फानन में अस्पताल ले जाते समय उसने रास्ते में दम तोड़ दिया। परिजनों ने समय पर एंबुलेंस न मिलने और देरी से इलाज का आरोप लगाया है। कलेक्टर ने मामले में जांच के निर्देश दिए है। दरअसल यह मामला मुरैना जिले के बानमोर स्थित पंडित नेहरू कॉलेज परीक्षा केंद्र का है। 10वीं की छात्रा वर्षा कुशवाह (16) मंगलवार को गणित का पेपर देने पहुंची थी। परीक्षा देते समय वह अचानक गिर पड़ी। यह देख क्लास में हड़कंप मच गया। आनन-फानन में वर्षा को अस्पताल ले जाया गया, लेकिन रास्ते में ही उसकी मौत हो गई।

कूप स्वीकृति के लिए रिश्वत लेते सरपंच गिरफ्तार

जागरण, पन्ना। लोकायुक्त पुलिस सागर संभाग ने बुधवार को ग्राम पंचायत चौपरा के सरपंच जगत आदिवासी को 5,000 रुपए की रिश्वत लेते हुए गिरफ्तार किया है। ग्राम चौपरा के निवासी नंदलाल राठौर ने अपनी एक हेक्टेयर कृषि भूमि पर सिंचाई के लिए कपिलधारा योजना के तहत कुएं का निर्माण करवाने आवेदन किया था। कुएं के निर्माण को जनपद पंचायत शाहनगर से स्वीकृति मिल चुकी थी और कार्य मनरेगा के तहत होना था। नंदलाल राठौर का आरोप है कि सरपंच ने कार्य शुरू करने की अनुमति देने के बदले 11 हजार की रिश्वत मांगी। इसकी शिकायत नंदलाल ने लोकायुक्त पुलिस से की। शिकायत के सत्यापन के बाद लोकायुक्त टीम ने एक योजनाबद्ध जाल बिछाया। जैसे ही आवेदक ने सरपंच को पहली किस्त के रूप में 5,000 रुपए दिए, लोकायुक्त पुलिस ने उन्हें रंगे हाथों पकड़ लिया। इस घटना के बाद जनपद कार्यालय में हड़कंप मच गया।

नौकरी का झांसा देकर युवकों से 29 लाख की ठगी, दो भाई गिरफ्तार

जागरण, सिवनी। बेरोजगार युवकों को सरकारी नौकरी दिलाने का झांसा देकर 29 लाख से अधिक की ठगी करने वाले दो सगे भाइयों को कोतवाली पुलिस ने मंगलवार रात को गिरफ्तार कर लिया है। उनके कब्जे से पुलिस ने फर्जी नियुक्ति पत्र, मोबाइल फोन, सिम कार्ड और बैंक से जुड़े दस्तावेज भी बरामद किए हैं। पुलिस के अनुसार आरोपियों ने छीतापार, कुरई निवासी अभिषेक चौरसिया, मरकावाड़ा, केवलारी निवासी अनिल चौरसिया और शास्त्री वार्ड, सिवनी निवासी प्रभात नाग्या को एफसीआई में नौकरी लगवाने और एक सरकारी विभाग में वाहन अटैच कराने का लालच दिया था। आरोपियों ने 13 फरवरी 2023 से 16 जून 2025 के बीच तीनों युवकों से फोनपे, नकद और बैंक खातों के जरिए कुल 29 लाख 1 हजार 30 रुपए ऐंठे। ठगी का शिकार हुए युवकों ने कोतवाली थाने में शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत में बताया गया कि सुनील शेल्के और उनके बड़े भाई रवि शेल्के ने एफसीआई में नियुक्ति और एक सरकारी विभाग में वाहन अटैच कराने का भरोसा दिलाया। विश्वास कायम करने आरोपियों ने उनको फर्जी नियुक्ति पत्र भी तैयार कर सौंप दिए। दस्तावेजों और लेन-देन की जांच के दौरान आरोप सही पाए गए। इसके बाद 22 फरवरी 2026 को थाना कोतवाली सिवनी में प्रकरण दर्ज किया गया। कोतवाली पुलिस ने नेहरू रोड, सुभाष वार्ड स्थित निवास पर दबिश देकर सुनील शेल्के और रवि शेल्के को गिरफ्तार कर लिया।

फर्जी नियुक्ति पत्र, मोबाइल फोन, सिम कार्ड और बैंक से जुड़े दस्तावेज भी बरामद

योजनाओं का लाभ दिलाने का कार्य प्राथमिकता के साथ करें : राज्यपाल

जागरण, रीवा। मध्यप्रदेश के राज्यपाल मंगुभाई पटेल बुधवार को मऊगंज दौरे पर रहे। वह बतौर मुख्य अतिथि मऊगंज जिले के हनुमना जनपद अंतर्गत दूरस्थ जनजातीय 'धरती आबा' ग्राम सलैया खास में आयोजित कार्यक्रम में शामिल हुए। यहां उन्होंने पेड़ के नीचे चौपाल लगाकर ग्रामीणों की समस्या सुनीं, जिसे खूब सराहा भी गया। कार्यक्रम में उन्होंने शासन की योजनाओं का लाभ जनजातीय व गरीब वर्ग के लोगों तक प्राथमिकता से पहुंचाने की बात कही। राज्यपाल ने कहा कि बिरसा मुंडा ने अल्प आयु में ही देश के लिए अपना सर्वस्व न्यौछावर कर दिया था। धरती आबा ग्राम उत्कर्ष योजना आदिवासियों के उत्थान के लिए वरदान साबित होगी। इस योजना के तहत 18 विभागों द्वारा उनकी योजनाओं का लाभ जनजातीय परिवारों को मिलेगा। राज्यपाल ने आदिवासी युवाओं का आह्वान किया कि वह शिक्षित होकर अपने समाज के लोगों को शासन की योजनाओं का लाभ दिलाने का कार्य करें, क्योंकि समाज के अंतिम छोर के व्यक्ति के लिए इस योजना से लाभ लेकर बराबरी का दर्जा प्राप्त किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि स्वसहायता समूह के माध्यम से महिलाएं विकास की राह पकड़ चुकी हैं, उनमें आत्मविश्वास तो बढ़ा ही है साथ ही महिला सशक्तिकरण का भी उदाहरण प्रस्तुत हुआ है। पारम्परिक नृत्य शैला एवं कर्मा से कार्यक्रम में राज्यपाल का स्वागत किया गया। समारोह में सांसद जनार्दन मिश्रा, जिला पंचायत अध्यक्ष नीता कोल, एपीएसयू कुलगुरु डॉ.राजेन्द्र कुड़रिया भी मौजूद रहे।

प्रेमी और नाबालिग प्रेमिका के पेड़ से लटके मिले शव

जागरण, शिवपुरी। प्रदेश के शिवपुरी जिले में प्रेमी और नाबालिग प्रेमिका की एक ही फंदे पर लटकी लाश मिली है। प्रेमी-प्रेमिका 24 फरवरी से अपने-अपने घर से गायब थे। बुधवार सुबह उनके शव गुड़ा रोड स्थित खेत में मिले। नाबालिग के गले में मंगलसूत्र भी मिला है। मामला कोलारस थाना क्षेत्र का है। जानकारी के मुताबिक मृत युवक की पहचान मदनपुर निवासी 19 वर्षीय जितेंद्र धाकड़ के रूप में हुई है। लड़की की उम्र 17 साल बताई गई है। शुरुआती जानकारी के अनुसार दोनों के बीच लंबे समय से प्रेम संबंध थे। पुलिस के मुताबिक, अक्टूबर 2025 में जितेंद्र अपने साथ नाबालिग को भगाकर ले गया था। बेटी के लापता होने पर परिजन ने बदरवास थाने में शिकायत दर्ज कराई थी। पुलिस ने एफआईआर के बाद आरोपी और नाबालिग की तलाश की। 8 नवंबर 2025 को जितेंद्र को गिरफ्तार किया। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से नाबालिग लड़की को छुड़ाया। नाबालिग को मेडिकल जांच के बाद परिजन को सौंप दिया। नाबालिग के बयान के आधार पर आरोपी के खिलाफ पॉक्सो एक्ट सहित दुष्कर्म की धाराएं जोड़ी गई थीं। कोर्ट में पेश किया गया, जहां से कोर्ट ने जेल भेज दिया था। पुलिस के मुताबिक आरोपी जितेंद्र 11 फरवरी को जमानत पर रिहा हुआ। इसके बाद लड़की से संपर्क किया। 24 फरवरी को दोनों अपने-अपने घरों से लापता हो गए थे। 25 फरवरी की सुबह गुड़ा रोड स्थित खेत में नीम के पेड़ से लटके मिले। घटनास्थल के पास नाबालिग लड़की के नाना-नानी का गांव बताया गया है।

छिंदवाड़ा में दोस्तों ने बीयर पिलाकर किया गैंगरेप, एक गिरफ्तार

जागरण, छिंदवाड़ा। दोस्तों ने एक युवती को बीयर पिलाकर उसके साथ सामूहिक दुष्कर्म की वारदात की। मामला छिंदवाड़ा का है। युवती ने बताया कि आरोपी युवक पार्टी के बहाने अलका टाकीज के पास अंबर होटल ले गए। यहां उसे बीयर पिलाई। नशे की हालत का फायदा उठाकर दोनों आरोपियों ने बारी-बारी से रेप किया। कोतवाली पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। दूसरा फरार है। घटना की जानकारी युवती की एक परिचित को लगी तो वह होटल पहुंची। युवती को अपने साथ कोतवाली थाने ले गई। युवती उस समय अत्याधिक नशे में थी, जिस कारण पुलिस उसका बयान दर्ज नहीं कर सकी। प्राथमिक इलाज के लिए उसे जिला अस्पताल में भर्ती कराया। मेडिकल टेस्ट के बाद पुलिस ने दुर्गेश हरोड़े और अतुल घोरसे के खिलाफ केस दर्ज किया।

क्यों जवाबदेही रूरल टेक स्कीम्स की सक्सेस तय करती है

जब बड़े सरकारी कार्यक्रम नई तकनीक गाँवों तक पहुँचाते हैं—चाहे वह सोलर पंप हो, घरेलू कनेक्शन हो या कृषि मशीन—तो सिर्फ मशीन देना ही काफी नहीं होता। किसान सबसे ज्यादा यह देखते हैं कि जब मशीन खराब हो जाए तो क्या होता है। क्या कोई फोन उठाता है, क्या तकनीशियन समय पर आता है, और क्या समस्या फसल को नुकसान होने से पहले ठीक हो जाती है? अगर सेवा और जिम्मेदारी के स्पष्ट नियम न हों, तो अच्छी से अच्छी योजना भी जल्दी भरोसा खो सकती है। महाराष्ट्र में सोलर सिंचाई इसका अच्छा उदाहरण है कि मजबूत जवाबदेही ढांचा कितना फर्क ला सकता है। तकनीक के साथ-साथ राज्य ने ऐसा विक्रेता और शिकायत तंत्र बनाया है जिसमें समय पर मरम्मत को जरूरी माना गया है। सभी सूचीबद्ध विक्रेताओं के लिए तीन दिन में समस्या समाधान अनिवार्य है। किसान द्वारा शिकायत दर्ज होने के 72 घंटे के भीतर कंपनी को उसे ठीक करना होता है। यह शर्त सेवा एग्रीमेंट में लिखी है, और विक्रेताओं से अपेक्षा की जाती है कि वे शिकायत डेस्क, त्वरित प्रतिक्रिया टीमें और स्पेयर पार्ट्स का स्टॉक रखें, ताकि छोटा खराबी भी हफ्तों की पानी की कमी में न बदले।

यदि तय समय में समस्या हल नहीं होती, तो मामला फाइलों में दबता नहीं है। अनसुलझी शिकायतें अपने-आप डिजिटल सिस्टम के जरिए महाराष्ट्र राज्य विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड (महावितरण) तक पहुँच जाती हैं। इसके बाद कंपनी नोटिस जारी कर सकती है, साइट निरीक्षण कर सकती है, तय समय में सुधार करवाने को कह सकती है और बार-बार गलती होने पर जुर्माना, निलंबन या विक्रेता को सूची से बाहर भी कर सकती है। साफ संदेश है- खराब सेवा की कीमत किसानों को नहीं चुकानी चाहिए।

शिकायत व्यवस्था कई स्तरों पर काम करती है। किसान स्थानीय सेवा केंद्र, विक्रेता डेस्क, जिला अधिकारी या केंद्रीय कंट्रोल रूम—कहीं भी संपर्क कर सकते हैं। सभी शिकायतें डिजिटल रूप से दर्ज और ट्रैक होती हैं, और अपडेट SMS या हेल्पलाइन के जरिए दिए जाते हैं। समय-समय पर तैयार रिपोर्टें—जैसे समाधान में लगा समय, खराबी के प्रकार और क्षेत्रीय रुझान—आगे की खरीद और विक्रेता मूल्यांकन में काम आती हैं। फील्ड जांच में सिर्फ पंप चल रहा है या नहीं, यह नहीं देखा जाता, बल्कि इंस्टॉलेशन की गुणवत्ता, कंट्रोलर की स्थिति, पानी का आउटपुट और माउंटिंग मानक भी जांचे जाते हैं। कमजोर प्रदर्शन करने वाले विक्रेताओं पर अतिरिक्त निगरानी रखी जाती है।

इस पूरी व्यवस्था के केंद्र में 'फार्मर-फर्स्ट' सोच है। मकसद उस निराशा को खत्म करना है जो अक्सर ग्रामीण योजनाओं से जुड़ी होती है—जहाँ मशीन खराब हो जाती है और कोई जिम्मेदारी नहीं लेता। तेज और भरोसेमंद सेवा से किसान माइक्रो-इरिगेशन जैसी पानी बचाने वाली तकनीकों को अपनाने के लिए अधिक तैयार होते हैं। इसके पर्यावरणीय फायदे—कम CO2 उत्सर्जन और भूजल पर कम दबाव—भी इसी भरोसे पर टिके हैं।

Dr Divya Dhingra, Policy Specialist

ऐसे राज्य में जहाँ बारिश और मिट्टी की स्थिति अलग-अलग है, मजबूत शिकायत और सेवा ढांचा कोई अतिरिक्त सुविधा नहीं, बल्कि जरूरी है। इससे सूखा-प्रवण क्षेत्रों में भी विश्वसनीयता बनी रहती है, फसल चक्र सुरक्षित रहता है, डाउनटाइम कम होता है और रखरखाव लागत नियंत्रित रहती है। इससे सोलर पंप एक सीजन का प्रयोग नहीं, बल्कि स्थायी ग्रामीण अवसंरचना बनते हैं।

अन्य राज्यों और एजेंसियों के लिए भी इसमें सीख है। स्पष्ट सेवा अनुबंध और समय सीमा विक्रेताओं को तेज प्रतिक्रिया के लिए प्रेरित करते हैं; स्वचालित एस्केलेशन समस्याओं को दबने नहीं देता; बार-बार गलती पर दंड से ढिलाई रुकती है; और जमीनी जांच को डिजिटल ट्रैकिंग से जोड़ने पर पूरी तस्वीर सामने आती है। किसानों से नियमित और सरल संवाद इस चक्र को पूरा करता है। महाराष्ट्र का अनुभव बताता है कि ग्रामीण तकनीक को बड़े पैमाने पर सफल बनाने में शासन, पारदर्शिता और अधिकार उतने ही जरूरी हैं जितने पैनल और पाइप—और जब ये सब साथ हों, तो भरोसा भी तकनीक के साथ दूर तक पहुँचता है। **(इम्पैक्ट फीचर)**

बिजनेस प्लस

पतंजलि का दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन संपन्न

हरिद्वार। पतंजलि अनुसन्धान संस्थान और पतंजलि विवि के तत्वावधान में बुधवार को दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन Plants to Patients Series 4 - Ethnopharmacology Beyond Times पूर्ण हुआ। इस सम्मेलन में पेरूजिया विवि, इटली और इंटरनेशनल सोसाइटी फॉर एथनोफार्माकोलोजी के प्रेजिडेंट, प्रोफेसर डोमेनिको विटोरियो डेलफिनो, कोट द अजूर विवि, फ्रांस से प्रोफेसर लुई-फेलिक्स नॉटियस, ग्राज विवि, आस्ट्रिया से प्रोफेसर रुडोल्फ बाउर, नीदरलैंड्स से एल्सेवियर प्रकाशन की सीनियर पब्लिशर, प्रोफेसर ऐन मैरी शोनी-पोरडॉन, माएलुआंग विवि, थाईलैंड से प्रोफेसर तिडारैट डुआंग्योट, सोसाइटी फॉर एथनोफार्माकोलोजी के संस्थापक पुलक के. मुखर्जी, AIIMS, कल्याणी से प्रोफेसर वाई. के. गुप्ता, AIIMS, ऋषिकेश की Director प्रोफेसर मीनू सिंह और उनके साथ प्रोफेसर पुनीत धामिजा, AIIMS, नई दिल्ली से प्रोफेसर (मेजर) एमडी. रे, टाटा मेमोरियल हॉस्पिटल (ACTREC), मुंबई से प्रोफेसर विक्रम गोटा, एवं NIPER , Mohali से प्रोफेसर संजय जाचक, आदि देश-विदेश के प्रतिष्ठित वैज्ञानिकों, शोधकर्ताओं और चिकित्सा विशेषज्ञों ने भाग लेकर आयुर्वेद, आधुनिक विज्ञान और चिकित्सा के समन्वय पर गहन मंथन किया। इस अवसर पर योगऋषि स्वामी रामदेव ने अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा कि शोध और वैज्ञानिक प्रमाणों पर आधारित चिकित्सा विज्ञान और वैदिक सनातन ज्ञान का संगम ही भविष्य की चिकित्सा पद्धति की दिशा सुनिश्चित कर सकता है। पतंजलि एक वैश्विक केंद्र के रूप में प्रमाण-आधारित भारतीय चिकित्सा को विश्वसनीयता प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। इस अवसर पर आचार्य बालकृष्ण ने कहा कि विश्वभर में आयुर्वेद और सिद्ध चिकित्सा पद्धति के साथ ही यूनानी, मिस्र, ग्रीक, तिब्बती, चीनी, जापानी, कोरियाई चिकित्सा पद्धति विद्यमान है, आवश्यकता है इन चिकित्सा पद्धतियों को शोध और साइंटिफिक वैलिडेशन के साथ विश्व के समक्ष प्रस्तुत करने की, जिससे एक होलिस्टिक और प्रिवेंटिव हेल्थ केयर मॉडल और ग्लोबल हेल्थ का एक सशक्त माध्यम बन सके जिससे जनमानस को रोगों के लिए एक सुगम, सुरक्षित, सुलभ समाधान मिले।

कार्यालय अधीक्षक, सब जेल बरेली, जिला रायसेन (म.प्र.)
ई-टेण्डरिंग निविदा वित्तीय वर्ष 2026-27
E-MAIL ID- subjailbareli@gmail.com CONTACT NO. 07486-231260
ई - निविदा सूचना (द्वितीय आमंत्रण)
म.प्र. जेल पूर्ति नियम 1968 एवं म.प्र. नवीन भण्डार क्रय नियम 2015 के अंतर्गत (फार्म (अ) नियम-6 देखिये)

समस्त पंजीकृत एवं प्रतिष्ठित व्यापारियों को सूचित किया जाता है कि सब जेल बरेली में परिरुद्ध बंदियों के लिये सब्जियाँ, दवाईयों एवं अन्य सामग्रीयो के क्रय हेतु वार्षिक निविदा ई-टेण्डरिंग के माध्यम से बेवसाइट http// www.mptenders.gov.in पर दिनांक 16.03.2026 को शाम 05:00 बजे तक आमंत्रित की जाती है। इच्छुक व्यापारीगण निविदा फार्म एवं निविदा से संबंधित अन्य जानकारी उक्त वेबसाइट पर देख एवं प्राप्त कर सकते है।

निविदा में संशोधन की स्थिति में बेवसाइट पर ही संशोधन देखा जा सकेगा। विस्तृत निविदा आमंत्रण सूचना व अन्य शर्तों से सबंधित जानकारी उक्त बेवसाइट पर ही देखी जा सकेगी।

सहायक जेल अधीक्षक
सब जेल बरेली, जिला रायसेन म0प्र0

जी-26428/25 स्वच्छता ही सेवा है

कार्यालय मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी जिला राजगढ़ म.प्र.
क्रमांक / निविदा/2026 / 5183 राजगढ़, दिनांक 19-2-2026

निविदा सूचना

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी जिला राजगढ़ अंतर्गत वित्तीय वर्ष वित्तीय बर्ष 2026-27 एवं 2027-28 हेतु विभिन्न राष्ट्रीय कार्यक्रम अंतर्गत प्रशिक्षण एवं कार्यशाला हेतु भोजन, चाय, नाश्ता एवं आवासीय व्यवस्था एवं विभिन्न राष्ट्रीय कार्यक्रमों हेतु मोबिलिटी सपोर्ट सर्विस एजेन्सी चयन हेतु एवं विभिन्न कार्यक्रमों हेतु स्टेशनरी एवं मुद्रण एवं आई.ई.सी. (फ्लेक्स, बैनर रजिस्टर मुद्रण आदि) ई - निविदाएं आमंत्रित की जाती है। ई - निविदा प्रपत्र म.प्र. शासन के ई-पोर्टल की वेबसाईट https://mptenders.gov.in पर उपलब्ध है। विवरण निम्न है।

1. राष्ट्रीय कार्यक्रम प्रशिक्षण एवं कार्यशाला हेतु भोजन, चाय, नाश्ता एवं आवासीय व्यवस्था, उपलब्ध कराने के संबंध मे।
2. विभिन्न राष्ट्रीय कार्यक्रमों हेतु मोबिलिटी सपोर्ट सर्विस हेतु एजेन्सी चयन के संबंध में।
3. विभिन्न राष्ट्रीय कार्यक्रमों हेतु स्टेशनरी एवं मुद्रण एवं आई.ई. सी. (फ्लेक्स, बैनर रजिस्टर मुद्रण एवं स्टेशनरी आदि) उपलब्ध कराने के संबंध में।

निविदा प्रपत्र तथा नियम व शर्तें निविदा प्रपत्र में अंकित है। निविदा प्रपत्र का मूल्य रू. 1000 / - (रू0 एक हजार मात्र) का ई-भुगतान कर अलग अलग प्राप्त किया जा सकता है। इस विज्ञापन के पश्चात अलग से कोई सूचना अथवा विज्ञापन नहीं दिया जावेगा।

E-Tender Key Dates

E-Published Date & Time	26-02-2026, 11:00 AM
Tender Purchasing Opening Date & Time	26-02-2026, 12:00 AM
Bid Submission Opening Date & Time	02-03-2026, 11:00 AM
Bid Submission Closing Date & Time	16-03-2026, 05:30 PM
Tender Opening Date & Time (Technical)	18-03-2026, 01:00 PM

तकनीकी निविदाएं दिनांक 17.03.2026 सायं 5.30 बजे स्पीड पोस्ट / रजिस्टर्ड डाक अथवा कार्यालयीन समय में आवक शाखा में उपस्थित होकर जमा किये जावेगें। दर्शाई गई दिनांक एवं समय के पश्चात् प्राप्त होने वाले अभिलेखों पर कोई विचार नहीं किया जावेगा, विलम्ब के लिए विभाग जिम्मेदार नहीं होगा विस्तृत एन.आई.टी. एवं अन्य जानकारी http:/ mptenders.gov.in) पर देखी जा सकती है। इस निविदा में से संबंधित कोई भी संशोधन आवश्यक होने पर वेबसाइट पर अपलोड किया जावेगा, इसके लिए पृथक से कोई सूचना प्रकाशित नहीं की जावेगी कोई भी निविदा अथवा समस्त निविदाएँ बगैर कारण बतायें निरस्त की जा सकती है।

नोट :- कृपया लिफाफे के ऊपर टेण्डर नम्बर एवं कार्य का नाम अवश्य लिखे अन्यथा लिफाफा स्वीकार नहीं किया जावेगा जिसके लिए विभाग जिम्मेदार नहीं होगा।

(डॉ. शोभा पटेल)
मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी
जिला राजगढ़ म0प्र0

जी-26433/25 स्वच्छता ही सेवा है

कार्यालय अधीक्षण यंत्री ग्रामीण यात्रिकी सेवा नर्मदापुरम् मण्डल नर्मदापुरम
Office Email IDseresnarmda@mp.gov.in, Office Phone No. 07574-250166
क्र. 337/निविदा/ ग्रा.यां. से./2026 नर्मदापुरम दिनांक 18/02/2026

संक्षिप्त निविदा आमंत्रण सूचना क्र. 14/2025-26 (प्रथम आमंत्रण)

मप्र के राज्यपाल की ओर से आनलाईन मोहरबंद प्रतिशत दर पर निविदायें फार्म 'ए' (Appendix 2.10) पर ग्रायांसे संभाग बैतूल जिला बैतूल की म.प्र. लोक निर्माण विभाग के केंद्रीयकृत प्रणाली में समतुल्य/सक्षम श्रेणी में पंजीकृत सी श्रेणी ठेकेदारों से 2 कवर पद्धति में सिविल कार्य हेतु ग्रायांसे में प्रचलित एस.ओ. आर दिनांक 11.04.2022 से प्रभावशील दर अनुसूची एवं विद्युतीकरण कार्य हेतु लो.नि. वि. के विद्युत एस. ओ. आर. दिनांक 01.01.2024 से प्रचलित दर अनूसूची (निविदा विज्ञप्ति जारी होने की दिनांक तक संशोधित) दर के आधार पर अधीक्षण यंत्री ग्रामीण यांत्रिकी सेवा नर्मदापुरम मंडल नर्मदापुरम के कार्यालय में आनलाइन आमंत्रित की जाती है।

क्र.	सिस्टम टेण्डर नं.	कार्य का नाम	निविदा की अनुमानित लागत (रू. लाख में)	अमानत राशि (रूपये में)	कार्य अवधि वर्षाकाल सहित (माह में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य
1	2	3	4	5	5	7
1.	2026_RES_481197	शासकीय हायर सेकेण्डरी स्कूल कोलगांव वि.ख. बैतूल में 02 अतिरिक्त कक्ष एवं लेब निर्माण कार्य, जिला बैतूल	3997880/-	50000/-	09 माह	5000/-
	योग:-		3997880/-	शब्दों में :- उनचालीस लाख सनतानवे हजार आठ सौ अस्सी रुपए मात्र।		

उपरोक्तानुसार निर्माण कार्य की निविदा आमंत्रण की निम्नानुसार तिथियाँ निर्धारित की जाती हैं:-

क्र.	विवरण	तिथि	समय
1	निविदा ऑनलाईन प्रकाशित होने के तिथि	27/02/2026	18:00
2	निविदा प्रपत्र ऑनलाईन क्रय करने की प्रारंभिक तिथि	28/02/2026	18:00
3	ऑनलाईन बिड प्रस्तुत करने की प्रारंभिक तिथि	28/02/2026	18:00
4	ऑनलाईन बिड प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि	16/03/2026	13:00
5	ऑनलाईन निविदा खुलने की तिथि	17/03/2026	13:00

निविदा प्रपत्र (Tender Document) वेबसाइट http://mptenders.gov.in पर ऑनलाईन प्रकाशित एवं डाउनलोड किये जा सकेंगे। निविदा से संबंधित समस्त आवश्यक संशोधन उपरोक्त वेब साइट पर ही दर्ज किए जाऐंगे। पृथक से समाचार पत्रों में प्रकाशन नहीं किया जाएगा।

अधीक्षण यंत्री
ग्रामीण यांत्रिकी सेवा,
नर्मदापुरम् मण्डल नर्मदापुरम

जी-26418/25

बाजार पर नजर

शेयर बाजार में आज

700

82,276

Nifty 50 Top Gainers

Scrip	High	%Gain
HCL Tech	1,391.40	2.91%
Bajaj Auto	10,160.00	2.73%
Tata Steel	216.45	2.63%
Shriram Finance	1,095.00	2.28%
Adani Enterpris	2,237.30	2.23%

Nifty 50 Top Losers

Scrip	Close	%Loss
Reliance	1,440.50	-2.12%
SBI	1,228.10	-1.90%
Adani Ports	1,584.00	-1.72%
Eternal	256.60	-1.50%
Bharti Airtel	1,961.80	-1.42%

फोरेक्स रेट

मुद्रा	बिक्री
$ डॉलर	90.950
€ यूरो	107.22
¥ येन	0.5807
£ पौंड	122.97

कीमतें गिरने से बढ़ी भारतीय सोलिटेयर रिंग्स की मांग

30 फीसदी तक नीचे आए दाम, 28-40 आयु के उपभोक्ताओं में क्रेज

नई दिल्ली, जेएनएन। हीरों की कीमतों में भारी गिरावट ने देश में ज्वैलरी खरीदने के रुझानों को बदल दिया है। उद्योग विशेषज्ञों के अनुसार 28-40 वर्ष की आयु के उपभोक्ताओं में सोलिटेयर रिंग्स की मांग बढ़ रही है। इस खंड में बिक्री साल-दर-साल लगभग 25 फीसीदी बढ़ी है क्योंकि बेहतर किफायती होने के कारण अधिक खरीदार बाजार में आ रहे हैं। जेन डायमंड इंडिया के मैनेजिंग डायरेक्टर नील सोनावाला ने बताया कि कीमत में यह बदलाव लोकप्रिय आइटमों की लागत को काफी कम कर रहा है। 1 कैरेट की इंगेजमेंट रिंग, जिसकी पिछले वित्तीय वर्ष में कीमत 7 से 8 लाख रुपये थी, अब लगभग 5 से 5.5 लाख रुपये में उपलब्ध है। उन्होंने यह भी कहा कि कम कीमत वाले रत्नों की मांग भी बढ़ रही है। लगभग 2 लाख रुपये की कीमत वाले हीरे अधिक बिक रहे हैं क्योंकि रिकॉर्ड स्तर की सोने की कीमतें खरीदारों को ऐसे हीरे चुनने के लिए प्रेरित कर रही हैं जिनमें कीमती धातु कम इस्तेमाल होती है। इस वित्तीय वर्ष में सोलिटेयर की मांग साल-दर-साल 25-35 फीसदी बढ़ी है। इस वृद्धि का मुख्य कारण ग्लोबल प्राइस सुधार और निवेश-आधारित खरीद की ओर उपभोक्ताओं के मजबूत रुझान से बेहतर किफायती होना रहा है, सोनावाला ने जोड़ा। चूंकि डायमंड जड़ित ज्वैलरी में सोने की मात्रा कम होती है, इसलिए युवा महत्वाकांक्षी पीढ़ी इंगेजमेंट और सालगिरह के लिए सोलिटेयर का चुनाव कर रही है। मिलेनियल्स अधिकांश खरीदार हैं। वे 2 लाख रुपये की सोलिटेयर खरीद रहे हैं, जो 20 ग्राम सोने की अंगूठी या चेन की तुलना में सस्ती है। बढ़ती सोने की कीमतों ने सोलिटेयर की बिक्री को बढ़ावा दिया है, उन्होंने कहा। जेन डायमंड इंडिया नए ग्राहकों में भी वृद्धि दर्ज कर रहा है। कंपनी ने पहली बार खरीदारी करने वाले ग्राहकों में लगभग 35-40 फीसदी वृद्धि दर्ज की है, खासकर 28-40 वर्ष की आयु समूह में। जबकि इंगेजमेंट अभी भी प्रमुख खरीदारी का कारण है, खरीदारी के उद्देश्य अब विविध हो रहे हैं।

इंगेजमेंट प्रमुख कारण बने हुए हैं, लेकिन लगभग 30 फीसदी सोलिटेयर खरीद अब स्व-खरीदारी या किसी महत्वपूर्ण अवसर पर की जा रही है, सोनावाला ने कहा। ज्वैलर्स ने कहा कि हीरों की कीमतों में सुधार ने प्रवेश बाधाओं को कम कर दिया है और उपभोक्ता आधार का विस्तार किया है।

उद्योग विशेषज्ञ ने हीरे बाजार का आकार 90,000 करोड़ आंका

प्राकृतिक हीरों की कीमतें कमजोर निर्यात मांग के कारण तेज़ी से गिर गई हैं। यह मंदी उस समय शुरू हुई जब अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा उच्च शुल्क लगाया गया, जबकि चीन, जो भारतीय कटे और पॉलिश किए गए हीरों का दूसरा सबसे बड़ा खरीदार है, ने भी खरीद कम कर दी। मुंबई स्थित पॉली एंड संस के मैनेजिंग डायरेक्टर राजीव पोपले ने कहा कि खरीदारी में बदलाव मुख्य रूप से युवा उपभोक्ताओं द्वारा किया जा रहा है।

700 अंक ऊपर चढ़ने के बाद सेंसेक्स 82,276 पर बंद

मुंबई, जेएनएन। शेयर बाजार 25 फरवरी को फ्लैट बंद हुआ। सेंसेक्स 50 अंक की मामूली बढ़त के साथ 82,276 पर बंद हुआ। वहीं निफ्टी में 58 अंक की तेजी रही, ये 25,483 पर बंद हुआ। हालांकि दिन के कारोबार के दौरान सेंसेक्स में 700 अंक और निफ्टी में 250 अंक की बढ़त देखने को मिली थी। आज के कारोबार में फार्मा, ऑटो और आईटी शेयरों में ज्यादा खरीदारी रही। सरकार रेलवे की फाइनेंस कंपनी आईआरएफसी में अपनी 4 फीसदी तक हिस्सेदारी बेच रही है। यह बिक्री ऑफर फॉर सेल के जरिए की जा रही है। यह ऑफर नॉन-रिटेल निवेशकों के लिए आज से खुल गया है। वहीं, रिटेल निवेशक गुरुवार, 26 फरवरी को अपनी बोलियां लगा सकेंगे। इसके लिए फ्लोर प्राइस 104 प्रति शेयर तय किया गया है। मंगलवार, 24 फरवरी को आईआरएफसी का शेयर 109.40 पर बंद हुआ था। यानी सरकार निवेशकों को मौजूदा कीमत से डिस्काउंट पर शेयर ऑफर किया है। हालांकि आज ये शेयर करीब 4 फीसदी नीचे 105 रुपए पर आ गया है। वहीं सेंसेक्स में कल यानी मंगलवार 24 फरवरी को गिरावट रही।

आईआरएफसी में 4 फीसदी हिस्सेदारी बेचेगी सरकार, फ्लोर प्राइस 104 तय

मुंबई, जेएनएन। सरकार रेलवे की फाइनेंस कंपनी आईआरएफसी में अपनी 4 फीसदी तक हिस्सेदारी बेच रही है। यह बिक्री ऑफर फॉर सेल के जरिए की जा रही है। यह ऑफर नॉन-रिटेल निवेशकों के लिए आज से खुल गया है। वहीं, रिटेल निवेशक गुरुवार, 26 फरवरी को अपनी बोलियां लगा सकेंगे। इसके लिए फ्लोर प्राइस 104 प्रति शेयर तय किया गया है। मंगलवार, 24 फरवरी को आईआरएफसी का शेयर पर बंद हुआ था। यानी सरकार निवेशकों को मौजूदा कीमत से डिस्काउंट पर शेयर ऑफर किया है। हालांकि आज ये शेयर करीब 4 फीसदी नीचे 105 रुपए पर आ गया है। आइआरएफसी में सरकार की कुल हिस्सेदारी 86.36 फीसदी है। ओएफएस के जरिए सरकार 2 फीसदी हिस्सेदारी बेचेगी, जिसमें 2 फीसदी अतिरिक्त हिस्सेदारी बेचने का ग्रीन शू ऑप्शन भी है। अगर यह पूरा 4 फीसदी हिस्सा बिक जाता है, तो कंपनी में सरकारी हिस्सेदारी घटकर 82.36 फीसदी रह जाएगी। डिपार्टमेंट ऑफ इन्वेस्टमेंट एंड पब्लिक एसेट मैनेजमेंट के सचिव ने कहा कि 104 प्रति शेयर के हिसाब से 4 फीसदी हिस्सेदारी (करीब 52.26 करोड़ शेयर) बेचने पर सरकार को लगभग 5,430 करोड़ मिलेंगे। बेस ऑफर साइज 26.13 करोड़ शेयरों का रखा गया है। डीआईपीएएम सचिव के मुताबिक, यह ऑफर नॉन-रिटेल निवेशकों के लिए बुधवार, 25 फरवरी को खुल गया है। रिटेल निवेशक 26 फरवरी को अपनी बोलियां लगा सकेंगे।

5,430 करोड़ जुटाने का लक्ष्य, रिटेल निवेशक आज से बोली लगा सकेंगे

पूर्व मध्य रेल

खुली ई–निविदा सूचना

खुली ई–निविदा सूचना सं.– SEE-GSU-BLT-25-26-02

CAO/CON/RSP/MHX भारत के राष्ट्रति की ओर से निम्नलिखित कार्य के लिए 'खुली ई–निविदा आमंत्रित करते हैं। ई–निविदा की अंतिम तिथि 18.03.2026 को 15:00 बजे तक निर्धारित है। ई–निविदा संबंधी एवं निविदा प्रपत्र का अवलोकन वेबसाइट www.ireps.gov.in. पर किया जा सकता है।

Name of works : At HJP & SEE :- Provision of Ballastless track at Line No. 1, 4 & 6 platform lines of Hajipur and line No. 3 & 6 in Sonpur. Approx Cost (In Rs.) ₹22,26,54,850.43, Earnest Money (In Rs.): ₹12,63,300/-

उपरोक्त निविदा सूचना वेबसाइट www.ireps.gov.in. पर उपलब्ध है। निविदा संबंधी रेल का अधिकार–किसी भी निविदा को स्थगति करने/निरस्त करने अथवा निविदा में सुधार करने हेतु रेलवे का अधिकार सुरक्षित रहेगा। निविदा दाता का इसमें कोई दावा मान्य नहीं होगा।

उप मुख्य परियोजना प्रबंधक/ गतिशक्ति/पूमरे/सोनपुर

पीआर/1849/एसईई/जीएस/अभि./टी/25–26/32

पूर्व मध्य रेल

ई–निविदा सूचना सं० एस.जी. 664–17–टेली–2025–26

भारत के राष्ट्रपति की ओर से निम्न कार्य हेतु ई. निविदा आमंत्रित की जाती हैं। (1) **कार्य का नाम:** (1) बुकरू टेशन (BUKR) में वायरलेस चैनल पर ब्लॉक, एक्सल काउंटर और दूसरे टेलीकॉम सर्किट के काम करने के लिए कम्युनिकेशन मीडिया का इंतजाम। (2) धनबाद डिवीजन में काम करने वाले MTRC सब्सक्राइबर को NR (नई दिल्ली) MSC से NFR MSC (गुवाहाटी) में शिफ्ट करना। 3) धनबाद के अलग–अलग स्टेशनों पर स्टेशन VHF कम्युनिकेशन रिकॉर्डिंग सुविधा का इंतजाम करने हेतु। (2) **कार्य का आकलित मुल्य:** रू०5,81,53,617.09 (3) **कार्य का अग्रधन राशि:** रू० 4,40,800.00 (4) **निविदा बंद होने की तिथि एवं समय:** 23–03–2026 (12:00 बजे) (5) ऐसी ई. निविदाओं के तहत डाक/कूरियर/फैक्स या व्यक्तिगत रुप से भेजा गया कोई भी मैनुअल प्रस्ताव स्वीकार नहीं किया जायेगा, भले ही यह फर्म के लेटर हेड एवं नियत समय पर प्राप्त किया गया हो। ऐसे सभी मैनुअल प्रस्ताव को अवैध माना जायेगा तथा उसके बारे में किसी विचार के बिना तत्काल निरस्त कर दिया जायेगा। उपरोक्त ई निविदा के ई. निविदा दस्तावेज सहित संपूर्ण जानकारी वेबसाइट: http//www.ireps.gov.in पर उपलब्ध होंगे। **द्रष्टव्य:**– प्रत्याशित निविदाकारों को यह सलाह दी जाती है कि इस ई. निविदा के लिए जारी कोई भी परिवर्तन / शुद्धिपत्र की ओर ध्यान देने के लिए वे निविदा बंद होने की अंतिम तिथि से कम से कम दस दिन पहले वेबसाइटः http//www.ireps.gov.in का अवलोकन करें।

वरीय मंडल संकेत एवं दूर संचार अभियंता, पूर्व मध्य रेल, धनबाद

पीआर/1839/डीएचएन/एसएण्डटी/टी/25–26/36

चंद्रशेखरन के कार्यकाल विस्तार पर नोएल की शर्तें

नई दिल्ली, जेएनएन। एक असामान्य नतीजे में, टाटा संस ने अपने चेयरमैन एन चंद्रशेखरन का कार्यकाल अगले पांच वर्षों के लिए बढ़ाने के फैसले को टाल दिया, जब टाटा ट्रस्ट्स के चेयरमैन, नोएल टाटा ने सवाल उठाए। टाटा ने एक कड़े परीक्षक के रूप में काम करते हुए कई अनसूचित कंपनियों द्वारा हुए घाटों के बारे में बोर्ड मीटिंग में कई प्रश्न उठाए और उनके लिए कार्यकाल बढ़ाने की मंजूरी देने से पहले कई शर्तें रखीं। मामला लगभग तय माना जा रहा था, क्योंकि टाटा संस के चार निदेशक चंद्रशेखरन का कार्यकाल बढ़ाने के पक्ष में थे और इसे वोटिंग के लिए तैयार थे। लेकिन चंद्रशेखरन ने प्रस्ताव रखा कि जब तक सहमति नहीं बनती, तब तक इस फैसले को टाल दिया जाए, यह परंपरा दिवंगत रतन टाटा द्वारा निभाई जाती रही थी। सीधे शब्दों में, वह चाहते थे कि नोएल टाटा कार्यकाल विस्तार के लिए सहमति दें। टाटा संस की अगली बोर्ड बैठक, जो जून में होने वाली है, निर्णायक होने की उम्मीद है।

कंपनियों को घाटे का सवाल उठाया

कम प्रोफाइल वाले नोएल टाटा, जिन्होंने अनसूचित कंपनियों में हुए घाटों पर सवाल उठाए, समूह कंपनियों में कर्ज बढ़ाने के खिलाफ हैं और इन व्यवसायों में घाटे को सीमित करने के पक्षधर हैं। घाटे में कमी लाना नोएल टाटा द्वारा कार्यकाल विस्तार की मंजूरी देने के लिए रखी गई शर्तों में से एक है। वह स्पष्ट रूप से यह सुनिश्चित करना चाहते हैं कि समूह कर्ज से दबा न हो और रतन टाटा की विरासत को बनाए रखा जाए।

मार्च में 18 दिन बंद रहेंगे बैंक, महज 13 कार्य दिवस

5 रविवार, 2 शनिवार और 11 दिन कई शहरों में नहीं होगा कामकाज

नई दिल्ली, जेएनएन। फरवरी का महीना अब खत्म होने वाला है और जल्द ही मार्च शुरू हो जाएगा। अगर आप मार्च 2026 में बैंक से जुड़ा कोई जरूरी काम करने की सोच रहे हैं, तो यह खबर आपके लिए बेहद काम की है। आज भी कई ऐसे काम होते हैं जिनके लिए हमें खुद बैंक शाखा में जाना पड़ता है। ऐसे में अगर बैंक बंद मिला तो आपका काम अटक सकता है। आरबीआई की वेबसाइट के मुताबिक, मार्च महीने में कुल 18 दिन बैंक अलग-अलग कारणों से बंद रहेंगे। ऐसे में अगर आपको अगले महीने बैंक से जुड़ा कोई जरूरी काम हो तो इन छुट्टियों को ध्यान में रखना होगा।

मार्च 2026 में राज्य या लोकेशन में बैंक बंद रहेंगे: ऑनलाइन बैंकिंग के जरिए निपटा सकेंगे काम आप बैंकों की छुट्टी के बावजूद ऑनलाइन बैंकिंग और एटीएम के जरिए पैसे का लेनदेन या अन्य काम कर सकते हैं। इन सुविधाओं पर बैंकों की छुट्टियों का कोई असर नहीं पड़ेगा। मार्च में शेयर बाजार में 12 दिन कारोबार नहीं मार्च 2026 में शेयर बाजार में 12 दिन कारोबार नहीं होगा। इसमें 9 दिन शनिवार और रविवार को कारोबार नहीं होगा। इसके अलावा शेयर बाजार 3 मार्च को होली, 26 मार्च को श्री रामनवमी और 31 मार्च को श्री महावीर जयंती पर भी बंद रहेगा।

मार्च में इन दिनों बंद रहेंगे बैंक

- **1 मार्च** को रविवार का दिन है, इसलिए पूरे देश में बैंक बंद रहेंगे।
- **2 मार्च** को होलिका दहन के कारण कानपुर और लखनऊ में बैंक नहीं खुलेंगे।
- **3 मार्च** को होली और उससे जुड़े त्योहारों के चलते कई शहरों जैसे भोपाल, देहरादून, गुवाहाटी, हैदराबाद, जयपुर, कोलकाता, मुंबई, पटना, रांची और अन्य शहरों में बैंक बंद रहेंगे।
- **4 मार्च** को भी होली के दूसरे दिन और अलग-अलग राज्यों में मनाए जाने वाले त्योहारों के कारण कई शहरों में बैंक की छुट्टी रहेगी। इनमें अहमदाबाद, भुवनेश्वर, चंडीगढ़, जम्मू, नई दिल्ली, रायपुर, शिलांग और शिमला जैसे शहर शामिल हैं।
- **8 मार्च** को रविवार होने के कारण देशभर में बैंक बंद रहेंगे।
- **13 मार्च** को चापचर कुट के कारण आइजोल में बैंक नहीं खुलेंगे।
- **14 मार्च** को दूसरा शनिवार है, इसलिए पूरे देश में बैंक बंद रहेंगे। इसके अगले दिन 15 मार्च को रविवार है, जिससे फिर सभी बैंक बंद रहेंगे।
- **17 मार्च** को शब-ए-कद्र के मौके पर जम्मू और श्रीनगर में बैंक बंद रहेंगे।
- **19 मार्च** को गुड़ी पड़वा, उगादी और नवरात्र की शुरुआत जैसे त्योहारों के कारण कई शहरों में बैंक की छुट्टी रहेगी, जिनमें मुंबई, बेंगलुरु, चेन्नई, हैदराबाद और श्रीनगर शामिल हैं।
- **20 मार्च** को ईद-उल-फितर और जुमात-उल-विदा के कारण जम्मू, कोच्चि, श्रीनगर, तिरुवनंतपुरम और विजयवाड़ा में बैंक बंद रहेंगे।
- **21 मार्च** को रमजान ईद और सरहुल के कारण अधिकतर शहरों में बैंक बंद रहेंगे, हालांकि कुछ शहरों में बैंक खुले रहेंगे।
- **22 मार्च** को रविवार होने से पूरे देश में बैंक नहीं खुलेंगे।
- **26 मार्च** को राम नवमी के कारण कई बड़े शहरों में बैंक बंद रहेंगे।
- **27 मार्च** को भी कुछ राज्यों में राम नवमी के अवसर पर छुट्टी रहेगी।
- **28 मार्च** को चौथा शनिवार है और 29 मार्च को रविवार, इसलिए इन दोनों दिनों पूरे देश में बैंक बंद रहेंगे।

उत्तर मध्य रेलवे

ई-निविदा सूचना सं. 2026-फरवरी-04 | दिनांक : 24.02.2026

ई–निविदा सूचना

मंडल रेल प्रबन्धक/इंजीनियरिंग/उत्तर मध्य रेल आगरा द्वारा भारत के राष्ट्रपति के लिये एवं उनकी ओर से निम्नलिखित कार्यों के लिये "खुली निविदा" ई-टेण्डरिंग केवल ऑनलाइन के माध्यम से आमंत्रित की जाती है।

क्र.सं : 1	निविदा सं.: 2026-फरवरी-04-01	अनुमानित लागत (₹): ₹ 30940504.13
कार्य का विवरण: बांदीकुई स्टेशन पर रनिंग रूम (18 कमरे, 36 बिस्तर) का प्रावधान।		
क्र.सं : 2	निविदा सं.: 2026-फरवरी-04-02	अनुमानित लागत (₹): ₹ 22101730.69
कार्य का विवरण: मण्डल रेल प्रबंधक कार्यालय आगरा कैंट के कैंपस के लिए परिसंचारी क्षेत्र का विकास और अन्य सहायक कार्य		

निविदा को प्रस्तुत करने एवं निविदा के बारे में पूरी जानकारी के लिए भारतीय रेल की बेवसाइट www.ireps.gov.in पर देखें। निविदायें केवल बेव पोर्टल www.ireps.gov.in के माध्यम से दिनांक 17.03.2026 को 15:00 बजे तक प्रस्तुत की जा सकती हैं। 436/26(DG)

North central railways | @CPRONCR | www.ncr.indianrailways.gov.in

उत्तर मध्य रेलवे

निविदा सूचना सं0: JHS/Br/L/2025-26/17 | दिनांक: 23.02.2026

ई-टेण्डरिंग निविदा सूचना

उप मुख्य इन्जी/ब्रिज/लाइन/उत्तर मध्य रेलवे, झाँसी द्वारा भारत के राष्ट्रपति के लिये एवं उनकी ओर से निम्नलिखित निर्धारित कार्य के लिये ई-निविदा निर्धारित प्रपत्र पर **दिनांक 24.03.2026** को **15.00 बजे** तक आमंत्रित की जाती है। कार्य का विवरण निम्न प्रकार है:-

निविदा नं.: Br-JHS-2025-17	अनुमानित मूल्य (रू): ₹ 4,42,11,012.76
कार्य का विवरण: VGLJ-BINA खंड के अंतर्गत जाखलोन (JLN) स्टेशन पर न्यूनतम आवश्यक सुविधाओं की कमी को पूरा करने के लिए रैंप सहित 3 मीटर चौड़े फुट ओवरब्रिज का प्रावधान।	
बयाने की रकम (रू): ₹ 3,71,100.00	निविदा बंद की तिथि: 24.03.2026
सिमिलर वर्क के लिये न्यूनतम वांछनीय आधार: स्टील पुलों/फुट ओवर ब्रिज का फैब्रिकेशन एवं इरेक्शन/लांचिग का कार्य।	

कार्य समापन की अवधि: 10 महीना। **नोट:- (1)** उपर्युक्त ई-निविदा का पूर्ण विवरण निविदा प्रपत्र सहित वेब साइट पर **समय 15.00 बजे** तक निविदा बंद की तिथि **दिनाक 24.03.2026** तक उपलब्ध है। **(2)** उपर्युक्त निविदा में ई-बिड के अलावा किसी अन्य रूप में बिड स्वीकार नहीं की जायेगी। इस प्रयोजन हेतु वेन्डरों को चाहिये कि वे अपने आपको IT Act 2000 के अन्तर्गत C.C.A. द्वारा जारी डिजिटल हस्ताक्षर प्रमाण पत्र के साथ IREPS की वेबसाइट पर पंजीकृत करायें। **(3)** निविदा की दरें केवल डिजिटल हस्ताक्षरित फाइनेन्सियल रेट पेज पर ही विचारणीय है। दरें तथा अन्य वित्तीय प्रभार अन्य किसी भी फार्म/लेटर हेड पर यदि सलग्न है तो उस पर विचार नहीं किया जायेगा तथा सीधी तौर पर अमान्य कर दिया जायेगा। **(4)** संलग्न किये जाने वाले सभी प्रपत्र निविदाकर्ता द्वारा हस्ताक्षरित होने चाहिये। **(5)** बयाने की राशि केवल नेट बैंकिंग अथवा गेट वे भुगतान या बैंक गारण्टी के रूप में ही स्वीकार की जायेगी। **(6)** किसी भी प्रकार की तकनीकी समस्या के समाधान के लिये IREPS की वेबसाइट की हेल्पलाइन से सम्पर्क किया जा सकता है। **(7)** आनलाइन निविदा **दिनांक 24.03.2026 15:00 बजे** तक प्रस्तुत की जा सकती है। 421/26(A)

North central railways | @CPRONCR | www.ncr.indianrailways.gov.in

ब्रिटेन जाने वाले भारतीयों के लिए अब ई-वीजा किया गया अनिवार्य

नई दिल्ली, जेएनएन। ब्रिटेन ने अपनी वीजा प्रणाली को पूरी तरह डिजिटल करते हुए भारतीय यात्रियों के लिए ई-वीजा अनिवार्य कर दिया है। नई व्यवस्था के तहत पारंपरिक पेपर वीजा स्टिकर की जगह डिजिटल ई-वीजा लागू होगा। वहीं, जिन देशों के नागरिकों को पहले वीजा की जरूरत नहीं थी, उन्हें अब यात्रा से पहले इलेक्ट्रॉनिक ट्रैवल ऑथराइजेशन (ईटीए) लेना होगा। ब्रिटेन के आव्रजन एवं नागरिकता मंत्री माइक टैप ने कहा कि यात्रियों को पहले से आवश्यक अनुमति सुनिश्चित करनी चाहिए, ताकि उनकी यात्रा सुगम रहे।

नई प्रणाली में बायोमेट्रिक पंजीकरण के लिए वीजा आवेदन केंद्र पर व्यक्तिगत रूप से जाना होगा। हालांकि, अब आवेदन प्रक्रिया के दौरान पासपोर्ट जमा छोड़ने की आवश्यकता समाप्त कर दी गई है। ब्रिट्रेन जाने वाले यात्री अब यूके सरकार की आधिकारिक वेबसाइट पर ऑनलाइन आवेदन कर आवश्यक दस्तावेज अपलोड करने के बाद वीजा शुल्क का ऑनलाइन भुगतान कर सकते हैं। साथ ही नजदीकी वीजा एप्लिकेशन सेंटर पर बायोमेट्रिक देकर अपना ई-वीजा हासिल कर सकते हैं।

यह हुए बदलाव

- अब पासपोर्ट पर वीजा स्टिकर नहीं लगेगा।
- वीजा स्टेटस ऑनलाइन ई-वीजा के रूप में उपलब्ध रहेगा।
- एयरलाइंस यात्रा से पहले डिजिटल अनुमति की जांच करेंगी।
- बिना वैध ई वीजा या ईटीए के बोर्डिंग से रोका जा सकता है।

कार्यालय नगर पालिका परिषद् हरदा जिला हरदा (म.प्र.)

Email-cmoharda@mpurban.gov.in | conn. 07577222238
https://nagarpalikaharda.org | Toll free No. 18002331353

क्रमांक 1082/लो.नि./2026 | हरदा, दिनांक 23/2/26

(नियम 91(1) (क) (11)
ई-नगर पालिका आमंत्रण सूचना का प्रारूप
मध्यप्रदेश शासन
नगर पालिका का नाम - नगर पालिका परिषद हरदा

एन.आई.टी. संख्या 4920/ई-टेंडरिंग

निम्नलिखित निर्माण/आपूर्ति/सेवाओं के लिये निविदा मापदंडों को पूरा करने वाले ठेकेदारों/कंसल्टेंट्स और प्राप्त फर्म्स से ऑनलाईन निविदा आमंत्रित है-

क्र.सं./पैकेज	निर्माण कार्य/आपूर्तियाँ/सेवाएं	जिला	संभावित राशि	समापन अवधि
2026_UAD_483506_1	सीमेन्ट, सरिया, पेन्ट, चूना एवं अन्य मटेरियल क्रय वर्ष 2026-27	हरदा	25 लाख	31 मार्च 2027

01. इच्छुक बोलीदाता वेबसाईट पर एनआईटी देख सकता है www.mptenders.gov.in
02. बोली दस्तावेज सार्वजनिक अवकाश को छोड़कर टेंडर क्र. 1. 2026_UAD_483506_1 से 20.03.2026 समय 5:30 बजे तक।
03. एनआईटी में संशोधन यदि कोई होता है तो केवल वेबसाईट पर प्रकाशित किया जाएगा, समाचार पत्र में नहीं।
04. किसी भी स्पष्टीकरण की आवश्यकता हो तो कृपया श्री अरुण पर्ते उपयंत्री मोबाईल नं. 8827416868 पर संपर्क करें।

मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर पालिका परिषद हरदा

कार्यालय मुख्य अभियंता, लोक निर्माण विभाग, रीवा परिक्षेत्र रीवा (म.प्र.)

website:www.mppwd.gov.in Email:-cepwdrewa@mp.nic.in
phone no. 07662-255200, Fax : 255380

निविदा आमंत्रण सूचना

निविदा सूचना क्र. 14/सा./ 2025-26 | रीवा दिनांक 16.02.2026

निम्नलिखित कार्यों हेतु निविदा आमंत्रित की जाती है। उल्लेखित कार्य का विस्तृत विवरण वेबसाईट www.mptenders.gov.in पर देखा जा सकता है।

क्र.	टेण्डर आई.डी. क्रमांक	संभाग का नाम	कार्य का नाम	आमंत्रण क्र.	कार्य पूर्ण करने की समयावधि	कार्य की अनुमानित राशि (लाख में)	अमानत राशि (रुपये में)	निविदा फार्म (रुपये में)
1	2	3	4	5	6	7	8	9
1	2026_PWDRB_482864_1	सिंगरौली	उपसंभाग बैढ़न अन्तर्गत मुड़ी मेन रोड से कचरा आदिवासी बस्ती ग्राम पंचायत जीर मार्ग लंबाई 4.10 कि.मी. का निर्माण कार्य।	द्वितीय	07 माह वर्षाकाल सहित	522.10	522100/-	20000/-
2	2026_PWDRB_482865_1	शहडोल	पाण्डवनगर शहडोल कालोनी में सी.सी. मार्ग का निर्माण कार्य लंबाई 3.00 कि.मी.।	द्वितीय	08 माह वर्षाकाल सहित	688.15	688150/-	20000/-
				Total:-	1210.25			

उपरोक्त बेवसाईट आनलाईन भुगतान करने के उपरान्त निविदा प्रपत्र (टेण्डर डॉक्यूमेन्ट) वेबसाईट के माध्यम से प्राप्त हो सकेगा। निविदा प्रपत्र क्रय करने तथा आनलाईन बिड सबमिशन की प्रारंभिक तिथि दिनांक **21.02.2026** से अंतिम तिथि **13.03.2026 सायं 17.30 बजे** तक निर्धारित है। विस्तृत एन.आई.टी. एवं अन्य जानकारी उपरोक्त वेबसाईट में देखा जा सकता है। निविदा में होने वाले समस्त संशोधन का प्रकाशन केवल उपरोक्त वेबसाईट में किया जावेगा। पृथक से समाचार पत्र में प्रकाशन नही किया जावेगा।

मुख्य अभियंता
लो.नि.वि. रीवा परिक्षेत्र रीवा

जी-26351/25 | पॉक्सो है सुरक्षा का हथियार, बच्चों पर न करें अत्याचार

कार्यालय कार्यपालन यंत्री, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकीय खण्ड बैतूल (म. प्र.)

दूरभाष (07141) कार्यालय 238320, Email- eephedbet@mp.nic.in

// निविदा आमंत्रण सूचना//

क्रमांक 348/लेखा/का.यं./लोस्वायांवि.खंड/बैतूल/दिनांक 16.02.2026

निम्नलिखित कार्य की निविदाएं ई-टेण्डरिंग पद्धति से पोर्टल https://mptenders.gov.in बैतूल जिले के विभिन्न विकासखंडों के विभिन्न ग्रामों में जल जीवन मिशन के अंतर्गत (आधे अधूरे छोड़े गये कार्यों को पूर्ण करने संबंधी) ट्यूबवेल पर आधारित रेट्रोफिटेड पाईप जलापूर्ति का निर्माण, निष्पादन उच्चस्तरीय जल संग्रहण टंकी निर्माण एवं सम्पवेल निर्माण, राईजिंगमेन, जल वितरण नलिका, सबमर्सिबल मोटरपंप की स्थापना एवं इत्यादि संबंधी सामग्री एवं लेबर सहित कार्य हेतु निविदा प्रतिशत दर पर दिनांक 03.07.2018 से प्रभावशील एस.ओ.आर. पर निम्नानुसार आमंत्रित की जाती हैं:-

स. क्र.	निविदा सूचना क्रमांक व दिनांक	ऑनलाईन ई-टेण्डर आई.डी.	कार्य का विवरण	निविदा की अनुमानित लागत (रु. लाख में)	धरोहर राशि (रु. में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य (रु. में)	कार्यपूर्ण करने की समयावधि	निविदा आमंत्रण सूचना	ठेकेदार की श्रेणी
1	86//2025- 26 Dt.16.02.2025	2026_PHED_482873_1	बैतूल जिले के विभिन्न विकासखंडों के विभिन्न ग्रामों में जल जीवन मिशन के अंतर्गत (आधे अधूरे छोडे गये कार्यो को पूर्ण करने संबंधी) ट्यूबवेल पर आधारित रेट्रोफिटेड पाईप जलापूर्ति का निर्माण, निष्पादन उच्चस्तरीय जल संग्रहण टंकी निर्माण एवं सम्पवेल निर्माण, राईजिंगमेन, जल वितरण नलिका, सबमर्सिबल मोटरपंप की स्थापना एवं इत्यादि संबंधी सामग्री एवं लेबर सहित कार्य	165.19	165190	12500	45 दिवस	प्रथम	नवीन केन्द्रीकृत पंजीयन प्रणाली

ऑनलाईन निविदा विक्रय की प्रारम्भिक तिथि व समय	:-	16.02.2026	11.00	बजे से
ऑनलाईन निविदा दर डालने की अंतिम तिथि व समय	:-	28.02.2026	17.30	बजे तक
ऑनलाईन निविदा खोलने की संभावित तिथि व समय	:-	02.03.2026	11.00	बजे से

निविदा फार्म ऊपर दर्शित वेबसाईट पर (Online System) ऑनलाईन भुगतान कर ही क्रय किये जा सकते हैं। आवश्यक होने पर निविदा से संबंधित समस्त शुद्धिपत्र उपरोक्त वेबसाईट पर जारी किये जायेंगे।

कार्यपालन यंत्री
लोक स्वास्थ्य यांत्रिकीय खण्ड
बैतूल (म.प्र.)

जी-26380/25 | पॉक्सो है सुरक्षा का हथियार, बच्चों पर न करें अत्याचार

सेमीफाइनल की उम्मीदें जिंदा रखने जिम्बाब्वे से भिड़ेगा भारत

सुपर-8 में दोनों टीमों के बीच मैच आज शाम सात बजे से चेन्नई में

जेएनएन, चेन्नई

शीर्षक्रम की नाकामी और पिछली हार के बाद भारी दबाव से जूझ रही गत चैंपियन भारतीय टीम को 'जाइंट किलर' जिम्बाब्वे के खिलाफ टी-20 विश्व कप सुपर आठ चरण के 'करो या मरो' के मुकाबले में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा। दक्षिण अफ्रीका से रविवार को 76 रन से हार के बाद भारत का नेट रनरेट (माइनस 3.80) खराब हो गया है, जिससे सेमीफाइनल की उम्मीद बनाए रखने के लिए यह मुकाबला हर हालत में बड़े अंतर से जीतना होगा। अन्य चीजें भारत के हाथ में नहीं है इसलिए भारत की पहली प्राथमिकता अगले दोनों मुकाबले जीतने पर होगी। हालांकि इस मुकाबले में भारत के पास खोने के लिए काफी कुछ है, लेकिन जिम्बाब्वे इस विश्व कप से ऑस्ट्रेलिया और श्रीलंका जैसी बड़ी टीम को हराने की यादों के साथ विदा लेगी। भारत ने इस विश्व कप में सबसे बड़े दावेदार के तौर पर प्रवेश किया था, लेकिन दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ मुकाबले से पहले भी भारतीय बल्लेबाज ऐसे तरीकों से संघर्ष करते पाए गए, जिसकी टूर्नामेंट की शुरुआत से पहले किसी ने कल्पना भी नहीं की होगी। कागज पर भारतीय टीम ऐसी है, जो जिम्बाब्वे को 10 में से नौ बार हरा सकती है, लेकिन अगर जिम्बाब्वे की ओर से तेज गेंदबाज ब्लेसिंग मुजाराबनी और सिकंदर रजा अपनी स्पिन से भारतीय बल्लेबाजों से गलती करवाने में सफल होते हैं और जिम्बाब्वे उन गलतियों को भुना लेते है, तो वह निश्चित तौर पर मुकाबले में जान फूंक सकते हैं।

भारत के शीर्षक्रम को करना होगा बेहतर प्रदर्शन

विश्व कप से पहले सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा और इशान किशन शानदार फॉर्म में थे, जिन्होंने दक्षिण अफ्रीका और न्यूजीलैंड के खिलाफ उम्दा प्रदर्शन किया था, लेकिन पेट के संक्रमण के बाद से अभिषेक की लय खो गई है। सपाट पिचों पर ऑफ स्पिनरों के सामने वह अपने पसंदीदा शॉट नहीं खेल पा रहे हैं, जिसका भारत को नुकसान हो रहा है। इस टूर्नामेंट में चार मैचों में वह 15 रन ही बना सके हैं, जबकि उनका स्ट्राइक रेट 75 और औसत 3.75 रहा। तिलक वर्मा को भी अपने प्रदर्शन में सुधार करना होगा। अभिषेक के खराब फॉर्म के कारण तिलक को इशान का बखूबी साथ देना चाहिए था, लेकिन ऐसा हुआ नहीं। इशान 193 के स्ट्राइक रेट से रन बना रहे हैं, लेकिन दूसरे छोर से उन्हें साथ नहीं मिल पा रहा। सूर्यकुमार यादव ने 180 रन बनाए हैं, लेकिन उनका स्ट्राइक रेट 127 रहा है, जो उनके टी-20 करियर के 161 के स्ट्राइक रेट से काफी कम है, जिससे इशान पर काफी दबाव बन गया है। शिवम दुबे और हार्दिक पंड्या निचले क्रम पर आक्रामक पारियां नहीं खेलते तो कुछ मैचों में तो भारत का स्कोर सम्मानजनक भी नहीं रहता। बाएं हाथ के तीन बल्लेबाजों इशान, अभिषेक और तिलक के सामने विरोधी टीमों ने पावरप्ले में ऑफ स्पिनरों का उपयोग किया है। शीर्ष तीन में दाहिने हाथ के बल्लेबाज संजू सैमसन को शामिल करने की संभावना है, हालांकि वह खुद बहुत अच्छे फॉर्म में नहीं हैं। ऐसे में टीम प्रबंधन सूर्यकुमार को तीसरे और तिलक को चौथे नंबर पर उतार सकता है। वैसे चेपॉक की पिच से उन्हें काफी मदद मिल सकती है।

जिम्बाब्वे जाइंट किलर

जाइंट किलर जिम्बाब्वे के पास उतना खतरनाक स्पिन आक्रमण भी नहीं है, जिसका अभी तक भारत ने सामना किया है। तेज गेंदबाज ब्लेसिंग मुजरबानी, रिचर्ड एनगारावा और ब्राड इवांस से कड़ी चुनौती मिल सकती है। वेस्टइंडीज के खिलाफ मुकाबले के लिए चोट के बाद वापसी करते हुए अंगारावा ने बाएं हाथ के स्पिनर वेलिंग्टन मसाकद्जा की जगह ली थी। भारतीय बल्लेबाजी लाइन अप में बाएं हाथ के काफी बल्लेबाजों को देखते हुए मसाकद्जा एक बार फिर बेंच पर बैठ सकते हैं।

हेड टू हेड	
टी-20	13
भारत जीता	10
जिम्बाब्वे जीता	03

■ दोनों देश टी-20 विश्व कप में अब तक सिर्फ एक ही बार आमने-सामने रहे हैं, जिसे भारत ने अपने नाम किया था।

भारतः सुर्यकुमार यादव (कप्तान), इशान किशन (विकेटकीपर), अभिषेक शर्मा, तिलक वर्मा, शिवम दुबे, हार्दिक पंड्या, रिंकू सिंह, अक्षर पटेल, कुलदीप यादव, जसप्रीत बुमराह, वरुण चक्रवर्ती, संजू सैमसन (विकेटकीपर), सिराज, वाशिंगटन सुंदर, अर्शदीप।

जिम्बाब्वेः सिकंदर रजा (कप्तान), ब्रायन बेनेट, रयान बर्ल, ग्रीम क्रेमर, बेन कुरेन, ब्रैड इवांस, क्लाइव मदांडे, टिनोटेंडा मापोसा, तदिवानाशे मारुमनी, वेलिंगटन मसाकाद्जा, टोनी मुनयोंगा, ताशिंगा मुसेकिवा, ब्लेसिंग मुजाराबानी, डायोन मायर्स, रिचर्ड एनगारवा।

संजू को मिल सकता है मौका

पारिवारिक कारणों से घर लौटने वाले रिंकू सिंह मुकाबले के चयन के लिए उपलब्ध होंगे। हालांकि वह संजू सैमसन के लिए जगह बनाने के लिए दो में से एक खिलाड़ी हो सकते हैं, दूसरे खिलाड़ी तिलक वर्मा हो सकते हैं। सैमसन को बाएं हाथ के बल्लेबाजों से भरी हुई भारतीय लाइन अप में तीसरे दाएं हाथ के बल्लेबाज के रूप में एकादश में शामिल किया जा सकता है। दाएं हाथ के बल्लेबाजों से भरी हुई जिम्बाब्वे की बल्लेबाजी लाइन अप को देखते हुए अक्षर पटेल की भी वापसी हो सकती है और वह वॉशिंगटन सुंदर की जगह एकादश में शामिल हो सकते हैं।

पिच और परिस्थितियां

टी-20 में काफी अरसे तक चेपॉक स्पिन को मददगार मानी जाती थी, लेकिन इस विश्व कप में चेपॉक की पहचान बदली है। औसत और स्ट्राइक रेट के मामले में यह सबसे बढ़िया मैदान साबित हुआ है। जबकि स्पिन गेंदबाजों के लिए औसत और स्ट्राइक रेट के मामले में यह अंतिम तीन पायदानों में है। जबकि तेज गेंदबाजों को इस विश्व कप में यहां संघर्ष करते देखा गया है। 2025-26 में यहां एक भी घरेलू या टी-20 मुकाबला नहीं खेला गया। गुरुवार का मुकाबला काली मिट्टी वाली पिच पर खेला जाएगा। यह वही पिच है जिस पर न्यूजीलैंड ने अफगानिस्तान के खिलाफ 17.5 ओवर में 183 का लक्ष्य हासिल कर लिया था। मौसम के साफ रहने की उम्मीद है।

वेस्टइंडीज बनाम दक्षिण अफ्रीका मुकाबले पर रहेंगी सभी की नजरें

अहमदाबाद। टूर्नामेंट में अब तक अपराजेय रही वेस्टइंडीज और दक्षिण अफ्रीका की टीमें सुपर-8 के मुकाबले में गुरुवार को आमने सामने होंगी तो इस मुकाबले पर सभी की नजरें रहेंगी। भारत जहां दक्षिण अफ्रीका के जीतने की उम्मीद करेगा, तो वहीं जिम्बाब्वे की उम्मीदें वेस्टइंडीज की जीत से बंधी होंगी। सेमीफाइनल की दौड़ को इस मुकाबले का परिणाम काफी हद तक प्रभावित कर सकता है। वेस्टइंडीज अगर जीत जाता है, तो भारत के लिए मुश्किलें खड़ी हो सकती है। इससे वेस्टइंडीज सेमीफाइनल में पहुंचने के करीब आ जाएगा और दक्षिण अफ्रीका को आखिरी सुपर आठ मैच में जिम्बाब्वे को हराना होगा। ऐसे में भारत को वेस्टइंडीज और जिम्बाब्वे दोनों पर बड़े अंतर से जीत दर्ज करनी होगी।

दोनों टीमों के बीच कांटे की टक्कर

वेस्टइंडीज के पास बेहतरीन आक्रामक बल्लेबाज हैं, जो अपने दम पर मैच जिताने का माद्दा रखते हैं। अब उनका सामना हालांकि दक्षिण अफ्रीका के ऐसे गेंदबाजी आक्रमण से होगा, जिसने भारतीय बल्लेबाजों को नाकों चने चबवा दिए थे। मार्को यानसेन, केशव महाराज, कैगिसो रबाडा और लुंगी एनगिडि ने मिलकर लगातार अच्छा प्रदर्शन किया है।

■ इस महा मुकाबले में व्यक्तिगत टक्कर पर भी नजरें होंगी, मसलन शिमरोन हेटमायर कैसे रबाडा की गेंदों को खेलते हैं या रोवमैन पॉवेल को महाराज की फिरकी कितना परेशान कर पाती है। मिलर का अनुभव बाएं हाथ के स्पिनर अकील हुसैन के सामने कितना काम आता है या यानसेन की गेंदों की उछाल ब्रेंडन किंग को रास आती है या नहीं। यह मैच दिन में खेला जाएगा तो समीकरण अलग होंगे। ओस नहीं होने से टॉस का महत्व उतना नहीं रहेगा। पिच सूखी रहने से शुरुआत में ही स्पिनरों की भूमिका हो सकती है।

■ दूसरी ओर दक्षिण अफ्रीका के बल्लेबाज भी कमतर नहीं है और डेविड मिलर ने अक्सर संकटमोचक की भूमिका निभाई है। भारत के खिलाफ पावरप्ले में कई विकेट गंवाने के बाद उन्होंने पारी को संभाला।

मैदान से हटकर

नाराज प्रशंसकों ने पाक कप्तान आगा के परिवार को धमकी भरे संदेश भेजे

पाकिस्तान की टी-20 विश्व कप के सुपर आठ के मैच में इंग्लैंड से हार से निराश क्रिकेट प्रशंसकों ने कप्तान सलमान आगा के परिवार को धमकी भरे संदेश पोस्ट किए हैं। सलमान की पत्नी साबे ने इंस्टाग्राम पर पोस्ट किया कि उन्हें या उनके बेटे को गाली देने और धमकी देने से पाकिस्तान टी-20 विश्व कप नहीं जीत पाएगा। पाकिस्तान मंगलवार को श्रीलंका के पाल्लेकल में खेले गए मैच में दो विकेट से हार गया था, जिसके बाद प्रशंसकों ने टीम के अन्य खिलाड़ियों के लिए भी अपशब्दों का इस्तेमाल किया है। कुछ पूर्व खिलाड़ियों ने प्रशंसकों के इस तरह के व्यवहार की कड़ी निंदा की है। पूर्व कप्तान मोइन खान ने 1999 विश्व कप के फाइनल में पाकिस्तान की हार के दौरान इसी तरह के अनुभवों को याद किया। उन्होंने कहा कि यह बिल्कुल अस्वीकार्य है और साइबर अपराध विभाग को इन धमकी भरे पोस्ट की जांच करके दोषियों को दंडित करना चाहिए। पाकिस्तानी क्रिकेट प्रशंसक अक्सर तब बेहद भावुक हो जाते हैं, जब टीम आईसीसी के किसी बड़े टूर्नामेंट में हार जाती है। पाकिस्तान जब 1996 में विश्व कप के क्वार्टर फाइनल में भारत से हार गया था तो तब उसके प्रशंसकों ने तत्कालीन कप्तान वसीम अकरम सहित कुछ खिलाड़ियों के घरों पर हमला किया था। (जेएनएन)

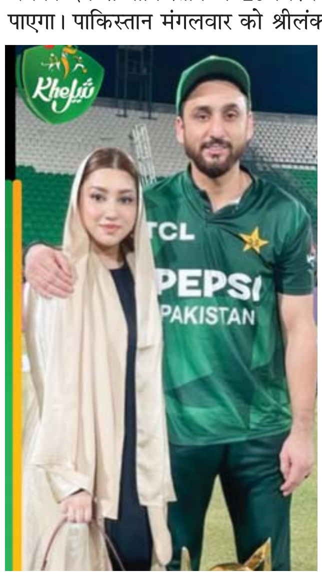

न्यूजीलैंड के 168 रन के चुनौतीपूर्ण लक्ष्य के सामने श्रीलंका 107 पर सिमटा

रचिन रविंद्र चमके, न्यूजीलैंड विश्व कप सेमीफाइनल के करीब, श्रीलंका बाहर

जेएनएन, कोलंबो

रचिन रविंद्र (32 रन और चार विकेट) के शानदार हरफनमौला प्रदर्शन से न्यूजीलैंड ने बुधवार को टी-20 विश्व कप के सुपर आठ मैच में श्रीलंका को 61 रन से शिकस्त दी, जिससे सह मेजबान टीम टूर्नामेंट से बाहर हो गई। न्यूजीलैंड के कप्तान मिचेल सैंटनर (47 रन) और कोल मकौंची (नाबाद 31 रन) के बीच सातवें विकेट के लिए 47 गेंद में 84 रन की साझेदारी से टीम ने बल्लेबाजी का न्योता मिलने के बाद सात विकेट पर 168 रन बनाए। एक समय ऐसा लग रहा था कि न्यूजीलैंड की टीम पूरे 20 ओवर भी नहीं खेल पाएगी, लेकिन सैंटनर और मकौंची ने न्यूजीलैंड को न सिर्फ संकट से उबारा, बल्कि दोनों स्पिन को मददगार पिच पर अपनी टीम को एक बड़े स्कोर तक ले गए। श्रीलंका ने न्यूजीलैंड को अंतिम चार ओवर में 70 रन बनाने दिए। सुपर-8 के अपने पहले मैच में इंग्लैंड से हारने वाली टीम को फिर बल्लेबाजों ने निराश किया। श्रीलंकाई टीम रविंद्र (27 रन देकर चार विकेट) के करियर के सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी प्रदर्शन के सामने लक्ष्य का पीछा करते हुए 20 ओवर में आठ विकेट पर 107 रन ही बना सकी। न्यूजीलैंड के लिए जहां स्पिन की जिम्मेदारी रविंद्र ने संभाली तो वहीं तेज गेंदबाज मैट हेनरी ने पावरप्ले में दो ओवर में एक मेडन से तीन रन देकर दो विकेट झटककर शानदार प्रदर्शन किया। न्यूजीलैंड ने हेनरी की मदद से पावरप्ले में श्रीलंका को पस्त किया।

प्लेयर ऑफ द मैच रविंद्र

■ न्यूजीलैंड के लिए इस बड़े अंतर की जीत ने दो अहम अंक तो पक्के किए ही और उसे सेमीफाइनल में जगह बनाने के करीब भी पहुंचा दिया। अब पाकिस्तान को क्वालिफिकेशन की उम्मीदों को जीवंत रखने के लिए अपने आखिरी मैच में बड़ी जीत की जरूरत है। न्यूजीलैंड का अगला मुकाबला इंग्लैंड से होगा, जबकि पाकिस्तान की टीम श्रीलंका से भिड़ेगी।

श्रीलंका ने पावरप्ले में बनाए मात्र 20 रन

श्रीलंका के लिए 169 का लक्ष्य आसान नहीं रहने वाला था, लेकिन हेनरी ने पहली ही गेंद पर पतुम निसंका का शिकार कर श्रीलंका की उम्मीदों को बड़ा झटका दे दिया। अपने अगले ही ओवर में हेनरी ने धीमी गति की गेंद डालकर इस मुकाबले में वापसी कर रहे चरित असलंका का शिकार किया और श्रीलंका की टीम दबाव में आ गई। श्रीलंका को एक साझेदारी की दरकार थी, लेकिन पावरप्ले में श्रीलंका दो विकेट के नुकसान पर मात्र 20 रन ही जोड़ पाई, जो कि टी-20 विश्व कप के इस संस्करण में पावरप्ले का न्यूनतम स्कोर भी है। यह सिर्फ शुरुआत थी, स्पिनर रविंद्र ने अपने पहले ही ओवर में स्टंपिंग के जरिए कुसल मेंडिस और पवन रत्नायके के रूप में दोहरा झटका देते हुए श्रीलंका को पूरी तरह से बैकफुट पर धकेल दिया। इसके बाद रविंद्र ने दासून शानका और दुशान हेमंता का भी शिकार किया। श्रीलंका मुकाबले में पूरी तरह से पिछड़ चुका था और स्पिन पूरी तरह से हावी हो गई। कुसल मेंडिस ने 31 और दुनित वेल्लालगे ने 29 रनों की पारी खेली लेकिन श्रीलंका लक्ष्य से काफी पीछे था।

रणजी फाइनलः जम्मू कश्मीर का स्कोर 500 के पार पहुंचा

जेएनएन, हुबली

कप्तान पारस डोगरा (70 रन) ने अर्धशतकीय पारी खेली, लेकिन कर्नाटक के स्थानापन्न खिलाड़ी केवी अनीश को जानबूझकर सिर से मारने (हेड-बट) की उनकी हरकत ने जम्मू-कश्मीर की अच्छी बल्लेबाजी पर पानी फेर दिया, जिसने रणजी ट्रॉफी फाइनल के दूसरे दिन स्टंप तक छह विकेट पर 527 रन बना लिए। डोगरा के साथ विकेटकीपर बल्लेबाज कन्हैया वधावन (70), साहिल लूथरा (नाबाद 57 रन) सभी ने अच्छा योगदान दिया, जिससे कर्नाटक के गेंदबाजों के लिए यह दिन मुश्किल रहा, जिसमें सिर्फ प्रसिद्ध कृष्णा (29 ओवर में 90 रन देकर तीन विकेट) ही प्रभाव डाल सके। कर्नाटक के लिए दिन की शुरुआत अच्छी रही, क्योंकि रात के शतकवीर शुभम पुंडीर (247 गेंद में 121 रन) जल्दी आउट हो गए। विद्याधर पाटिल (104 रन देकर एक विकेट) की गेंद पर पुंडीर की एक फ्लिक सीधे अनीश के हाथों में समां गई, जिससे 124 रन की साझेदारी खत्म हुई। पहले दिन अर्धशतक जड़ने वाले अब्दुल समद (61) प्रसिद्ध की गेंद पर आउट हुए। जम्मू कश्मीर का स्कोर चार विकेट पर 307 रन था तब अनुभवी बल्लेबाज डोगरा और इस सत्र में टीम की खोज रहे वधावन ने मिलकर 32 ओवर में 110 रन की भागीदारी की। ब लेग-स्पिनर श्रेयस गोपाल (एक विकेट) और बाएं हाथ के स्पिनर शिखर शेट्टी (एक विकेट) ने गेंदबाजी शुरू की तो दोनों को कोई दिक्कत नहीं हुई। वधावन कुछ देर में शेट्टी की गेंद पर स्लिप में केएल राहुल के हाथों कैच आउट हुए। फिर डोगरा ने लूथरा के साथ 54 रन की भागीदारी की। तीसरी नई गेंद लेने के लिए चार ओवर बाकी हैं और कर्नाटक के गेंदबाज जम्मू-कश्मीर को 600 से नीचे ही समेटना चाहेंगे।

■ 21 सत्र के रणजी खिलाड़ी डोगरा के बर्ताव ने सभी को हैरान कर दिया। प्रसिद्ध की गेंद पर एक बाउंड्री लेने के बाद 'सिली प्वाइंट' क्षेत्ररक्षक अनीश को 'हेड-बट' मारने की घटना कैमरे में कैद हो गई। यह साफ नहीं था कि अनीश की किसी भी बात से डोगरा को बुरा लगा होगा।

खेल एक नजर

भारत ने पहला एडीसीए टी-20 अंतरराष्ट्रीय एशिया कप जीता

कटक, जेएनएन। भारतीय बधिर क्रिकेट टीम ने श्रीलंका को छह विकेट से हराकर पहला एशिया कप टी20 टूर्नामेंट जीत लिया। भारतीय टीम ने इससे पहले प्रतियोगिता के पहले मैच में श्रीलंका को चार विकेट से हराया था और फिर नेपाल पर 10 विकेट से शानदार जीत दर्ज की थी। श्रीलंका ने टूर्नामेंट के तीसरे मैच नेपाल के खिलाफ छह विकेट से हराया था। श्रीलंका ने फिर उलट मुकाबले में नेपाल को 157 रन से हराया, जबकि इस द्वीपीय देश ने भारत को एक रन से करीबी जीत के लिए कड़ी मेहनत करवाई। भारत ने अपने अगले मैच में नेपाल को नौ विकेट से हराकर फाइनल में जगह पक्की कर ली। फाइनल में साई आकाश को 14 गेंद में 27 रन बनाने के साथ दो विकेट लेने के लिए 'प्लेयर ऑफ द मैच' चुना गया। श्रीलंका के गिमाडू एल मलकम को 196 रन बनाने के लिए सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज और 'प्लेयर ऑफ द सीरीज' चुना गया जबकि गिहान लासिडू डि सिल्वा को 10 विकेट लेने के लिए सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज चुना गया।

प्रो लीग में भारत की पहली जीत ऑस्ट्रेलिया को शूटआउट में हराया

होबार्ट, जेएनएन। भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने बुधवार को विश्व में तीसरे नंबर की टीम ऑस्ट्रेलिया को पेनल्टी शूटआउट में 3-1 से हराकर एफआईएच प्रो लीग में लंबे समय से चले आ रहे हार के सिलसिले को खत्म कर दिया। दोनों टीमें निर्धारित समय तक 1-1 से बराबरी पर थीं। इस जीत से भारत का प्रो लीग के अगले चरण से पहले मनोबल बढ़ेगा। पहले तीन क्वार्टर में दोनों टीमों के बीच कांटे की टक्कर देखने को मिली। भारतीय टीम ने ऑस्ट्रेलिया के सामने हर तरह से कड़ी चुनौती पेश की। पहले तीन क्वार्टर में कोई भी टीम गोल नहीं कर पाई। ऑस्ट्रेलिया ने आखिर में 49वें मिनट में जेरेमी हेवर्ड के पेनल्टी कॉर्नर पर किए गए गोल की मदद से बढ़त हासिल कर ली। ऑस्ट्रेलिया की यह खुशी हालांकि क्षणिक रही, क्योंकि शिलाानंद लाकड़ा (51वें मिनट) ने दो मिनट बाद ही एक शानदार मैदानी गोल करके स्कोर बराबर कर दिया। इसके बाद दोनों टीमों ने निर्णायक गोल करने की पूरी कोशिश की, लेकिन असफल रहीं और मैच शूटआउट में चला गया, जहां भारत ने जीत दर्ज करके दो अंक हासिल किए, जबकि ऑस्ट्रेलिया को एक अंक मिला। भारत की तरफ से शूटआउट में लाकड़ा, मनिंदर सिंह और विष्णुकांत सिंह ने गोल किए, जबकि ऑस्ट्रेलिया का एकमात्र गोल हेवर्ड ने किया।

द हंड्रेडः राष्ट्रीयता के आधार पर खिलाड़ियों को बाहर नहीं किया जाना चाहिएः इंग्लैंड बोर्ड

लंदन, जेएनएन। इंग्लैंड और वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) और 'द हंड्रेड' की फ्रेंचाइजी ने संयुक्त बयान जारी करके कहा है कि खिलाड़ियों को राष्ट्रीयता के आधार पर बाहर नहीं किया जाना चाहिए, क्योंकि ऐसी आशंका है कि इस प्रतियोगिता के लिए अगले महीने होने वाली नीलामी में भारतीय स्वामित्व वाली कम से कम चार टीमें पाकिस्तानी क्रिकेटरों को जानबूझकर नजरअंदाज कर सकती हैं। आठ फ्रेंचाइजी में से चार मैनचेस्टर सुपरजाएंट्स (आरपीएसजी ग्रुप), एमआई लंदन (रिलायंस), सदर्न ब्रेव (जीएमआर) और सनराइजर्स लीड्स (सन ग्रुप) के मालिक आईपीएल के टीमों के मालिक भी हैं और ब्रिटिश मीडिया की रिपोर्टों के अनुसार ये टीमें नीलामी में पाकिस्तानी खिलाड़ियों को लेने से परहेज कर सकती हैं। पिछले साल 'द हंड्रेड' कि किसी भी टीम का मालिक भारतीय नहीं था, इसके बावजूद इस प्रतियोगिता के लिए केवल दो पाकिस्तानी खिलाड़ियों को चुना गया था। इस टूर्नामेंट के पहले पांच सत्र में पाकिस्तान के केवल नौ खिलाड़ी ही खेल पाए हैं। टीमों के नए मालिक इस सत्र से इन फ्रेंचाइजी का संचालन करेंगे। ईसीबी और आईपीएल से जुड़े मालिकों सहित 'द हंड्रेड' की सभी आठ फ्रेंचाइजी का स्वामित्व रखने वाले मालिकों ने संयुक्त बयान में कहा, द हंड्रेड की शुरुआत नए दर्शकों तक पहुंचने, क्रिकेट को बढ़ावा देने और यह सुनिश्चित करने के लिए की गई थी कि हर कोई, चाहे वह किसी भी जाति, लिंग, धर्म, राष्ट्रीयता या अन्य किसी भी आधार पर हो, हमारे खेल में अपनी जगह महसूस कर सके। खिलाड़ियों को उनकी राष्ट्रीयता के आधार पर बाहर नहीं किया जाना चाहिए।

■ 'द हंड्रेड' की लंदन में होने वाली नीलामी के लिए पाकिस्तान के 67 पुरुष और महिला क्रिकेटरों ने पंजीकरण कराया है, जिनमें पुरुष टी-20 विश्व कप में खेल रहे उसके लगभग सभी खिलाड़ी शामिल हैं। पाकिस्तान के सलामी बल्लेबाज साहिबजादा फरहान ने 'द हंड्रेड' में खेलने की इच्छा व्यक्त की थी।

संक्षिप्त समाचार

स्टाफ मीटिंग में एपस्टीन पर बिल ने ली जिम्मेदारी

वॉशिंगटन, जेएनएन। बिल गेट्स ने अपनी परोपकारी संस्था के कर्मचारियों के साथ हुई एक आंतरिक बैठक में जेफ्री एपस्टीन से जुड़े अपने संबंधों को लेकर 'जिम्मेदारी' ली। यह जानकारी गेट्स फाउंडेशन ने एक आधिकारिक बयान में दी है। फाउंडेशन के अनुसार, यह निर्धारित 'टाउन हॉल' मीटिंग थी, जो साल में दो बार आयोजित की जाती है। बयान में कहा गया, 'बिल ने खुले तौर पर बातचीत की, कई सवालों का विस्तार से जवाब दिया और अपने कार्यों की जिम्मेदारी ली।' मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, गेट्स ने कर्मचारियों से माफी मांगते हुए कहा कि एपस्टीन के साथ समय बिताना 'एक बहुत बड़ी गलती' थी। उन्होंने कथित तौर पर कहा, 'मैंने कुछ भी अवैध नहीं किया। मैंने कुछ भी अवैध होते नहीं देखा।' रिपोर्ट में यह भी दावा किया गया है कि गेट्स ने दो रूसी महिलाओं के साथ संबंधों का जिक्र किया, जिनकी जानकारी बाद में एपस्टीन को हो गई थी। हालांकि, गेट्स पर एपस्टीन के किसी भी पीड़ित द्वारा कोई आरोप नहीं लगाया गया है।

एसआईआर पर सुको का आदेश

पहचान के लिए एडमिट कार्ड अकेले मान्य नहीं

नई दिल्ली, जेएनएन। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को स्पष्ट किया कि पश्चिम बंगाल में मतदाता सूची के स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (एसआईआर) के दौरान 10वीं या माध्यमिक परीक्षा का एडमिट कार्ड अकेले पहचान के रूप में मान्य नहीं होगा। अदालत ने कहा कि एडमिट कार्ड केवल एक सहायक (पूरक) दस्तावेज है और इसे तभी स्वीकार किया जाएगा जब उसके साथ संबंधित मार्कशीट भी प्रस्तुत की जाए। मामले की सुनवाई चीफ जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस जोयमाला बागची की बेंच ने की। सीनियर एडवोकेट डीएस नायडू ने अदालत से पूछा था कि क्या कक्षा 8वीं का एडमिट कार्ड अपने आप में पहचान पत्र के रूप में इस्तेमाल किया जा सकता है। इस पर बेंच ने कहा कि कक्षा 8वीं की मार्कशीट पहचान सत्यापन के लिए मान्य दस्तावेजों में शामिल है, जबकि एडमिट कार्ड केवल उसकी पुष्टि के लिए जोड़ा जा सकता है। अदालत ने दो टूक कहा कि एडमिट कार्ड 'अकेले पहचान का आधार नहीं बन सकता।'

बॉयफ्रेंड के सामने 7 लोगों ने किया महिला से गैंगरेप

गुवाहाटी/सिलचर, जेएनएन। असम के सिलचर (कछार जिला) के पास 28 वर्षीय महिला के साथ उसके बॉयफ्रेंड के सामने 7 लोगों द्वारा गैंगरेप का मामला सामने आया है। शिकायत 19 फरवरी को दर्ज कराई गई। पुलिस ने अब तक 2 आरोपियों को गिरफ्तार किया है, जबकि 5 फरार हैं। परिजनों के अनुसार, महिला अपने बॉयफ्रेंड के साथ सिलचर शहर से कुछ किलोमीटर दूर बाईपास रोड पर कार में थी। तभी एक एसयूवी में सवार कुछ लोग वहां पहुंचे। आरोप है कि उन्होंने पहले कपल से ठिकाने के बारे में पूछा और फिर अचानक दोनों पर हमला कर दिया। पीड़िता के बयान के मुताबिक, वहां मौजूद करीब 7 लोगों ने उसके दोस्त को काबू में कर लिया और उसके सामने बारी-बारी से दुष्कर्म किया। पुलिस ने बताया कि दुष्कर्म के बाद एक आरोपी ने महिला से उसके खाते में 10,000 रुपए ट्रांसफर कराए। मामले में लूट और धमकी के आरोप भी जोड़े गए हैं। पुलिस के मुताबिक पीड़िता ने 2 आरोपियों की पहचान की, जिन्हें गिरफ्तार कर लिया गया है। बाकी 5 की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी जारी है।

सेना में मेजर, पेशे से डिजाइनर: भारत में छाया थाई प्रिंसेस का मॉडर्न साड़ी लुक

नई दिल्ली, जेएनएन। थाइलैंड की राजकुमारी सिरिवन्नावरी नारिराताना जब चार दिवसीय भारत दौरे पर पहुंचीं, तो उन्होंने महज कूटनीतिक रिश्तों को ही नहीं, बल्कि फैशन की दुनिया को भी नया अंदाज दे दिया। थाईलैंड की यह 39 वर्षीय राजकुमारी सेना में मेजर होने के साथ-साथ एक जानी-मानी फैशन डिजाइनर भी हैं। भारत में उन्होंने साड़ी को मॉडर्न ट्विस्ट देकर ऐसा शाही लुक पेश किया, जिसने हर किसी का दिल जीत लिया। राजकुमारी का यह दौरा भारत-थाईलैंड सांस्कृतिक संबंधों को मजबूत करने के लिए था, लेकिन उनका स्टाइल स्टेटमेंट भी चर्चा में रहा। पारंपरिक साड़ी को नए अंदाज में पहनकर उन्होंने दिखाया कि फैशन के जरिए भी सांस्कृतिक जुड़ाव को खास बनाया जा सकता है।

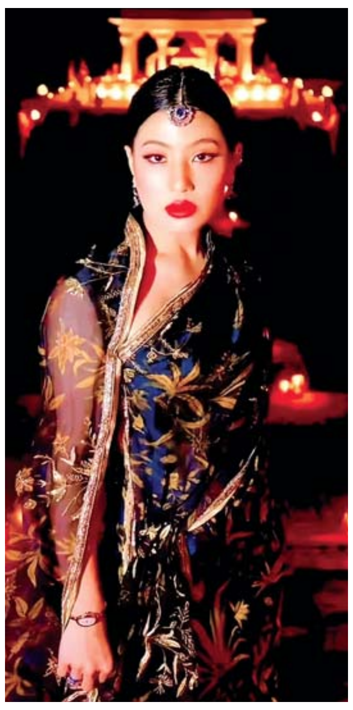

ब्लू साड़ी में फ्यूजन अंदाज

राजकुमारी ने रॉयल ब्लू रंग की साड़ी पहनी, जिस पर येलो और गोल्डन प्रिंटेड पैटर्न थे। शीयर फैब्रिक वाली इस साड़ी को उन्होंने पारंपरिक प्लीट्स की जगह रैप-स्कर्ट स्टाइल में ड्रेप किया। पल्लू को कंधे पर प्लीट्स में लेकर पीछे से दूसरे कंधे पर पिनअप किया गया, जिससे साइड लॉन्ग ट्रेल जैसा इफेक्ट दिखा। मांग टीका, स्टेटमेंट इयररिंग्स और रेड लिप्स ने लुक को और उभार दिया।

गाउन में भी देसी टच

राजकुमारी ने साड़ी से प्रेरित गाउन भी पहने। एक व्हाइट साटन वन-शोल्डर गाउन के बॉर्डर पर लेस फ्लोरल पैटर्न देकर पल्लू जैसा फील दिया गया। वहीं गोल्डन-बेज टेक्सचर्ड गाउन में वेस्ट पर बो डिटेलिंग और वी-कट हेमलाइन ने इसे मॉडर्न-देसी ब्लेंड बना दिया। डायमंड जूलरी और सॉफ्ट ग्लैम मेकअप ने उनके लुक को और निखारा।

शर्ट ब्लाउज के साथ ग्रीन बनारसी

ग्रीन बनारसी साड़ी में भी उन्होंने नया प्रयोग किया। सुनहरे जरी बॉर्डर और फ्लोरल पैटर्न वाली साड़ी को उन्होंने पारंपरिक ब्लाउज की बजाय कॉलर डिटेलिंग वाले शर्ट-स्टाइल ब्लाउज के साथ पेयर किया। ऑफ-व्हाइट शेड के इस ब्लाउज में ग्रीन थ्रेड लटकन का डिटेलिंग लुक को खास बना गया। डायमंड और एमराल्ड जूलरी के साथ उनका यह अंदाज क्लास और रॉयल्टी का बेहतरीन मिश्रण लगा।

दूसरे 'स्टेट ऑफ द यूनियन' संबोधन में अमेरिकी राष्ट्रपति ने किए बड़े दावे

भारत-पाक की जंग रुकवाई: ट्रंप विपक्ष बोला- बढ़ा चढ़ाकर बता रहे

वॉशिंगटन डीसी, जेएनएन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बुधवार को अमेरिकी संसद में अपना दूसरा 'स्टेट ऑफ द यूनियन' संबोधन दिया। करीब 1 घंटा 50 मिनट चले भाषण में ट्रंप ने विदेश नीति, अर्थव्यवस्था और राष्ट्रीय सुरक्षा पर कई बड़े दावे किए। ट्रंप ने एक बार फिर कहा कि उन्होंने भारत-पाकिस्तान के बीच संभावित परमाणु युद्ध टाल दिया। उन्होंने पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ के हवाले से दावा किया कि संभावित परमाणु संघर्ष में 3.5 करोड़ (35 मिलियन) लोगों की मौत हो सकती थी। हालांकि भारत पहले भी इस दावे को खारिज करता रहा है। ट्रम्प यह बात सार्वजनिक मंचों पर 100 से ज्यादा बार दोहरा चुके हैं।

ट्रंप ने गाजा में इजराइल-हमास के बीच हुए संघर्ष विराम को अपनी कूटनीतिक सफलता बताया। उन्होंने कहा कि इस समझौते से सभी इजराइली बंधकों की रिहाई संभव हुई और क्षेत्र में अस्थायी शांति आई।

ईरान को लेकर ट्रंप ने कहा कि अमेरिका ने पिछले साल जुलाई में कार्रवाई कर उसका परमाणु कार्यक्रम 'तबाह' कर दिया। उन्होंने आरोप लगाया कि 28 दिसंबर से 14 जनवरी के बीच महंगाई विरोधी प्रदर्शनों में ईरान में 32,000 लोगों की मौत हुई। साथ ही चेतावनी दी कि ईरान यूरोप और अमेरिकी ठिकानों को निशाना बनाने वाली मिसाइल क्षमता रखता है।

वेनेजुएला 'नया दोस्त', तेल उत्पादन बढ़ा

ट्रंप ने सुप्रीम कोर्ट के टैरिफ फैसले को दुर्भाग्यपूर्ण बताते हुए 15 फीसदी नए वैश्विक टैरिफ लागू करने की मंशा जताई। उन्होंने कहा, उनकी नीतियों से महंगाई में गिरावट आ रही है।

ट्रंप ने दावा किया कि अमेरिका में तेल उत्पादन रोजाना 6 लाख बैरल से अधिक बढ़ा है। उन्होंने वेनेजुएला को अमेरिका का 'नया दोस्त' बताते हुए वहां ऊर्जा सहयोग बढ़ाने की बात कही। ट्रंप ने सुप्रीम कोर्ट के टैरिफ फैसले को दुर्भाग्यपूर्ण बताते हुए 15 फीसदी नए वैश्विक टैरिफ लागू करने की मंशा जताई। उन्होंने कहा कि उनकी नीतियों से महंगाई में गिरावट आ रही है और डेमोक्रेट्स को इसके लिए जिम्मेदार ठहराया।

भाषण के दौरान हंगामा

- डेमोक्रेटिक सांसद एल ग्रीन को विरोध के दौरान हाउस चैंबर से बाहर कर दिया गया।
- सोमाली-अमेरिकी सांसद इल्हान उमर ने ट्रंप पर तीखी टिप्पणी की, जिस पर ट्रंप ने पलटवार किया।
- कुछ सांसदों ने 'फाइलें जारी करो' जैसे बैज पहनकर विरोध जताया।

डेमोक्रेटिक पार्टी की ओर से प्रतिक्रिया देते हुए वर्जीनिया की गवर्नर एबिगेल स्पानबर्गर ने कहा कि राष्ट्रपति ने उपलब्धियों का बढ़ा-चढ़ाकर बखान किया, लेकिन रूस और चीन के मुद्दे पर ठोस रणनीति पेश नहीं की। उन्होंने ट्रंप पर झूठ बोलने और देश की समस्याओं से ध्यान भटकाने का आरोप लगाया।

ब्राजील में रिकॉर्ड बारिश से बाढ़ और भूस्खलन: 25 की मौत, सैकड़ों बेघर

ब्रासीलिया/मिनास गेरैस। ब्राजील के दक्षिण-पूर्वी राज्य मिनास गेरैस में रिकॉर्ड मूसलाधार बारिश के बाद आई बाढ़ और भूस्खलन से कम से कम 25 लोगों की मौत हो गई है। सोमवार शाम शुरू हुई तेज बारिश के बाद सबसे ज्यादा तबाही जुइज दे फोरा और उबा में दर्ज की गई। अधिकारियों के मुताबिक, जुइज दे फोरा में 18 और उबा में 7 लोगों की जान गई। कई घर और इमारतें ढह गईं, जबकि दर्जनों लोग अब भी लापता बताए जा रहे हैं। रेस्क्यू टीमें मलबे में फंसे लोगों की तलाश में लगातार अभियान चला रही हैं। सिर्फ जुइज दे फोरा शहर में ही करीब 440 लोग बेघर हो गए हैं। प्रशासन ने अस्थायी शेल्टर बनाए हैं और राहत सामग्री की अपील की है। शहर के मेयर ने तीन दिन का शोक घोषित किया है। ब्राजील के राष्ट्रपति लूला डिसिल्वा ने जुइज दे फोरा में 'स्टेट ऑफ कैलैमिटी' घोषित किया है। उन्होंने मानवीय सहायता और पुनर्निर्माण के लिए केंद्र सरकार की ओर से हर संभव मदद का भरोसा दिया। संघीय एजेंसियां स्थानीय प्रशासन के साथ मिलकर राहत कार्य में जुटी हैं। स्थानीय अधिकारियों का कहना है कि यह फरवरी जुइज दे फोरा के इतिहास की सबसे ज्यादा बारिश वाली रही है। मौसम विभाग ने मिनास गेरैस और रियो डि जेनेरो समेत कई राज्यों में भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है।

ब्राजील के जुइज दे फोरा में बुधवार को भूस्खलन से हुई तबाही का मंजर।

अमेरिका में भीषण बर्फीला तूफान, बोस्टन में 153 साल में पहली बार नहीं छपा अखबार

वॉशिंगटन डीसी/न्यूयॉर्क, जेएनएन। अमेरिका के उत्तर-पूर्वी हिस्सों में आए भीषण बर्फीले तूफान ने जनजीवन को ठप कर दिया है। रविवार से मंगलवार के बीच देशभर में 11,055 से ज्यादा उड़ानें रद्द कर दी गईं। सिर्फ सोमवार को ही 5,600-5,700 फ्लाइट कैंसिल हुईं, जो कुल उड़ानों का लगभग 20 फीसदी थीं। बर्फबारी का असर मीडिया संस्थानों पर भी पड़ा। हालात यह हैं कि बोस्टन का प्रतिष्ठित अखबार द बोस्टन ग्लोब अपने 153 साल के इतिहास में पहली बार प्रिंट संस्करण नहीं निकाल सका, क्योंकि कर्मचारी प्रिंटिंग प्रेस तक नहीं पहुंच पाए।

37 इंच तक बर्फ, रिकॉर्ड टूटा

- रोड आइलैंड और मैसाचुसेट्स के कुछ हिस्सों में 37 इंच तक बर्फ गिरी।
- न्यूयॉर्क के सेंट्रल पार्क में 20 इंच बर्फ दर्ज हुई।
- लॉन्ग आइलैंड के इस्लिप इलाके में 22 इंच से ज्यादा बर्फ पड़ी।
- प्रोविडेंस (रोड आइलैंड) में 32.8 इंच बर्फबारी हुई, जिसने 1978 का 28.6 इंच का रिकॉर्ड तोड़ दिया।

वरमाला के दौरान दुल्हन को गोली मारकर आरोपी फरार

बक्सर (बिहार), जेएनएन। बिहार के बक्सर जिले में चौसा पंचायत के मल्लाह टोला में वरमाला की रस्म के दौरान दुल्हन को गोली मार दी गई। वारदात के बाद आरोपी युवक मौके से फरार हो गया। गंभीर रूप से घायल दुल्हन को पहले सदर अस्पताल ले जाया गया, जहां से हालत नाजुक होने पर उसे वाराणसी रेफर कर दिया गया। वहां उसका ऑपरेशन जारी है।

जानकारी के अनुसार, नंद मल्लाह की 18 वर्षीय बेटी आरती की शादी थी। बारात के स्वागत और रस्मों के बाद वरमाला के लिए स्टेज सजाया गया था। इसी दौरान एक युवक चेहरे पर नकाब बांधकर शादी समारोह में घुसा। वह लड़कियों के बीच से होते हुए स्टेज के सामने पहुंचा और अचानक पिस्टल निकालकर दुल्हन की ओर फायर कर दिया। गोली दुल्हन के पेट में लगी। तेज डीजे और शादी के शोर में फायरिंग की आवाज दब गई, लेकिन कुछ ही सेकेंड में दुल्हन स्टेज पर गिर पड़ी। घटना का वीडियो भी सामने आया है, जिसमें एक युवती दूल्हा-दुल्हन की आरती उतार रही है और उसी समय आरोपी सामने से गोली चलाता दिखाई देता है।

दुल्हन ने लिया आरोपी का नाम: परिजन दुल्हन को अस्पताल लेकर भागे। रास्ते में आरती ने बताया कि उसे दीनबंधु ने गोली मारी है। आरोपी युवक पड़ोसी है और लड़की से एकतरफा प्रेम करता था। लड़के पक्ष ने कहा कि उन्हें किसी प्रेम प्रसंग की जानकारी नहीं थी। घटना के बाद बारात लौट गई। **आरोपी के पिता हिरासत में:** पुलिस ने आरोपी के पिता रमाशंकर चौधरी को हिरासत में लिया है। उन्होंने कहा कि उन्हें बेटे के प्रेम संबंध की जानकारी नहीं थी। पता होता तो समाज और प्रशासन के सामने बात रखकर शादी कराने की कोशिश करते।

इंडिगो फ्लाइट में 200 से ज्यादा यात्री 4 घंटे फंसे

नई दिल्ली, जेएनएन। चेन्नई से सिंगापुर जाने वाली इंडिगो की फ्लाइट 6ई1025 24 फरवरी को तकनीकी कारणों से करीब 5 घंटे लेट हो गई। इससे विमान में बैठे 200 से ज्यादा यात्री रनवे पर फंसे रहे। उन्होंने जानकारी के अभाव और एयर कंडीशनिंग की समस्या को लेकर भी नाराजगी जताई। घटना का वीडियो बुधवार को सोशल मीडिया पर सामने आया है। वीडियो में यात्री क्रू से टेक-ऑफ में देरी का कारण पूछते दिख रहे हैं। एक यात्री ने आरोप लगाया कि विमान के अंदर एयर कंडीशनिंग बार-बार बंद हो रही है, जिससे सांस लेने में दिक्कत हो रही है। एक अन्य यात्री ने कहा कि वे सुबह 7 बजे से इंतजार कर रहे हैं और उन्हें कोई जानकारी नहीं दी जा रही। सोशल मीडिया पर शेयर किए गए वीडियो में दावा किया गया कि यात्री 4 घंटे से अधिक समय तक विमान में बिना वेंटिलेशन और खाना के बैठे रहे। यात्रियों ने यह भी दावा किया कि फ्लाइट पहले तकनीकी खराबी के कारण लेट हुई। इसके बाद ड्यूटी टाइम खत्म होने का हवाला देते हुए पायलट भी विमान से उतर गया। दूसरा पायलट लगभग 11 बजे पहुंचा। इसके बाद दोपहर में विमान ने उड़ान भरी। इंडिगो के प्रवक्ता ने बयान जारी कर कहा कि फ्लाइट एक छोटी तकनीकी खराबी के कारण बे (पार्किंग) पर लौट आई थी।

3,005 युवाओं के सर्वे में सामने आए चौंकाने वाले तथ्य

55 फीसदी ग्रामीण युवा रोज कर रहे एआई का इस्तेमाल

देश के ग्रामीण इलाकों में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का उपयोग तेजी से बढ़ रहा है। यूथ एआई एस्प्रेशन एंड एडॉप्टेशन रिपोर्ट के अनुसार, 55 फीसदी ग्रामीण युवा लगभग रोजाना एआई का इस्तेमाल कर रहे हैं। यह रिपोर्ट 3,005 ग्रामीण युवाओं के जवाबों पर आधारित है और इसे इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026 में जारी किया गया।

भाषा और लेखन में मदद

सर्वे के आंकड़े बताते हैं कि ग्रामीण युवाओं के लिए एआई सबसे ज्यादा भाषा और लेखन से जुड़ी जरूरतों में मददगार साबित हो रहा है। इसमें स्कूल का होमवर्क, रिज्यूमे बनाना और ऑनलाइन जॉब आवेदन शामिल हैं।

46% युवा एआई का उपयोग ट्रांसलेशन के लिए करते हैं।

33% युवा लेखन सहायता के लिए एआई पर निर्भर हैं।

28% युवा कभी-कभी एआई का उपयोग करते हैं।

17% युवाओं ने कहा कि वे एआई का बिल्कुल इस्तेमाल नहीं करते

रोजगार में उपयोग फिलहाल सीमित

- 14 फीसदी युवा ही कर रहे हैं कमाई के लिए एआई का उपयोग
- 90 फीसदी (10 में से 9) युवा सरकारी प्रमाणित एआई कोर्स में दाखिला लेना चाहते हैं।
- 61 फीसदी युवाओं का मानना है कि एआई सर्टिफिकेट से नौकरी मिलने की संभावना बढ़ेगी।

सख्ती: विमान कितना पुराना बतानी होगी मेंटेनेंस हिस्ट्री

नई दिल्ली, जेएनएन। एविएशन पर नजर रखने वाली संस्था डीजीसीए ने नॉन-शेड्यूल्ड ऑपरेटर (चार्टेड प्लेन, एयर एंबुलेंस) के लिए नियम सख्त कर दिए हैं। अब ऑपरेटर्स को अपनी वेबसाइट पर प्लेन की मेंटेनेंस हिस्ट्री को सार्वजनिक करना होगा। इसके साथ ही यह भी बताना होगा कि विमान कितना पुराना है। दरअसल, झारखंड में एक चार्टेड प्लेन के क्रैश होने के बाद डीजीसीए ने मंगलवार को ऐसे सभी ऑपरेटरों के साथ एक मीटिंग की। इसमें ऑपरेटर्स को उनके सेफ्टी रिकॉर्ड के आधार पर रैंक करने का भी प्रस्ताव दिया गया है। हालांकि यह रैंकिंग डीजीसीए की वेबसाइट पर डाली जाएगी। डीजीसीए ने यह फैसला पिछले एक महीने में नॉन-शेड्यूल्ड ऑपरेटर से संचालित दो चार्टेड विमानों के क्रैश होने के बाद लिया है।

कार्यालय प्राचार्य सरदार वल्लभभाई पॉलीटेक्निक महाविद्यालय, भोपाल

निविदा का संक्षिप्त विज्ञापन

क्रमांक/स.व.प./भंडार/2026/277 भोपाल, दिनांक : 20/02/26

सरदार वल्लभभाई पॉलीटेक्निक महाविद्यालय श्यामला हिल्स भोपाल द्वारा जेम पोर्टल के माध्यम से पावर जनरेटर-डी जी सेट क्रय हेतु निविदा जारी की गई है। जारी निविदा में समिलित होने हेतु जेम पोर्टल के माध्यम से पोर्टल पर दर्शित प्रक्रियानुसार निविदा मे भाग ले सकते हैं। जारी की गई निविदा :

BID NO: GEM/2026/B/7244900 Dated: 16-02-2026

निविदा मे कोई भी संशोधन (यदि किया जाता है तब) जेम पोर्टल मे ही अपलोड किया जावेगा । उसका प्रकाशन अलग से नही कराया जाएगा।

प्राचार्य

जी-26455/25

बच्चों की मुस्कान है अनमोल, इसे सुरक्षित रखें हर हाल

बरसाना: चेहरे पर घूंघट, हाथ में लट्ठ

लट्ठमार होली, 20 क्विंटल गुलाल, हेलिकॉप्टर से फूलों की बारिश

मथुरा, जेएनएन। बरसाना में बुधवार को विश्वप्रसिद्ध लट्ठमार होली का अनोखा नजारा देखने को मिला। चेहरे पर घूंघट और हाथ में लट्ठ लिए बरसाना की हुरियारिनें, सामने ढाल थामे नंदगांव से आए हुरियारों पर जमकर बरसीं। इस रंग-उत्सव को देखने के लिए देश-विदेश से करीब 20 लाख श्रद्धालु और पर्यटक मथुरा पहुंचे। रंगीली गली और कुंज गलियों में करीब 20 क्विंटल गुलाल उड़ाया गया। माहौल को और भव्य बनाने के लिए हेलिकॉप्टर से फूलों की बारिश की गई। चारों ओर अबीर-गुलाल का रंग, ढोल-नगाड़ों की गूंज और होली गीतों पर झूमते भक्तों ने पूरे बरसाना को रंगमय कर दिया। मान्यता के अनुसार, बरसाना राधारानी का जन्मस्थान है और नंदगांव श्रीकृष्ण की बाल-लीला भूमि।

पुलिस से भी खेली होली

नंदगांव से आए हुरियारों के पहुंचने से पहले सुरक्षा में तैनात पुलिसकर्मियों के साथ भी महिलाओं ने प्रतीकात्मक लट्ठमार होली खेली। इसके बाद हुरियारे श्रीजी मंदिर में ध्वजा लेकर पहुंचे और राधारानी के चरणों में प्रणाम किया। मंगलवार को राधा रानी मंदिर में लड्डूमार होली का आयोजन हुआ था, जिसके बाद बुधवार को लट्ठमार होली खेली गई।

कार्यालय कार्यपालन यंत्री ग्रामीण यात्रिकी सेवा संभाग रायसेन

दूरभाष क्रमांक कार्या. 07482-223251 ई-मेल eeresraisen@mp.gov.in

// प्रेस विज्ञप्ति //

क्रमांक 423/व.ले.लि./2026 रायसेन, दिनांक 18/02/ 2026

संक्षिप्त निविदा आमंत्रण सूचना क्रमांक 11/2025-26 / रायसेन

निम्नलिखित कार्यों हेतु ऑन लाईन प्रतिशत दर पर निविदायें आमंत्रित की जाती हैं। उल्लेखित कार्य का विस्तृत विवरण वेबसाईट : https://www.mptenders.gov.in/ पर देखा जा सकता है:-

क्र.	सिस्टम टेण्डर नम्बर	कार्य का नाम	निविदा लागत (पी.ए.सी.) (रू.लाख में)	अमानत राशि (लाख में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य राशि (रूपये में)	अवधि वर्षाकाल सहित (दिवस)	आमंत्रण क्रम
1	2026_RES_483802_1	खेल मैदान निर्माण कार्य - बेडमिंटन कोर्ट, वॉलीबॉल कोर्ट, कबड्डी मैदान पीएमश्री स्कूल - GIRLS HSS BARELI विकासखण्ड बाड़ी, जिला रायसेन	4.07	0.085	2000/-	60	पंचम
2	2026_RES_483808_1	अनुसूचित जनजाति सीनियर बालक छात्रावास गढी 100 मीटर बाउण्ड्रीवाल निर्माण कार्य।	9.47	0.19	2000/-	90	तृतीय
3	2026_RES_483811_1	अधीक्षक आवास गृह निर्माण कार्य कन्या आश्रम बम्होरी वि.खं. सिलवानी	17.28	0.35	2000/-	120	द्वितीय
4	2026_RES_483813_1	अधीक्षक आवास गृह निर्माण कार्य बालक आश्रम प्रतापगढ़, वि.खं. सिलवानी	17.28	0.35	2000/-	120	द्वितीय
5	2026_RES_483851_1	अधीक्षक आवास गृह निर्माण कार्य कन्या आश्रम नगर सिलवानी, वि.खं. सिलवानी	17.28	0.35	2000/-	120	द्वितीय

उपरोक्त निविदाओं के निविदा प्रपत्र (टेंडर डाक्यूमेंट), वेबसाईट https://www.mptenders.gov.in पर ऑनलाईन भुगतान कर क्रय किये जा सकेंगे। निविदा प्रपत्र क्रय एवं प्रस्तुत करने की दिनांक 27/02/2026 समय 10:30 बजे से दिनांक 13/03/2026 समय 05:00 बजे तक निर्धारित है। विस्तृत निविदा सूचना व अन्य जानकारी वेब साईट पर देखी जा सकती है। निविदा में संशोधन सूचनाऐं केवल बेबसाईट पर दी जावेगी, पृथक से कोई सूचना समाचार पत्रों में प्रकाशित नहीं की जावेगी।

जी-26451/25

बच्चों की मुस्कान है अनमोल, इसे सुरक्षित रखें हर हाल

कार्यपालन यंत्री
ग्रामीण यांत्रिकी सेवा संभाग रायसेन

दैनिक जागरण वर्गीकृत

जागरण क्लासीफाइड
डबल धमाका
हमारा वादा, कम में ज्यादा
एक के साथ एक फ्री स्कीम
रनिंग क्लासीफाइड के साथ
भोपाल संस्करण ₹300/-
संपूर्ण म.प्र. संस्करण ₹500/-
विज्ञापन बुकिंग हेतु संपर्क करें 9826065324
डिस्प्ले क्लासीफाइड ₹50/- per sqcm.
Email : advtbhopaljagran@gmail.com

अण्डा

BHOPAL EGG RATE 480/-

Rate Suggested by RS Agro P.I.P.L. and Associated Poultry farmers.

सलाह

पाठकों को सलाह दी जाती है कि किसी भी विज्ञापन पर कार्रवाई करने से पूर्व आवश्यक/सम्पूर्ण जानकारी कर लेवें। यह समाचार पत्र विज्ञापनदाता द्वारा किये गये किसी भी प्रकार के दावे/प्रस्तुतीकरण के लिए जिम्मेदार नहीं है। -व्यवस्थापक

सीमेंट कंपनी के विरोध में किसानों की महापंचायत

जागरण, मैहर। जिले में डालमिया सीमेंट कंपनी को 3600 एकड़ उपजाऊ कृषि भूमि 40 साल की लीज पर दिए जाने के विरोध में किसानों ने बुधवार को आर-पार की लड़ाई का ऐलान कर दिया। किसानों ने दर्जनों ट्रैक्टरों के साथ विशाल रैली निकाली और पुरानी कृषि उपज मंडी में किसान महापंचायत का आयोजन किया। किसानों ने अपनी मांगों को लेकर ज्ञापन भी सौंपा और चेतावनी दी कि मांगे नहीं मानने पर आंदोलन तेज किया जाएगा।

रायसेन में 354 गांव फ्लोराइड से प्रभावित

जागरण, रायसेन। जिले में फ्लोरोसिस की रोकथाम और नियंत्रण के लिए कलेक्टर अरुण कुमार विश्वकर्मा ने बुधवार शाम जिला स्तरीय समन्वय बैठक ली। जिले के 354 गांव फ्लोराइड से बुरी तरह प्रभावित हैं और स्वास्थ्य विभाग की जांच में 393 बच्चों में डेंटल फ्लोरोसिस की पुष्टि हो चुकी है। कलेक्टर ने प्रभावित क्षेत्रों में शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराने के निर्देश दिए हैं।

भोपाल से बीना और इटारसी के बीच 220 की स्पीड से दौड़ेगी ट्रेन, 4300 करोड़ से बिछेगी चौथी रेल लाइन

नगर संवाददाता, भोपाल। बीना-भोपाल-इटारसी के बीच बहुत जल्द ट्रेनें 220 किलो मीटर प्रति घंटे की स्पीड से दौड़ेंगी। केंद्रीय रेल मंत्रालय ने इस प्रोजेक्ट के लिए 4300 करोड़ रुपए का बजट अलॉट किया है। गत दिनों हुई केंद्रीय मंत्री परिषद की बैठक में इस प्रोजेक्ट पर चर्चा हुई और जल्द काम शुरू करने का निर्णय लिया गया। करीब एक साल पहले फाइनल लोकेशन सर्वे का काम पूरा हो गया। सर्वे के आधार पर भोपाल रेल मंडल द्वारा प्रस्ताव बनाकर भेजा गया था, जिसे मंजूर कर लिया गया है।

रेलवे के अधिकारियों की मानें तो बीना से इटारसी के बीच चौथी रेल लाइन बिछाने के बाद सुपरफास्ट और एक्सप्रेस जैसी ट्रेनें 160 से 220 किलोमीटर की रफ्तार से दौड़ेंगी। इतना ही नहीं ट्रैफिक का लोड भी कम होगा और ट्रैफिक क्लियर मिलने के कारण अभी जो गाड़ियां आउटर पर खड़ी करनी पड़ती हैं उन्हें भी खड़ा नहीं करना पड़ेगा जिसके कारण समय की काफी बचत होगी। बीना से इटारसी के बीच की दूरी 231 किमी. है जिसे पूरा करने में अधिकतर ट्रेनों को 4 से साढ़े 4 घंटे का समय लगता है। लेकिन चौथी रेल लाइन बिछने से ट्रेनों की रफ्तार बढ़ेगी और बीना से इटारसी का सफर दो से ढ़ाई घंटे में पूरा हो जाएगा।

कुल 231 किलो मीटर का है रेलवे ट्रेक

एक साल पहले हो चुका है सर्वे का काम पूरा

जल्द शुरू होगा पटरी बिछाने का काम

मालगाड़ियों के लिए रिजर्व हो सकती है लाइन

बीना से इटारसी के बीच डाली जाने वाली चौथी रेल लाइन से रेलवे को यातायात क्लियर करने में मदद मिलेगी। अभी तीन लाइनों द्वारा रेलवे यातायात का संचालन किया जा रहा है। चौथी रेल लाइन शुरू होने के बाद यहां से मालगाड़ियों का गुजरना आसान हो जाएगा। बताया जा रहा है कि गुड्स के आवागमन के लिए चार में से किसी एक रेल लाइन को मालगाड़ियों के लिर रिजर्व किया जा सकता है। हालांकि अधिकारियों ने अभी इसकी पुष्टि नहीं की है, लेकिन उनका कहना है कि चौथी रेल बिछाने के पीछे हमारा उद्देश्य मालभाड़े का विस्तार करना है।

चार सेक्शन में बांटा जाएगा काम

रेलवे अधिकारियों के अनुसार जल्द ही इस काम के लिए टेंडर जारी किए जाएंगे। इसके बाद काम शुरू होगा। बीना से इटारसी के बीच की 231 किलोमीटर की दूरी को चार सेक्शन में बांटकर काम किया जाएगा। इसमें पहला सेक्शन बीना से सुमेर, दूसरा सेक्शन सुमेर से रानी कमलापति रेलवे स्टेशन, तीसरा सेक्शन आरकेएमपी से बरखेड़ा और चौथा सेक्शन बरखेड़ा से इटारसी तक होगा। चारों सेक्शन में काम एक साथ शुरू होने की संभावना है। जानकारी अनुसार वर्ष 2028 तक यह प्रोजेक्ट पूरा हो जाएगा।

चलेंगी हाई स्पीड ट्रेन, बढ़ेगी संख्या

बीना से इटारसी तक चौथी रेल लाइन बिछने के बाद इस रूट पर यात्री ट्रेनों की संख्या बढ़ जाएगी। वर्तमान में वंदे भारत जैसी सुपर फास्ट ट्रेन अभी चल रही है। रेलवे की योजना है कि इस रूट में और भी अधिक हाई स्पीड ट्रेनों को चलाया जाए। चौथी रेल लाइन शुरू होने के बाद यहां से अमृत भारत ट्रेन, और वंदे भारत ट्रेनों की संख्या भी बढ़ने की उम्मीद है। नई लाइन बिछने के बाद करीब 25 जोड़ी यात्री ट्रेनों और 200 मालगाड़ियों का आवागमन बढ़ जाएगा। ट्रेनों की स्पीड भी 160 किमी प्रतिघंटा तक हो जाएगी। बेहतर कनेक्टिविटी से व्यापार को भी बढ़ावा मिलेगा।

14 साल पुरानी शादी पर मप्र हाईकोर्ट की मुहर

बार-बार परित्याग को माना मानसिक क्रूरता

नई दिल्ली/जबलपुर, जेएनएन। मप्र हाई कोर्ट ने 14 वर्ष पुरानी एक शादी को समाप्त करते हुए कहा है कि पत्नी द्वारा बार-बार वैवाहिक घर छोड़ना और लंबे समय तक अलग रहना, 'मानसिक क्रूरता' की श्रेणी में आता है। अदालत ने इसे विवाह के 'अपरिवर्तनीय रूप से टूट जाने' का आधार मान पति की अपील स्वीकार ली और पत्नी को स्थायी गुजारा-भत्ते के रूप में 25 लाख देने का आदेश दिया। यह फैसला न्यायमूर्ति विवेक कुमार सिंह और न्यायमूर्ति हिमांशु जोशी की खंडपीठ ने 23 फरवरी को सुनाया। पीठ ने पारिवारिक न्यायालय के उस आदेश को पलट दिया, जिसमें पहले पति की तलाक याचिका खारिज कर दी गई थी।

हाईकोर्ट की टिप्पणी: खंडपीठ ने अपने आदेश में कहा कि रिकॉर्ड से स्पष्ट है कि पति-पत्नी लंबे समय से अलग रह रहे हैं और संबंधों में ऐसा दरार आ चुकी है। इसे भर पाना संभव नहीं दिखता। कोर्ट ने माना कि पत्नी द्वारा लगातार अलग रहना और वैवाहिक दायित्वों से दूरी बनाना, पति के लिए मानसिक पीड़ा का कारण बना। हम विवाह के अपरिवर्तनीय रूप से टूट जाने के आधार पर तलाक प्रदान करते हैं, जो मानसिक क्रूरता के दायरे में भी आता है।

यह है मामला

दंपती का विवाह वर्ष 2011 में हुआ था। पति ने आरोप लगाया कि पत्नी मानसिक बीमारी से ग्रस्त है, वह बिना किसी ठोस कारण के चिड़चिड़ी और आक्रामक हो जाती थी। पति का यह भी कहना था कि पत्नी के माता-पिता उसकी मानसिक स्थिति से अवगत थे, फिर भी उन्होंने विवाह कराया। पत्नी कई बार वैवाहिक घर छोड़कर चली गई और अंततः अपनी छोटी बेटी के साथ सारा सामान लेकर स्थायी रूप से अलग हो गई।

हाईकोर्ट में रिपोर्ट पेश, ढाई माह में 8 बाघों की हुई मौत

जागरण, जबलपुर। हाईकोर्ट के निर्देश पर बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व के फील्ड डायरेक्टर की ओर से बाघों की मौत को लेकर स्टेट्स रिपोर्ट पेश की गई। रिपोर्ट में बताया गया कि ढाई माह (21 नवंबर से 2 फरवरी तक) के अंतराल में 8 बाघों की मौत हुई है। इनमें से 4 की मौत टाइगर रिजर्व के अंदर हुई है तथा 4 की मौत सामान्य वन्य क्षेत्र में हुई है। टाइगर रिजर्व के अंदर चारों टाइगरों की मौत का कारण प्राकृतिक था, जबकि सामान्य वन्य क्षेत्र में चारों बाघों की मौत करंट से हुई है। रिपोर्ट में यह भी बताया गया कि मृतक बाघों के अवशेष पूरी तरह सुरक्षित थे। कोर्ट ने याचिकाकर्ताओं को स्टेट्स रिपोर्ट पर जवाब पेश करने के निर्देश जारी करते हुए अगली सुनवाई 25 मार्च को निर्धारित की है। रिपोर्ट में कोर व बफर क्षेत्र में स्थित विद्युत लाइन के संबंध में बताया गया कि टाइगर रिजर्व के संवेदनशील क्षेत्रों में बिजली लाइन की सुदृढीकरण व वन्यजीव सुरक्षा मानकों के पालन हेतु विद्युत विभाग को पत्र लिखे हैं। भोपाल निवासी वाइल्ड लाइफ एक्टिविस्ट अजय दुबे की ओर से जनहित याचिका दायर कर कहा गया था कि टागईर स्टेट होने के बावजूद भी साल 2025 में मध्य प्रदेश में 54 टाइगर की मौत हुई है। वरिष्ठ अधिवक्ता आदित्य संघी ने बताया कि प्रदेश में साल 2022 में 43 मौतें, साल 2023 में 45 मौतें, साल 2024 में 46 मौतें हुई थी। देश में टाइगर प्रोजेक्ट की शुरुआत साल 1973 में मौत हुई थी। प्रोजेक्ट शुरू होने के बाद प्रदेश में सबसे अधिक टाइगरों की मौत साल 2025 में हुई है।

उज्जैन: 1.31 करोड़ के नोटों से सजा शिव मंदिर

भगवान की मुकुट-माला और लड़ियां भी नोटों से बनाई, आज दर्शन का आखिरी दिन

जागरण, उज्जैन। बाबा महाकाल की नगरी उज्जैन में एक शिव मंदिर की सजावट 1.31 करोड़ के नोटों से की गई है। जिले के बड़नगर स्थित बुद्धेश्वर महादेव मंदिर में नोटों से भगवान शिव और मंदिर को सजाया गया है। मंदिर में नोटों की माला, मुकुट और लड़ियां आकर्षण का केंद्र बनी हुई हैं, जिन्हें देखने के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंच रहे हैं। मालूम हो कि मंदिर में हर साल महाशिवरात्रि के बाद मेला लगता है। इस साल मेला 14 फरवरी से शुरू हुआ है, जो 28 फरवरी तक चलेगा। नोटों से किया गया यह विशेष श्रृंगार गुरुवार 26 फरवरी तक श्रद्धालुओं के दर्शन के लिए रहेगा।

चार साल से हो रही सजावट

2021	7 लाख
2022	11 लाख
2023	21 लाख
2024	51 लाख
2025	1 करोड़ 21 लाख
2026	1 करोड़ 31 लाख

सात कलाकारों ने तीन दिन में की सजावट

मंदिर के पुजारी संदीप पठोर के अनुसार, नोटों की माला, मुकुट और लड़ियों की सजावट तैयार करने में सात कलाकारों की टीम को करीब तीन दिन का समय लगा। कलाकारों ने बड़ी मेहनत और कलात्मक ढंग से नोटों की सजावट कर मंदिर को भव्य रूप दिया है। भगवान महादेव के इस अनोखे और भव्य स्वरूप के दर्शन के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु मंदिर पहुंच रहे हैं। मंदिर परिसर में नोटों से की गई सजावट श्रद्धालुओं के लिए आकर्षण का मुख्य केंद्र बनी हुई है।

पिता ने कोल्ड ड्रिंक में मिलाया जहर, बेटी की मौत, दंपति गंभीर

शहडोल में सामूहिक खुदकुशी का प्रयास

जागरण, शहडोल। शहडोल में एक व्यक्ति ने पहले कोल्ड ड्रिंक में जहरीला पदार्थ मिलाकर खुद पी लिया और फिर अपनी पत्नी और बेटी को भी पिला दी। मामला कोतवाली थाना क्षेत्र अंतर्गत पुरानी बस्ती का है। यहां रहने वाले शंकर लाल गुप्ता ने कोल्ड ड्रिंक में जहरीला पदार्थ मिलाकर खुद पी लिया और अपनी पत्नी राजकुमारी गुप्ता और बेटी स्वाति गुप्ता को पिलाकर एक साथ खुदकुशी करने का प्रयास किया। इलाज के दौरान मेडिकल कॉलेज में स्वाति की मौत हो गई। शंकर और उसकी पत्नी राजकुमारी का गंभीर हालत में इलाज चल रहा है। पता चला है कि शंकरलाल ऑनलाइन गेम खेलता था और इसी दौरान साइबर फ्रॉड में फंसकर लंबा आर्थिक नुकसान उठा चुका है। आनलाइन गेम के कर्ज के कारण परिवार में आएदिन कलह होने लगा था। पुलिस ने परिजनों तथा आसपास के लोगों से पूछताछ की जा रही है। साइबर एंगल को भी ध्यान में रखते हुए जांच हो रही है। कोतवाली थाना प्रभारी राघवेंद्र तिवारी ने बताया कि घटना हुई है और लड़की की मौत हो गई है, जबकि माता-माता इलाज ले रहे हैं। प्रारंभिक जांच में ऑनलाइन गेम व साइबर फ्रॉड की बात सामने आ रही है। जांच के बाद स्थिति स्पष्ट होगी। आगे वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

10 YEAR WARRANTY | BAJAJ SECURE • AMC • ROAD SIDE ASSISTANCE | 72198 21111 | SHRIRAM Finance | IDFC FIRST Bank | BAJAJ AUTO CREDIT | L&T Finance | TATA CAPITAL Two Wheeler Loans

*नियम और शर्तें लागू. बचत 28 फरवरी 2026 तक लागू है. दर्शाई गई कुल सेविंग्स का तात्पर्य है कैशबैक से प्राप्त बचत की कुल राशि, ज़ीरो प्रोसेसिंग फ़ीस और 5 फ्री सर्विसेस (3 स्टैंडर्ड फ्री सर्विसेस और 2 अतिरिक्त फ्री सर्विसेस). फ्री सर्विस की बचत, शेड्यूल्ड लेबर चार्जेस के लिए है. लागू ऑफ़र्स, मॉडल्स/राज्यों के अनुसार बदल सकते हैं. शून्य पीएफ़ पर सेविंग्स, फ़ायनान्सर पर निर्भर करते हुए लोकेशन्स के अनुसार बदल सकती हैं. फ़ायनान्स उपलब्ध है फ़ायनान्सर के अपने स्व-निर्णय पर. स्टंट्स, एक्सपर्ट्स द्वारा प्रोफ़ेशनल सुपरविज़न के तहत, आम जनता या आम रास्तों से हट कर नियंत्रित और बंद सीमित वातावरण में किए गए हैं. कृपया इन स्टंट्स की नक़ल करने का प्रयास न करें और हर समय ट्रैफ़िक तथा सुरक्षा नियमों का पालन करें. पल्सर 125 ऑफ़र नेयॉन और कार्बन फ़ाइबर मॉडल्स पर.

Authorised Dealers for BAJAJ Auto Ltd.: Raisen Road SURJEET BAJAJ 2590000• Berasia Road GURU KRIPA BAJAJ 9329148940 • MP Nagar OM ADVANCE BAJAJ 9993377326 • Biaora YADAV BAJAJ 7987592880 • Betul SACHIN BAJAJ 9827063930 • Chhatarpur TIKARIYA BAJAJ 7470901984 • Guna KK BAJAJ 7303055855 • Harda SURJEET BAJAJ 9926004248 • Itarsi SMH BAJAJ 9399642588, 7000805580 • Raisen MOTI BAJAJ 8962448444 • Sehore SUDERSHAN BAJAJ 8225023340/9826023340• Vidisha SHREE BALAJI BAJAJ 8839791436 • Ashoknagar SAHIL BAJAJ 220590.

मुद्रक एवं प्रकाशक **राजीव मोहन गुप्त** द्वारा जागरण पब्लिकेशन्स प्रा. लि. हेतु 'दैनिक जागरण प्रेस' 33, जागरण भवन, प्रेस काम्पलेक्स, जोन-1, एम.पी. नगर, भोपाल, मध्यप्रदेश -462011 (म.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित। आर.एन.आई. नं. 1573/57, पंजीयन संख्या 7 म.प्र., **संस्थापक : स्व. गुरुदेव गुप्त,** संपादक : **राजीव मोहन गुप्त,** स्थानीय संपादक : **हरिमोहन गुप्त** फोन : **कार्या. :** 0755-6723200 **E-mail :** modemdj@gmail.com।